



२७/१/८६

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

बं. 15]

नई दिल्ली, मंगलवार, सितम्बर 30, 1986/ आश्विन 8, 1908

No. 15] NEW DELHI, TUESDAY, SEPTEMBER 30, 1986/ASVINA 8, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दो जाती हैं जिससे कि यह अलग संकालन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

बी इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डिनेट्स और ट्रेनिंग

अधिसूचना

(चार्टर्ड एकाउंटेंट्स)

नई दिल्ली, 30 सितम्बर, 1986

संख्या 1-बी.ए. (5) 037/86—चार्टर्ड एकाउंटेंट्स एक्ट 1940
ने अनुसार 18 के उप अनुसार (5) की व्यवस्थाओं के अनुसार, 31
मार्च 1986 को समाप्त हुए वर्ष की परिवर्त की रिपोर्ट सभा आविष्ट किये
हुए वार्षिक लेख की एक प्रति संवर्तनाधारण की सूचना हेतु प्रकाशित की
जाती है—

31 मार्च 1986 को समाप्त हुए वर्ष के लिये परिवर्त की 37वीं वार्षिक रिपोर्ट
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स एक्ट 1949 की धारा 18(5) की व्यवस्थाओं
के अनुसार परिवर्त को अपनी 37वीं वार्षिक रिपोर्ट अस्तुत करने में है।
इस रिपोर्ट में न केवल 31 मार्च 1986 को समाप्त हुए वर्ष में
इंस्टीट्यूट की गतिविधियों का हो समावेश है अतिक्रम इसमें इसके जारी होने
जी तिथि तक के महत्वपूर्ण गतिविधियों पर प्रकाश ढाला गया है।

1. परिवर्त

12वीं परिवर्त का कार्यकाल 16 सितम्बर, 1986 को समाप्त हो
गया और 13वीं परिवर्त जो कि पांच अप्रौय चुनाव लेखों से इंस्टीट्यूट
के 24 निर्वाचित सदस्य तथा केन्द्रीय भरकार व्यवाय मनोनीत 6 सदस्यों
से बदली है, का गठन 17 सितम्बर, 1985 को किया गया था। योग्य
वरिष्ठों और उनकी समितियों को स्थिति (अ) 1 अप्रैल, 1985 से 16
सितम्बर 1985 तथा (ब) 17 सितम्बर, 1985 से 31 मार्च 1986
तक की अवधि के लिये अवधि: परिवर्त 1 और 11 में वी गई है।

1. 2 अध्यक्ष और उपाध्यक्ष

श्री ए.सी. चक्रवर्ती और श्री पी.ए. नायर 16 सितम्बर, 1985
तक कमेंट: अध्यक्ष व उपाध्यक्ष बने रहे। श्री पी.ए. नायर और श्री आर.
बालाहृष्णन 17 सितम्बर, 1985 से एक साल की अवधि के लिये कमेंट:
अध्यक्ष व उपाध्यक्ष बने गये।

1. 3 परिवर्त की बैठक

वर्ष 1985-86 के दर्शियान परिवर्त की पांच बैठक हुई—113वीं
बैठक 11, 12 और 13 अप्रैल, 1985 को बम्बई में, 114वीं—11 और
12 जूनाई 1985 को नई दिल्ली में, 115वीं—14, 15 और 16 सितम्बर
1985 को नई दिल्ली में, 116वीं—17 सितम्बर, 1985 को नई दिल्ली
में तथा 117वीं—19, 20 और 21 सितम्बर, 1985 को नई दिल्ली
में हुई।

2. अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध

2. 1 इंटरनेशनल फोरेंसिक एकाउंटेंट्स

(ए) इंस्टीट्यूट लेक्षापालों के अन्तर्राष्ट्रीय राज मंड़ (माई.एफ.
ए.सी.) का लगातार सदस्य रहता आया है नथा भारत वाई.एफ.ए.सी.
की परिवर्त की निर्वाचित सदस्य बनता आया है तथा इसकी एंजेक्यूटिव
कमेंट, इंटरनेशनल अधिकारिंग प्रक्रियालय कमेंटी तथा फाइब्रोग्राफील एंजेक्यूटिव
कमेंट एकाउंटिंग कमेंटी में प्रतिनिधित्व करता आ रहा है।

(बी) श्री श्री.एन. कावरा, इंस्टीट्यूट के भूत्युवं अध्यक्ष, आई.ए.एफ.सो.की परिषद से सारत की ओर से ब्राह्मण प्रतिनिधित्व करने रहे हैं।

(सी) श्री बंसी एन. सेना, इंस्टीट्यूट के जनरल अध्यक्ष, आई.एफ.सो. की एजेंसियन कमेटी के समानित के बद पर जने हुए हैं।

(दी) श्री बाई.एन. मानिम, इंस्टीट्यूट के जनरल अध्यक्ष, आई.एफ.एफ.सो. की इंटरनेशनल अधिविज प्रतिनिधि कमेटी में सारत का प्रतिनिधित्व करने आ रहे हैं।

20 और 21 फरवरी 1986 को आई.एफ.ए.सी. की इंटरेशनल कमेटी की एक बैठक नई शिक्षा इंस्टीट्यूट के भूत्युवं अध्यक्ष के विषय के विषय को पुस्तकालय के एक सेमिनार का आयोजन भी हुआ गया। इसके अतिरिक्त, दोपहर इंस्टीट्यूट जाग इंस्टीट्यूट आफ कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेंट्स आफ इंडिया के प्रतिनिधियों, दी. आई.ए.ए.सो. की एजेंसियन कमेटी के सदस्यों के साथ यह जनरल इंजिनियरिंग का अध्योजन भी किया गया। इस बैठक में दोनों इंस्टीट्यूट के शास्त्र और विद्याग के लक्ष्य और कार्यक्रमों से संबंधित सामान्य हित और अनेक बातों पर विचार किया गया।

अध्यक्ष श्री पी.ए. नायर ने गई 1986 में जूरिच में हुई आई.एफ.ए.सी. की परिषद की बैठक में भारतीय प्रतिनिधि के गठनकी परामर्श दाता की हीतियत से भाग लिया।

2. 2 इंटरेशनल एकाउन्टिंग स्टेट्यूर्ड करेटी

श्री पी.ए. मावर, इंस्टीट्यूट के अभ्यन्तर इंटरेशनल एकाउन्टिंग स्टेट्यूर्ड कमेटी की “इनक्रोशन इन फार्मेनेशनल स्टेट्यूर्ड आफ बैंक” के ऊपर गठित कर्णधार समिति के वर्तमान सदस्य हैं।

2. 3 एशियाई एवं पार्सांच थेट्रिंग लेभारानों का विषय

भारत हमारी सहायक संस्था इंस्टीट्यूट आफ कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेंट्स आफ इंडिया के वाइरन एंड शेयरी एवं ब्राह्मण अधीक्षित समिति के परिसव को प्रस्त्रकारित्व समिति में प्रतिनिधित्व करता आ गहा है।

2. 4 सातवां एवियन फाउंडेशन आफ एकाउन्टिंग

सातवां एशियन फाउंडेशन आफ एकाउन्टेंट्स की अधेन्यली (सभा) की एक बैठक 3 और 4 जिल्हावार 1985 को गोन्डो, श्री लंका में श्री पी.एन. शासु, तकातीन परिवार के अध्यक्ष तभा इंस्टीट्यूट के भूत्युवं अध्यक्ष ही अध्यक्षता में हुई। श्री पी.ए. नायर, इंस्टीट्यूट ही अध्यक्ष, श्री.ए.सो. ब्राह्मणी, इंस्टीट्यूट के प्रारब्ध भूत्युवं अध्यक्ष और डा. लम्बन गुप्ता, इंस्टीट्यूट के तकातीन लिटोराल तभा त काशीन विद्यासंघ के सचिव ने इस बैठक में भाग लिया। इन बैठक में प्रतिनिधि के थो.ए.ए. नायर, ब्राह्मण तथा पाकिस्तान के श्री हमादीम ब्राह्मणाना 1936 के लिये परिसंघ के काशी: अवक्ष व उत्तरांश चो. गये। इन लम्बा श्री पी.ए. नायर परिसंघ की असेम्बली में इंस्टीट्यूट का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

असेम्बली की भीटिंग के बाद 4 ते 7 जिल्हावार, 1985 को सातवां एशियन फाउंडेशन आफ एकाउन्टेंट्स का प्रथा अधिवेशन हुआ। अधिवेशन का विषय “एकाउन्टेंटी ब्राह्मण-वृषभ व नियामनावां”, वाइरन को वर्तमान सिविल को रेखांकित करना, विदेशी विद्या एवं वायों भेद में वरदन तह पर अधिक एवं सकलीती यातावरण में व्यवसाय हा। स्वित्य के स्वातंत्र्य का अनुमान लगाता था। अधिवेशन में डा.पारेश, भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका और नेपाल के लगभग 300 से अधिक प्रतिवेद्यों ने वाप लिया। जोधेशन में इंस्टीट्यूट के प्रतिनिधि भड़ल का नेतृत्व श्री पी.ए. नायर ने किया।

25 जूलाई 1986 को साफा एवेन्यूली की दूसरी भौमिका द्वाका बंगला देश में हुई। श्री पी.ए. नायर ने साफा एवेन्यूली में इंस्टीट्यूट के प्रतिनिधि कीहीतियन से तभा श्री आर.एच. बोपदा से श्री नायर का सकलीकी सलाहकार जो हीतियत से इस भौमिका में भाग लिया। 26 और 27 जूलाई 1986 को साफा के संरक्षण में एक सेमीनार का भी आयोजन किया गया। इस लेभारार का आयोजन इंस्टीट्यूट आफ कास्ट एकाउन्टेंट्स आफ बंगलादेश तभा इंस्टीट्यूट आफ कास्ट एण्ड सेनेजमेंट

एकाउन्टेंट्स आफ रंगलालिंग ने प्राप्तिका अप में लिया। लगभग 400 प्रतिनिधियों ने सेमीनार के तर्क-वितरक में भाग लिया। श्री आर.एन. नायर ने जो कि हमारे इंस्टीट्यूट के सदस्य हैं “इंस्टीट्यूट आफ कास्ट एकाउन्टिंग एण्ड आर्डिंग” के विषय पर एक वेपर प्रस्तुत किया। श्री पी.ए. नायर ने “रोल आफ मैनेजमेंट एकाउन्टेंट इन एमाइनें इन्टरप्राइज” नामक दूसरे तकनीकी मैनेजमेंट की अध्यक्षता की।

2. 5 11वीं कापा कांग्रेस

9 से 13 नवम्बर 1986 में एशियाई एवं ग्रामांत भेदवार्ता का 11वीं अधिवेशन में मैल्बोर्न, आस्ट्रेलिया में अन्तर्याम आ रहा है। अधिवेशन का विषय “एकाउन्टेंटी का प्रतिविन्दी-दावों और बदलाव” है। श्री मालार बार्ने जो कि हमारी परिषद के सदस्य हैं जो “एकाउन्टेंट्स-रोपर प्रोफेशनल एण्ड सोशल रेप्रोसेप्शनलिटीज द्वे एं एड डमारो” नामक विषय पर सामूहिक लेभार का कार्य सोया है। इंस्टीट्यूट श्री भार. बाला कृष्णन, उपाध्यक्ष के नेतृत्व में अधिवेशन में हिस्सा लेने के लिये एक प्रतिनिधिमंडल भेज रहा है।

2. 6 13वीं बर्ल्स कांग्रेस आफ एकाउन्टेंट

13वीं बर्ल्स कांग्रेस आफ एकाउन्टेंट्स का आयोजन 11 से 15 अक्टूबर 1987 को दोस्यो, जापान में किया जा रहा है। कांग्रेस का विषय “कम्पूटर बातावरण में एकाउन्टेंट की भूमिका” है। श्री हेने राय को जो कि हमारे इंस्टीट्यूट के सदस्य हैं को “आर्डिंग आफ विल्पल ई.डी.पी.सिल्टम” नामक विषय पर लेभार नेतृत्व करने के लिये चुना गया है। कांग्रेस में भाग लेने के लिये इंस्टीट्यूट एक प्रतिनिधिमंडल भेजेगा।

2. 7 विदेशों में सेमीनार

इंस्टीट्यूट ने एक रुक लेभारार दुर्वाई और दोडा में कम्पा: 25 और 26 अप्रैल, 1986 को आयोजित किया। लेभारार के फैकल्टी सदस्यों में श्री एन.पी. शारदा, एफ.सी.ए., ग्राम्बन तथा इंस्टीट्यूट के सकलीकी निदेशक डा. कमल गुप्ता शामिल रहे। लेभारार में एकाउन्टिंग, आर्डिंग और बोर्सेरेट फाइनेंस पर तय भूमिकाओं पर विचार किया गया। डोडों सेमीनारों में उपस्थित बहुत अच्छा थी।

2. 8 अन्तर्राष्ट्रीय तकनीकी प्रतिवेदनों पर प्रतिवचन

अन्तर्राष्ट्रीय सेक्षापालों के परिसंघ तथा अन्तर्राष्ट्रीय एकाउन्टिंग स्तर समिति द्वारा आर्द्द: किये गए प्रतिवेदनों पर इंस्टीट्यूट लागतार प्रतिवचन करता आ रहा है।

2. 9 विदेशी महानुपातों को याताये

साल के दरमिन में जिन महानुपातों विदेशी भाग्यारों ने भारत की यात्रा की उन्ने डा. ग्राम जो. भिन्न (एशियाई तथा ग्रामांत भेदवार लेभारानों के महापरिसंघ के अध्यक्ष), श्री ब्रेन जेनकिन (अध्यक्ष-इंस्टीट्यूट आफ आर्ट्स एकाउन्टेंट्स द्वन इंगलैण्ड एण्ड बैंक्स) और श्री देविड काइलस (इंटरनेशनल एकाउन्टिंग स्टेट्यूर्ड कमेटी के लेबेटी जनरल) शामिल हैं। इन यात्राओं में उनके साथ सामान्य दिन के अनेक मामलों पर विचार किया गया।

3. अकाउन्टिंग विकास की गतिविधियाँ

3. 1 सामान्य:

परिवर्त वर्ष 17 जिल्हावार 1985 से 16 जिल्हावार 1986 तक की अवधि के लिये परिषद द्वारा मॉडिल की गई अनेक अस्थाई समितियों के व्यवसायिक निकास से संबंधित गतिविधियों का सूचीकार निम्नलिखित प्राप्त की गया गया है। इस सूचीकार में 1 अप्रैल 1985 से 16 जिल्हावार 1985 तक की गतिविधियों का उल्लेख नहीं है क्योंकि इन्होंने पहने ही गत वर्ष देश की गई 36वीं बारिंग रिपोर्ट में सम्पादित किया जा चुका है। इसमें भेदवार विदेशों तथा उभकी शालाओं की गतिविधियों का अपौरा भी नहीं है।

3. 2 एकाउन्टिंग स्टेट्यूर्ड बोर्ड:

(ए) जनवरी 1979 में एकाउन्टिंग स्टेट्यूर्ड के निवेदन की प्रस्तावना विदेशी विद्यालय एकाउन्टिंग

(v) निर्माण प्रश्नियों के दोरान दरमियान द्वार्चे का प्रबंधन के ऊपर मार्गदर्शक नोट (निर्माण अधियों के दरमियान होने वाले द्वार्चे पर अध्ययन) नामक पुस्तक का संशोधित संस्करण।

(बो) प्रकाशन की प्रक्रिया में अध्ययन।

- काटिसलाइजर उद्योग पर एकाउंटिंग तथा आर्डिटिंग के लिये तकनीकी गाइड।
- निर्माण उद्योग—आन्तरिक आडिट पर गाइडलाइंस
- चीनी उद्योग—आन्तरिक आडिट पर गाइडलाइंस

(सी) समिति के निर्माणाधीन प्रकाशन

- उद्योगों में धोमारी की हालत निर्णित करने के लिये विस्तृत शुल्कनामों के प्रयोग का अध्ययन
- निम्नलिखित पर एकाउंटिंग तथा आर्डिटिंग तकनीकी गाइड:—
 - आटोमोबाइक उद्योग
 - ड्रग व कार्मस्याटिकल उद्योग
- पटे के लिये एकाउंटिंग पर मार्गदर्शक नोट
- विदेशी विनियम विनियम एक्ट के लिये एकाउंटिंट की गाइड।

(दी) परियोजना प्रगति पर

- स्टेटिस्टिकल सेम्पलिंग टेक्नीक—आडिट प्रोविडेंस एक सहायता।
- टेक्सिटाइल उद्योग—आन्तरिक आडिट के लिये गाइड लाइन।
- होटल उद्योग के लिये एकाउंटिंग तथा आर्डिटिंग की तकनीकी गाइड।
- कम्पनियों के वित्तीय स्टेटमेंट्स पर इन्स्टीट्यूट की धोमाराओं का प्रभाव।
- कस्टम इन्स्टीट्यूट के नियम के लिये एकाउटेन्ट की गाइड।
- टायर उद्योग—आन्तरिक आडिट के लिये गाइड लाइन।

(vii) निम्नलिखित पर अध्ययन:—

- एम.आर.टी.पी. एक्ट
- धोमा आडिट—एल.आई.सी.
- सार्वजनिक ट्रस्ट का आडिट।
- हास्पीटल एकाउंटिंग तथा प्रबन्ध नियंत्रण प्रणाली।
- कम्प्यूटर और आडिट।

(viii) मोडेल एकाउंटिंग के लिये मार्ग वर्तक नोट।

(f) संशोधन की प्रक्रिया में वर्तमान प्रकाशन

- ट्रीटमेंट आफ रीटायरमेंट सेच्युटी इन एकाउंट्स पर स्टेटमेंट्स।
- बीमा एक्ट, 1965 का भुगतान—एकाउंटेन्ट्स का अध्ययन।
- संक्षणिक संस्थाओं के आडिट के लिये तकनीकी गाइड।
- कोआपरेटिव समितियों को आडिट के लिये तकनीकी गाइड।
- रोयर मल्टीकाम पर अध्ययन।
- भारतीय उद्योगों में मूल्य निधारण।
- एकाउंटिंग ट्रैटमेंट अक्स रिमॉडल इन अमेरिकानेशा पर भारतीय वर्तक नोट।

(viii) बदलती कीमतों के एकाउंटिंग पर मार्ग वर्तक नोट।

(ix) एकाउंट्स में डेप्रिवेशन तथा करने के तरीके से परिवर्तन के ऊपर स्टेटमेंट्स।

(एफ) शील्ड पेनल

सबसे अच्छे हांग से प्रस्तुत किये गये एकाउंट्स के पुरस्कारों का वाचिक पुरस्करण।

(ए) कम्पनियों तथा अविस्तोय वेधानिक नियम

वाचिक प्रतियोगिता के जीवों के पेनल, ने सन् 1984-85 के लिये तिन्हस्तान भर्तीन ट्रान्स लिमिटेड के वाचिक रिपोर्ट और एकाउंट्स (31 मार्च 1985 को समाप्त हुये साल का) को सबसे अच्छे हांग से प्रस्तुत किया हुआ घोषित किया तथा इस कम्पनी को चांदी के शील्ड से पुरस्कृत किया।

जीवों के पेनल ने मिस्नलिखित कम्पनियों के वाचिक रिपोर्ट और एकाउंट्स की बड़ी प्रशंसा की तथा इनको ट्रैटमेंट से पुरस्कृत किया गया:—

वो एसोसिएटेट सीमेंट कम्पनीज लिमिटेड।

(31 जूलाई, 1984 को समाप्त हुये वर्ष के लिये)

वो इंडियन आयल कार्पोरेशन लिमिटेड (31 जूलाई, 1985 को समाप्त हुये वर्ष के लिये)।

वो मिस्टर्लम एण्ड मेडल्स ट्रैडिंग कार्पोरेशन और इंडिया लि.

(31 जूलाई, 1985 को समाप्त हुये वर्ष के लिये)।

(उपरोक्त कम्पनियों जिनके एकाउंट्स को बड़ी प्रशंसा की है इनका फ्रम वर्गमाला के त्रिसाय से रक्ता गया है न कि प्राथमिकता के आधार पर)।

(दी) बैक और विस्तृत संस्थाएं—1984-85 के लिये

जीवों के पेनल ने बैको और विशेष संस्थाओं के वाचिक रिपोर्ट और एकाउंट्स पर भी विचार किया तथा “मार्गदर्शक वायात एवं नियति बैंक” के एकाउंट्स व वाचिक रिपोर्ट को प्रतियोगिता में शामिल बैको व विशेष संस्थाओं में सर्वोच्च घोषित किया तंता इस नियम को चांदी के शील्ड से पुरस्कृत किया।

(सी) इकाइयों जैसे कि सार्वजनिक ट्रस्ट, कोआपरेटिव समितिया

अन्वेषण एवं विधिगत संस्थाएं [इस्यावि 1984-85 के लिये

जीवों के पेनल ने उपरोक्त इकाइयों के एकाउंट्स और वाचिक रिपोर्ट पर भी अलग से विचार किया तथा “इंडियन फारमर्स फटिस्टाइजर कोआपरेटिव लिमिटेड” के एकाउंट्स व वाचिक रिपोर्ट को जर्वेंच घोषित किया और इसे ट्रैटमेंट से पुरस्कृत किया है।

3.5 व्यावसायिक विकास समिति

(ए) राष्ट्रीयकृत बैको तथा भेदीय प्रामाणीक बैको की शाखाओं के एकाउंट्स का आडिट से संबंधित एपेललमैट प्रक्रिया तथा अन्य कार्य

संबंधित अधिकारियों के निवेदन पर उपरोक्त प्राधिकारियों द्वारा निविष्ट मार्गदर्शकों के अनुसार वर्ष 1985 के लिये सार्वजनिक भौत के बैको व उनकी शाखाओं को लिये आडिटों का पेनल तैयार करने के लिये कमेटी ने इन्स्टीट्यूट के प्रेसिडेंस करने वाले सदस्यों से जुड़नाएं एकत्रित की। जिन्होंने इस नियमस अपने आवेदन भेजे, उन्हें कम्प्यूटराइज किया गया तथा सम्बन्धित अधिकारियोंके पास भेजा गया। ऐसी ही जुड़नाएं इन्स्टीट्यूट के प्रेसिडेंस करने वाले सदस्यों से सार्वजनिक बैको से बैको तथा भेदीय प्रामाणीक बैको की शाखाओं के एकाउंट्स के आडिट के लिये 1986 के लिये एपार्टमेंट की गई तथा इन्हीं कम्प्यूटराइज के अनुसार एक तृतीय वर्ताई गई। इन तृतीय वर्ताई गई मूली की संबंधित प्राधिकारियों द्वारा निविष्ट प्रामाणीक ट्रान्स विनियम के अनुसार एक तृतीय वर्ताई गई। इन तृतीय वर्ताई गई मूली की संबंधित प्राधिकारियों को

उनकी शांग के अनुसार भेज दी गई है। समिति ने सदस्यों से प्राप्त स्वरण पत्रों के आधार पर इस्टीट्यूट में सब्जित अनेक भागों पर अधिकारियों से विचार किया।

(बी) उद्योगों में सदस्य

उद्योगों में लगे सदस्यों के लिये एक समिति का गठन किया गया जो—

- (1) इंस्टीट्यूट की गतिविधियों में उद्योगों में लगे सदस्यों का सामरियार अनन्त भी हड्डा को आग्रह करने के साथसे व तरीकों पर विचार करें।
- (2) उन भागों पर विचार करना जो कि सेवा में लगे सदस्यों को प्रभावित करते हो विशेषतया भविष्य की योजनाओं से मंबंधित लम्बस्याओं, नीति विचय एवं अन्य संबंधित भागों से।
- (3) उद्योगों में रोजगार के इच्छुक सदस्यों संघ होने वाले नियोजनाओं बोर्डों के हित में रोजगार सर्वानी सेवाएं प्रदान करे।
- (4) सदस्यों के लिये उद्योगों में रोजगार के नये स्रोतों को खोज तथा विकास कार्य करता। इस समिति में उद्योगों में लगे हैं भविष्यपूर्ण सदस्य शामिल हैं।

समिति के एक निर्णय के अनुसार अर्थव्यवस्था के विभिन्न भेजों व विवेगों में रोजगार हे अवसरों के संबंध में सदस्यों का मार्गदर्शन करने हेतु इंस्टीट्यूट के जर्मन में लेखों की एक श्रुतिला प्रकाशित की गई। तब्दील 1985 के जर्मन में अध्यक्ष के पेज पर “इंस्टीट्यूट और उद्योगों में लगे हुये सदस्यों के लिए सम्बन्ध में मुद्राएँ” के ऊपर सदस्यों में अनेक विचार एवं मुद्राएँ प्राप्त हुये। इन सदस्यों से प्राप्त विवारों एवं मुद्राओं पर अमल किया जा रहा है। समिति ने निर्णय लिया है कि हर एक संक्रीय परिवर्त अपने अपने भेजों में उद्योगों में लगे सदस्यों के भागों पर विचार करने के लिये “उद्योगों में लगे सदस्यों के लिये समिति” का गठन करेगी।

(सी) अनवरत शिक्षा कार्यक्रम

13 से 16 फरवरी 1986 में भरजुगां, श्रीगंगामा में उद्योगों में लये विश्व एवं एकाउन्ट्स अधिकारियों के लिये एक रेजिस्ट्रेशन कोर्ट का भागीजन किया गया।

(दी) आन्तरिक आडिट

(1) आन्तरिक आडिट का कार्य तथा आन्तरिक आडिटर के रूप में सार्टाई एकाउन्टेन्टों की भूमिका को बढ़ाना और आन्तरिक आडिट से संबंधित भागों पर विचार करने के लिये “आन्तरिक आडिट समिति” का गठन किया गया है।

(2) 6 और 7 सितम्बर 1986 को मध्यसे में आन्तरिक आडिट के कार्य अधिकारी भारतीय अधिकारी हुआ। अधिकारी में आन्तरिक आडिटर कार्य के बहुत सारे पहलुओं पर विचार किया गया तथा आन्तरिक आडिटर को बढ़ाने हुई भूमिका पर प्रकाश डाला। इस अधिकारी में 12 पेर्सों के जर्ये चार भागों में आन्तरिक आडिटिंग के अनेक पहलुओं पर बहस हुई।

(ई) सदस्यों के लिये व्यावसायिक अवसरों पर प्रकाशन

उपर्युक्त प्रकाशन के पहले सम्बरण के बाद से हुए अनेक परिवर्तनों को मध्य नजर रखते हुये इसे सदस्यों के प्रयोग के लिये अब संशोधित किया जा चुका है। इस प्रकाशन को एक कापी सभी नये सदस्यों को निश्चिक दी जा रही है।

(एफ) विस्तृत कार्य दो आडिट रिपोर्ट का विज्ञेष इमां द्वारा हो हृष्ट आडिट पर सेमीनार

समिति द्वारा किये गये अनुरोध के उपलब्ध में क्षेत्रीय परिषदों में अपने भेजों में विभिन्न भागों पर विस्तृत कार्य को आडिट रिपोर्ट को विशेष ध्यान देने हृष्ट बैंक आडिटर पर अक्सरोंकी सेमीनार आयोजित किये गये। इस तरह 40 से भी अधिक सेमीनारों का आयोजन किया गया। इस उद्देश्य के लिये प्रधान कार्यालय में मामाय बैंक याउन्ड मामाय अनेक क्षेत्रीय परिषदों तथा शास्त्राभागों में ब्राटा गया।

(जी) बैंकों का आन्तरिक आडिट

सारे राष्ट्रीयकृत बैंकों को उन बैंकों तथा उनको शाकाभो का एकीभूत तथा आन्तरिक आडिट का कार्य करने के लिये चार्टर्ड प्राइवेटेन्टों की सेवाओं का उपयोग सेवाओं को आधिकारिकता पर अल डालने हुए एक जापन दिया गया। इस अनुरोध के मरम्मे में सारे राष्ट्रीयकृत बैंकों ने सुचित किया है कि वे इस उद्देश्य के लिये चार्टर्ड एकाउन्टेन्टों को सेवाओं का उपयोग कर रहे हैं। इस आडिट कार्य को निविदितसा तथा पूर्ण रूप से करने के उद्देश्य ने सदस्यों की सहायता के लिये समिति ने “बैंकों का आन्तरिक आडिट” के नाम से एक मार्गदर्शक सोट संयाग करने का फैसला किया है।

(एच) चार्टर्ड एकाउन्टेन्टों हारा कोआपरेटिव सोसाइटीज का आडिट की व्यवस्था के लिये कोआपरेटिव सोसाइटीज एक्ट में संशोधन

समिति के निवेदन पर राज्यों की राजतानियों से स्थित क्षेत्रीय परिषदों तथा क्षेत्रीय परिषदों की शाकाभो ने अपने अपने राज्य के संबंधित अधिकारियों को चार्टर्ड एकाउन्टेन्टों हारा कोआपरेटिव सोसाइटीज के आडिट की व्यवस्था के लिये कोआपरेटिव सोसाइटीज एक्ट से संगीधन के लिये जापन दिये हैं। परिवर्त के सदस्य भी व्यवस्था के लिये जापन दिये हैं। परिवर्त के सदस्य भी व्यवस्था के लिये जापन दिये हैं। अन्द्र प्रेश सरकार ने निम्नस्थित मूर्छों पर अवैश्य आरी कर दिये हैं।

(ए) ऐसी स्थायां जहाँ आडिट कार्य चिलड़ा हुआ है, वहाँ जिला कोआपरेटिव आडिटकारी इस कार्य को चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट को देगा। (धी) कोआपरेटिव बैंकों का आन्तरिक आडिट का कार्य चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट को मौपना और (मी) राज्य स्तर की समिति का गठन जिसमें एक प्रतिनिधि चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट होगा।

(आई) आपाल और निपील प्रमाणक्रम पर मार्गदर्शन

आयात-निर्यात नीति तथा आयात और निर्यात के सुअ नियमक द्वारा आरी 1985-86 तक की आयात-निर्यात विधि नामक हैन्ड बुक में अनेक फार्म चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट द्वारा प्रमाणित किये जाते हैं। समिति सदस्यों की सहायता के लिए एक मार्गदर्शक सोट निकाने का प्रयत्न कर रही है जो कि सदस्यों को अधिकारियों द्वारा निश्चय भूवानों को संपादित करते समय अपना कार्य निपाने में महाप्रक होगा।

(जे) सेल रेगुलेटरी तरीकों को आवश्यक बनाना

इंस्टीट्यूट के सदस्यों में व्यावसायिक कार्य का बराबर बढ़वारा होने के उद्देश्य से परिवर्त ने सदस्य-समय पर अनेक सेल रेगुलेटरी तरीकों जारी किये हैं। सेल रेगुलेटरी भूवानों का पूरा मार जल्दी 1985 के “वि चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट” में प्रकाशित को जा चुका है। परिवर्त ने अपनी 118वीं बैठक में जो कि अप्रैल, 1986 में हुई, निश्चय किया है कि सेल रेगुलेटरी भूवानों को आवश्यक किया जाए। इस निर्णय पर किस बैठक से लागू किया जाए वह अभी विचाराधीन है।

3. 6 कम्पनी लॉ समिति

(ए) सेमीनार

ट्रेक्सेसन एक कम्पनी लॉ के क्रम 18वीं अधिकार भारतीय सेमीनार नियमक रूप में दृष्टिगत। एवं पाला लॉ सेमीनार, 1986 11 अप्रैल 1986 को अन्वय में हुआ। (प्रेर विवरण के लिये पंद्रा 3-7 (ए) देखिये)

(बी) कम्पनी प्रोस्ट्रेटस एक्ट के ऊपर मार्गदर्शक नोट

समिति ने “रिपोर्ट में इन कम्पनों द्वारा देखा गया विवरण” के ऊपर पूरा वार्तादर्शक नोट जारी किया है जिसकी प्रतिलिपियाँ विक्री के लिये उत्तरवाच हैं। यह मोटे हुमारे उन संशोधनों की तहान्तर करता है जिन्हें वित्तीय भागों में अनेक रिपोर्ट देखे को कहा जाता है।

(सी) कम्पनीज एक्ट के अनुमान 293-ए के ऊपर मार्गदर्शक नोट

कम्पनीज एक्ट 1956 के अनुमान 293-ए में किये गये विवरण संशोधनों को महे नजर रखने से हृष्टे समिति ने कम्पनीज एक्ट के अनुमान 293-ए पर एक नया संशोधित मंत्रिमंडल प्रकाशित किया।

(दी) चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स वित्त एवं एकाउन्ट्स विभाग के प्रबाल के रूप में

नवम्बर, 1985 में सन्निवेश, भारत सरकार, कम्पनी कार्य विभाग को एक जापन किया गया जिसमें तुमाच दिया गया है कि कम्पनीज एक्ट 1956 में संशोधन करके यह व्यवस्था की जाए कि एंटी कम्पनियाँ जो स्टार्ट एक्सचेन्स में पंजीकृत हो तथा जिनकी पेट्र-अप विद्युत पंजी 50 लाख या उससे अधिक हो, उनका वित्त या तथा लेखा विभाग का प्रधान अधिकारीय रूप से एक चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट हो। यह जापन कम्पनी कार्य विभाग के विवाराधीन है।

(ई) कम्पनियों को (जमा-स्वीकृत) नियम, 1975

समय-समय पर पूरे के बाद एक जारी किये गये अनेक सर्कार तथा संशोधन नियम 1975 के पास होते पर समिति ने कल्पनियों (जमा-स्वीकृत) नियम, 1975 पर नोट को संशोधित किया है। यह संशोधित संस्कारण प्रकाशनाधीन है।

(एफ) कम्पनीज एक्ट के अनुमान 309 के लिये सं.ए की योग्यता की सामग्री।

कम्पनी कार्य विभाग को एक और जापन दिया गया है जिसमें मुमाच दिया गया है कि प्रैविट्स कर रखे एक चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स की योग्यता को कम्पनीज एक्ट, 1956 के अनुमान 309 द्वारा अवृत्तित अव्यवस्थों के लिये उचित योग्यता का सामान्य वर्जी किया जाए।

(जी) कम्पनी लो के ऊपर सरकार से वार्ता

समिति ने कम्पनी लो के अनेक मामलों पर अपने विवार दिये तथा सरकार के साथ वार्ता भारी है।

3.7 कराधान समिति

(ए) सेमीनार एवं रेंट्रेन्युमियल कोर्स

बम्बई के ताज महल होटल में 11 से 13 अप्रैल 1986 को इंस्टी-ट्यूट की कराधान एवं कम्पनी लों समिति ने संयुक्त कर से कराधान एवं कम्पनी लों पर 18वीं अंतिम भारतीय तेलोनार का आयोजन किया गया। इसका विषय “कराधान एवं संयुक्त कार्य” नये दृश्य था।

बम्बई उच्च न्यायालय के न्यायालय श्री एस.के. देसाई ने सेमीनार का उद्घाटन किया। इंस्टी-ट्यूट के अध्यक्ष श्री पी.ए. नायर ने पहले सब की अवधानता की। नेपोनार में छठ तकनीकी सब में — जिसमें से आर कराधान को समर्पित तथा दो कम्पनी लों को समर्पित थे। छठ तकनीकी सबों को अवधान नायर को अवधान श्री पी.एम. नायरलालवाला, श्री.एम. मेहता, श्री.एल. कावरा एवं दादी इंजीनियर ने की।

तीसरे तकनीकी सब में “बर्तमान आधिक विकास में वित्तीय संस्थाओं को भूमिका” के विषय पर श्री एन. बागुन, अवधान, श्री.सी.आई.सी. श्री.आई.सी. श्री.पी.एम. नायरलालवाला ने “किसकल स्ट्रेटेजी कार इंजीनियरिंग प्रोफेशन” के विषय पर प्रतिलिपियों को संशोधित किया। पांचवें तकनीकी सब में “एकाउन्टेन्ट हैंडबुक” में ऊपर भी प्रेम शेखर शर्मा का अनुशिष्टियों ने आधिकारियों द्वारा दीर्घा धूप कर दुर्दाय।

सेमीनार ने तेरह तकनीकी विषयों पर विवार किया गया।

श्री.आई.सी.ए. के उद्घाटन श्री एन.एन. शोईरिया ने स्वाहित्यावस्था भाषण दिया। सेमीनार में लगभग 400 प्रतिलिपियों ने हिला लिया।

(ए) 16 से 19 मई, 1986 को कालमाडू के होटल ब्ल्यू स्टार में नवा रेजिस्ट्रेशन फोर्म कराधान वर दृश्य। दोनों के दिनों भागों के 52 प्रतिलिपियों ने इसरे हिस्सा लिया।

(बी) केन्द्रीय उत्तराधिकार एवं वह शुल्क एक्ट

केन्द्रीय उत्तराधिकार एवं वह शुल्क एक्ट का रेजिस्ट्रेशन एवं सरली-करण हेतु वित्त मंत्री, पंजून बोर्ड आर एमाइज एक्ट कस्टम के अध्यक्ष एवं सबस्थ और वित्त सचिव को एक जावन दिया।

(सी) केन्द्रीय बजट

पृष्ठे के अनुमान वित्त मंत्री एवं दूसरे अधिकारियों को बजट से पहले और बजट के बाद जापन दिये गये। बजट से पहले के जापन में लोग टर्म फिल्कल पालियो के ऊपर इंस्ट्रीट्यूट के मुमाच भी थे। इंस्ट्रीट्यूट के अध्यक्ष ने मित्तम्बर 1985 में लोग टर्म फिल्कल पालियो के निर्माण के ऊपर तथा मार्च 1986 के वित्त विवेयक के ऊपर वित्त मंत्री के साथ विवार विमर्श में भाग लिया।

(दी) सम्पत्ति कर नियम

रिपोर्ट वर्ष के दरमेवान सम्पत्ति कर नियमों के भवित्वे के सूचीकरण कर एक जावन दिया गया।

(ई) उत्तरोत्तर कराधान खर्च

उत्तरोत्तर कराधान के ऊपर खर्च पर सरकार द्वारा नियुक्त किये गये अध्ययन दल को इंस्ट्रीट्यूट में इपको प्रशासनी के प्रतिवेदन में एक जापन दिया, इस जापन तथा प्रतिवेदन को एक विशेष अध्ययन दल, जिसकी स्थापना इस उद्देश्य द्वेषु की गई थी, ने नीयार किया।

(एफ) खर्च के दरमियान दिये गये अन्य जापन

(१) वित्त विवेयक 1985 के द्वारा एक के बाद एक परिवर्तन करने से टैक्स आडिट फार्म में संशोधन द्वेषु के विशेष प्रयत्न कर बोर्ड को एक जापन दिया गया। इसारे मुमाचों को जाग, किया गया है तथा फार्म में संशोधन किया जा चुका है।

(२) वित्त मंत्री को एक जापन दिया गया जिसमें यह मुमाच दिया गया कि एक स्वयं रोजानार प्राप्त अव्यवस्थों के बीमारी में इलाज का खर्च तथा बीमारी, सूत्यु एवं वडना भी द्वारा वाली बीमा पर मुमाचान की गई प्रीवियम को राशि को घटाने के लिये आयकर अधिनियम में विशेष अव्यवस्था भी जाए। सरकार ने इस मुमाचों को अंगातः जाग लिया है तथा आयकर अधिनियम अव्यवस्था की गई है कि बीमारी तथा बीमा के प्रीवियम की भुगतान की गई राशि को घटाया जाए।

(३) वित्त मंत्री को एक दूसरा जापन दिया गया जिसमें यह मुमाच दिया गया कि एक स्वयं रोजानार प्राप्त अव्यवस्थों के बीमारी में इलाज का खर्च तथा बीमारी, सूत्यु एवं वडना भी द्वारा वाली बीमा पर मुमाचान की गई प्रीवियम को राशि को घटाने के लिये आयकर अधिनियम में विशेष अव्यवस्था भी जाए। सरकार ने इस मुमाचों को अंगातः जाग लिया है तथा आयकर अधिनियम अव्यवस्था को समाप्त करने का लिवेन किया गया है।

(४) इंस्ट्रीट्यूट ने आयकर अधिनियम 1961 के अनुमान 3 में संशोधन के प्रत्यावर पर जिसमें पिछले वर्ष की समाप्तता की अव्यवस्था है पर अपने मुमाचों सी.डी.टी. को भेज दिये हैं।

(जी) प्रकाशन

समिति में “टैक्स आडिट में मुद्रे” नाम प्रकाशन मिकाला। यह प्रकाशन टैक्स आडिट में तीव्रियता 150 में भी अधिक मुद्रों का समाप्त है।

(२) आयकर अधिनियम के अनुभाग १५ ए.वी. के अधीन टैक्स आइट पर मार्ग वर्शक नोट पुराने प्रकाशनाधीन है।

(एच) अनुभाग ४५ ए. वी. के अधीन बैंकों का टैक्स आइट

बैंकों का टैक्स आइट से संबंधित मामलों पर विचार करने के लिए तथा अनुभाग ४५ ए. वी. के अधीन टैक्स आइट के फोरमेट को पुर्वल्प देने के लिए "हेडिंग बैंक एनोसिटेशन" ने बैंकिंग उद्योग के प्रतिनिधियों और इंस्टीट्यूट के प्रतिनिधियों को मिलाकर एक अध्ययन वल बनाया। इसमें बहुत सारे मूर्दों पर विचार किया गया। जिसमें टैक्स आइट शुल्क पर्याप्त शामिल है तथा इसमें संवर्तित इसकी अनेक सिफारिशें न रखी थीं जिनका वैक्षणिक विचाराधीन है।

(आई) आयकर अधिनियम के अनुभाग ८० जी से इंस्टीट्यूट को छूट

इह विस्तीर्ण के आयकर आयुक्त ने आयकर अधिनियम के अनुभाग ८० जी से छठा का एक प्रवाण पत्र जारी किया है इसमें यह वर्णन किया गया है कि बान्धवानाओं के हारा इंस्टीट्यूट को दिया गया दान अनुभाग ८० जी से मुक्त होगा। यह प्रमाण-पत्र 22-10-85 से 30-11-86 तक वैध है।

3.8 अनवरत व्यवसायिक शिक्षा के ऊपर समिति

(ए) सेमीनार और कॉन्फ्रेंस

ताल के वरस्तियां अनवरत शिक्षा कार्यक्रम के अधीन अनेकों सेमीनारों और कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। पूर्ण विस्तार के लिए वर्तिशिष्ट III विविधे।

(बी) स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों का परिणाम

नवम्बर 1985 और मई 1986 में संसोधित पाठ्यक्रम के अन्तर्गत सेमीनेट एकाउंटेंसी/कोरपोरेट सेमीनेट/टैक्स सेमीनेटकोर्स (भाग 1) की परीक्षाएं ली गई। नवम्बर 1985 और मई 1986 में ली गई परीक्षाओं का तंत्रिका परिणाम परिवर्तिशिष्ट-4 में दिया गया है।

(सी) योग्यता छात्रवृत्तियों

सेमीनेट एकाउंटेंसी कोर्स के महायता स्कोर के अन्तर्गत 5 विद्यार्थियों को किसाबे खरीदने के लिए प्रत्येक को 500 रुपये की योग्यता छात्रवृत्तियों प्रदान की गई।

(दी) प्रबन्ध और आर्थिक बैंकासिक डाइजेस्ट

सितम्बर 1985 में प्रबन्ध एवं आर्थिक बैंकासिक डाइजेस्ट (एक जनरल जिसमें अवधारणा एवं सेमीनेट में सम्बन्धित मूद्दों पर छोड़े हुए महत्वपूर्ण लेखांकों का सारांश सामिल है) के बारे संस्करण तिकाले गये। इस प्रकाशन को अब छापा जा रहा है तथा इस समय इसके 2,000 से अधिक संस्करण इसके ग्राहक हैं।

(ई) व्यवहारिक प्रशिक्षण/सेक (एम. ए. सी.) में उत्तीर्ण

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम भाग 2 के अन्तर्गत व्यवहारिक प्रशिक्षण के लिए जोहोत उम्मीदवारों की संख्या निम्नलिखित है।

(1) सेमीनेट एकाउंटेंसी कोर्स—12

(2) कोरपोरेट सेमीनेट कोर्स—1

(3) टैक्स सेमीनेट कोर्स—1

निम्नलिखित संख्यों ने सेमीनेट एकाउंटेंसी में स्नातकोत्तर योग्यता कोर्स के दोनों भागों को पुरा कर दिया है।

(1) श्री एन. बैंकरशन (संख्या 9139)

(2) श्री एन. एम. राजाचन्द्रन (संख्या 18070)

(3) श्री जे. राजातोलालन (संख्या 18713)

(4) श्री आर. दुर्गाधास (संख्या 20735)

(एफ) शास्त्रीय कल्याण वर्ष

सभ्यों एवं विद्यार्थियों के लिये अनेक हांग के कोसों की व्यवस्था के लिये संघीय कार्यालयों में आन्तरिक कल्याण एवं लोकों का निश्चय किया गया है। उचित हांग से प्रशिक्षण देने हेतु एक व्याज श्रेणी का प्रशिक्षण कार्यक्रम की जोड़ी की है। मध्याम कल्याण एवं प्रशिक्षण के लिये अनेक संस्थाएं से कार्य करना आवश्यक कर दिया गया है। सभ्यों एवं विद्यार्थियों के लिये अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसके केन्द्र से हमें यहुत ही उत्तमाहवर्क अनुबन्ध प्राप्त हुये। कलकत्ता में कल्याण एवं विद्यार्थी और कानपुर में कल्याण एवं स्थायित्व करने हेतु कल्याण उठाये जा रहे हैं।

(गी) उच्च योग्यता पाठ्यक्रमों पर प्रकाशन

"उच्च योग्यता पाठ्यक्रमों— सेमीनेट एकाउंटेंसी, कोरपोरेट सेमीनेट और टैक्स में रेजिस्ट्रेट नामक एक प्रकाशन नैशनल किया गया है। यह प्रकाशन सभ्यों और विद्यार्थीकरण के प्रत्यक्ष प्रसारणों को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण रहेगा। प्रकाशन में इस पाठ्यक्रमों से संबंधित नियमों, किताबों की सूचीयों को पाठ्यक्रम तथा योग्यता का विस्तार से वर्णन किया गया है। यह सभ्यों द्वारा जामा किये जाने वाले शोधात्मक वर्ताताप तथा संग्रह के प्रतीक वर्ष पर विचार से जानकारी देता है। प्रह प्रकाशन अनवरत शिक्षा कार्यक्रम और कल्याण कोर्स के बारे में भी जानकारी देता है।

3.9 दक्ष सलाहकार समिति

(1) विछली श्रीराम सितम्बर 1985 से समिति ने 43 प्रश्न प्राप्त किये, उनमें से 30 का उत्तर दिया गया है। 12 प्रश्न विद्यार्थीयों हैं तथा एक प्रश्न अमो रुक्त हुई है जबकि प्रश्नकर्ता से कुछ अतिरिक्त सूचना मांगी गई है।

(2) "रायों का संग्रह"—शोल्यम् 5 में समिति के विचार सितम्बर 1984 से सितम्बर 1985 तक सम्मिलित हैं तथा इसके साथ पहिले के बारों शोल्यम् में में निहित रायों का विषयानुसार अधिकारी कम में परिवर्तित हैं। इसे विकास के लिये जाने कर दिया गया है।

(3) समिति के महत्वपूर्ण विद्यार्थी का नंकिता सारांश "दि चार्टर्ड एकाउंटेन्ट" के प्रत्येक संस्करण में सर्व साधारण के भूत्तार्थ प्रकाशित किया जाता है।

3.10 आचार संहिता स्तर समिति

समिति ने इंस्टीट्यूट के सभ्यों को प्रभावित करने वाले आचार संहिता के महत्वपूर्ण प्रस्तुति पर विचार किया जैसे कि :—

(ग) "दूसरे दुरावरण" को कौन बनाते हैं के ऊपर मार्ग वर्शक नोट

समिति द्वारा तेयार किये गये वर्शक नोट को परिवर्द्धने के लिये वर्ष 1985 में हुई अपनी बंधक में स्वोहित की गई। इस मार्ग वर्शक नोट की नैयार करने की आवश्यकता तथा यह विशिष्ट कर पाना मुश्किल हो रहा था कि चार्टर्ड एकाउंटेन्ट अधिनियम के अनुभाग 21 और 22 के अन्तर्गत इंस्टीट्यूट के सभ्यों के कौन से कर्तव्य तथा गलतियों "अन्य दुरावरण" को जन्म देते हैं। मार्गवर्शक नोट में "अन्य दुरावरण" के खेत्रों जिससे कि एक संस्करण पर अन्यासात्मक कार्यवाही की जा सकती है का वर्णन किया गया है। इस मार्गवर्शक नोट को चार्टर्ड एकाउंटेन्ट के जून 1986 के संस्करण में छापा गया था।

(घो) प्रैक्टिस कर रहे चार्टर्ड एकाउंटेन्ट द्वारा अपने एकाउंटेन्ट को किताबों को अविवाह्य रूप से रखना।

समिति की फिलारियों के आधार पर परिवर्द्धने के लिये चार्टर्ड एकाउंटेन्ट अधिनियम 1949 के द्वारा अनुमती के भाग 2 वलों (2) द्वारा प्रवान अधिकारों का प्रवेश करते हुए एक अधिकृत नामी है। इसमें इस बात का वर्णन किया गया है कि प्रैक्टिस कर रहा सर्व साधारण दुरावरण

का ८०% साल बाकी रहा। यह बाई एकाउन्टेन्ट की अमर्कर्म का तिरों वर राखेगा हो, यहाँ धूत फल के बड़वार्ड फ्रेंचिट्स से संबंधित एकाउन्टेन्ट की उचित किताबों को जिम्मे कि एक कैश बुक तथा एक लेजर शामिल है रखने या बनाय रखने से असमर्थ रहता हो।

3.11 विश्वविद्यालय समर्त समिति

(ए) पी. एच. डी. करने के लिए योगी पी. पाठ्यक्रम को विश्वविद्यालयों द्वारा भास्यना।

विश्वविद्यालय समर्क समिति के प्रधानों को कानूनीत्य अव नं २४ विश्वविद्यालयों तथा भास्यनीय विश्वविद्यालय भवन ने योगी पाठ्य डी को कोर्स करने देता है।

(बी) बी. कॉम. कोर्स के लिये आवश्यक पाठ्यक्रम

विश्वविद्यालय समर्क निम्निति से भारतीय विश्वविद्यालयों के बीकॉम. कोर्स के लिये एक आवश्यक पाठ्यक्रम तैयार किया है तथा देश के बहुत से विश्वविद्यालयों द्वारा इसे वितरित किया गया है। समिति विश्वविद्यालयों द्वारा इस आवश्यक पाठ्यक्रम को स्वीकार कराने के लिये प्रयत्न कर रहे हैं।

(सी) बार्टर्ड एकाउन्टेन्ट के रूप में भवित्व

समिति का धन्यवाद प्रकाशन “ब्रोकार्ड डीफ. प्रोक्रेशन” का समोक्षन कार्य पूर्ण हो गया है। निम्निति प्रकाशन का नाम “लेरिवर इन ए बार्टर्ड एकाउन्टेन्ट” रखा गया है। इसका गोचर ही जारी होने को आशा है।

(दी) स्नातक तथा स्नातकोत्तर क्रमाओं में बार्टर्ड एकाउन्टेन्ट द्वारा एकाउन्टेन्टी से तथा संबंधित विषयों का पाठ्य कार्य

इस मामले को समिति विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के साथ लिया हुआ है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने समिति के इस प्रस्ताव को स्वीकार करने से अपनी असमर्थता व्यक्त की है। मामले पर समिति द्वारा किर से विचार किया जायेगा।

(ई) बी. कॉम. परीक्षाओं में एकाउन्टेन्टों की विषय में सर्वोच्च अक्ष प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक तथा पुरस्कार से अलंकृत करने हेतु अनुदान

साल के बर्नियान, अनुदान देश के लिये निम्न जो कि यहाँ से स्वीकृत योगी वितरण निम्न प्रकार में किया गया। प्राची विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ (रु. 5,000/-), उत्तरी बंगाल विश्वविद्यालय, रायपुर (रु. 5,000/-), उत्तरी बंगाल विश्वविद्यालय, दार्जिलग (रु. 3,000/-) और उत्तरान्ध्र विश्वविद्यालय, हैदराबाद (रु. 10,000/-), उत्तरान्ध्र विश्वविद्यालय के लिये 5000 रुपया स्थानीय लक्षणों द्वारा इकट्ठा किया गया।

(एफ) सेमीनार

फरवरी 1986 में जोधपुर विश्वविद्यालय के सहयोग से एक सेमीनार का आयोजन किया गया। 1986-87 में समिति के साथ संयुक्त रूप से बेसी देश का आयोजन करने हेतु पूना विश्वविद्यालय, लखनऊ विश्वविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दार्जिलग (रु. 3,000/-) और उत्तरान्ध्र विश्वविद्यालय, नगर पाली विश्वविद्यालय ने अपनी राहति दें थी है।

(जी) अनेक विश्वविद्यालयों तथा कालेजों को इंस्टीट्यूट को जरूरी उपलब्ध कराना

समिति इस बाब की कोशिश कर रही है कि देश के सभी विश्वविद्यालयों तथा कालेजों को इंस्टीट्यूट का जनरल मिल सके।

3.12 अर्द्धवार्षिक रूप से हाटाये गये आदिटरों के मामलों पर विचार हेतु समिति

साल के बर्नियान विश्वविद्यालय विशिष्ट किये गये समिति के कार्य क्षेत्र के अन्तर्गत समिति ने इस तरह के 2 मामलों पर विचार किया।

निम्नलिखित अनुसार की आपार पर समिति के कार्य द्वारा दो वितरण पर परिषद् का ध्यान आकर्षित किया जा रहा है।

4. अस्थ मामले

4.1 जन सम्पर्क समिति

(1) व्यवसाय को प्रसिद्धि को और अधिक बढ़ाने तथा इंस्टीट्यूट के कार्यों को आम जनना को अचूकी तरह से समाने हेतु जन-सम्पर्क समिति ने अनेक कार्यक्रमों को अपनाया।

(2) 31 मार्च 1985 को समाप्त हुये वर्ष की ३६वीं वार्षिक रिपोर्ट का एक सारांश बहुत सारे प्रमिल समाचार पत्रों में छापा गया।

(3) आई. सी. ए आई का समाचार पत्र के माध्यम से परिषद् को उद्देश्यों की पूर्ति तथा इसके द्वारा बनाई गई नीतियों को आप जरूरा तक पहुंचाया जा रहा है। इसे संवर इन्डिया, बरातीरों की सर्वार्थी, विश्वविद्यालयों, अनेक सरकारी विवाही तथा इसी अप्य संघामों को वितरित किया जाता है। अब तक 10 लाख रुपये ग्राहन किये जा चुके हैं।

(4) “बार्टर्ड एकाउन्टेन्ट और समाज” नामक प्रहारण को भौगोलिक लिया गया तथा इसमें बार आया गया है।

(5) जब कभी भी जहरत सहस्रम हुई संसद-समवय पर समाचार पत्रों में छापे हुये गलत अकाशांकों को सर्वी करने हेतु इंस्टीट्यूट जारी किये गये तथा परिषद् की नीतियों पर प्रहरा डाना गया।

(6) काउन्टिंग स्ट्रेडर्स के एक रूप से अपनाने के ऊर इंस्टीट्यूट के विचारों को अपनाने, पाठ्यक्रम को दोग्रने तथा अप्य समालों के संबंध में अध्यक्ष हारत सबाताता सम्मेलनों का आयोजन किया गया। इंस्टीट्यूट के विचारों को अनेक समाचार पत्रों ने उचित स्थान दिया।

(7) स्थानीय पत्रों ने अध्यक्ष और उपाध्यक्ष की अनेक क्षेत्रीय परिषदों तथा शास्त्राओं की यात्राओं का अपने दैनिक समाचार पत्रों में उचित वर्णन किया।

(8) सामान्य महस्त के मामलों तथा व्यवसाय से संबंधित मामलों पर इंस्टीट्यूट के विचारों को पत्र विज्ञप्तियों के हारा समसाया गया।

4.2 बार्टर्ड एकाउन्टेन्ट का अखिल भारतीय सम्मेलन

बार्टर्ड एकाउन्टेन्टों का अखिल भारतीय सम्मेलन हर तीन साल के बाब देश के विभिन्न भागों में आयोजित किया जाता है। इस बार सम्मेलन को आयोजित करने की जिम्मेदारी पूर्वी भूत की है। परिषद् ने बार्टर्ड एकाउन्टेन्टों का प्रारंभवा अखिल भारतीय सम्मेलन 18, 19, 20 और 21 दिसंबर 1986 को कलकत्ता में आयोजित करने का निर्णय किया है। सम्मेलन का आयोजन करने के लिए श्री पी. ए. शायर व्यव्याप्त के सम्माप्ति में एक सम्मेलन समिति नियुक्त की गई है।

इस सम्मेलन का विषय “नव्ये की मां” (चेन्नैजे औक नाइनटीन) है। इस सम्मेलन में तीन तीन पेपरों वाले जार प्रेनरी सेशन होंगे जिनका वर्णन निम्न प्रकार से है—

प्रेनरी मेंशन-I—मोजरेट एवं कम्प्यूनिकेशन

1. स्टेंडर्ड सेटिंग एवं इम्प्लीमेंटेशन

2. सिस्टम अप्रोस्ट्रॉट आइटिंग

3. प्रोबेन्सन एण्ड बोर ओक इण्डस्ट्रीयल सिक्केनेस

प्रेनरी मेंशन II—फिल्मकल पॉलिसी एण्ड कोर्पोरेट लेजिसलेशन

1. मोडब्यूट—कम्प्यूनिट एण्ड अप्लीकेशन

2. इम्प्लीकेशन एवं राजेश्वारेजेशन आफ आरेट लेवल लॉज-ए-फ्रिटिकल एपाराईजेशन।

3. लाइब्रोलीटीज औक डाइरेक्टरस—रिसेन्ड होइस

प्रैतरी सेशन III—इवररिंग रोल आफ एकाउन्टेन्स इन मेनेजमेंट

1. ई. डी. पी. इन एड टू मेनेजमेंट
2. प्रोफिट मेनेजमेंट इन परिवक सेक्टर
3. कोर्पोरेट कार्डिनेशन—एवेन्यूज कार काउ रेजिंग

प्रैतरी सेशन IV—प्रोफेसनल डेवलपमेंट

1. सौकार्यों एक्सप्रेक्सेस फोम आडिटर्स
2. एकाउन्टिंग एजुकेशन एण्ड ट्रेनिंग
3. रीव्यू आफ कोड आफ काउन्ट

लेखात्मकों के विभिन्न दिव्यांगी परिवर्त की सदृश्य संस्थाओं को इस सम्बन्ध में अपना प्रतिनिधि र्मडल मेनेजर के लिये आवंटित किया गया है। सम्बन्ध तमिति ने सम्बेदन के तिथियों के नजदीक साकार को इस की अवैज्ञानिकी को रैडक कलकाता में करने का निमंत्रण देता है जिससे कि उसके सदृश्य सम्बेदन में भाग ले सके। इस निमंत्रण को स्वीकार कर लिया गया है। देश के अंदर तहायक संस्थाओं के सदृश्यों तथा इंस्टीट्यूट और काउ एड वर्स एकाउन्टेन्स आफ इंडिया तथा इंस्टीट्यूट आफ काउन्टोरीज सेनेटीज आफ इंडिया को भी सम्बेदन में भाग लेने के लिये आवंटित किया गया है। यह आपको जो रही है कि सालाह 1200 प्रतिनिधि इस सम्बेदन में भाग लेंगे। सम्बेदन में भाग लेने के लिये पंजीकरण शुक्र 300 रुपया तथा प्रतिनिधि के साथ आने वाले व्यक्ति के लिये 280 रुपये रखा गया है।

4.3 शिक्षा एवं प्रशिक्षण पुनर्वलोकन समिति

परिषद् ने शिक्षा एवं प्रशिक्षण का पुनर्वलोकन हेतु एक समिति गठित की है जिसके कार्यालयों के कार्य जोव के बातावरण में द्युष्य परिवर्तनों का अनुमान लगाया जा सके तथा इंस्टीट्यूट के रीकार्डिंग तथा प्रशिक्षण में और सुधार करने की आवश्यकता पर विचार एकत्रित किये जा सकें। अध्यक्ष श्री पी. ए. नायर इस समिति के सचिवपति है।

समिति ने अनेकों श्रेणियों के प्रतिनिधियों जिनमें कि सदृश्य, विद्यार्थी, शिक्षाकार्यों तथा चार्टर्ड एकाउन्टेन्टों की सेवाओं का प्रयोग करने वाले शामिल हैं को विस्तृत प्रश्नावली जारी की है। इन प्रश्नावलियों पर प्राप्त उत्तरों को जांग आ रहा है। समिति ने चार्टर्ड एकाउन्टेन्स व्यवसाय से संबंधित समाज के अनेक वर्गों से मीठिक प्रमाण एकत्र करने हेतु देश के विभिन्न महात्म्यपूर्ण स्थानों पर अपनी बैठकें की। एकत्रित किये गये प्रमाणों का समिति जांच कर रही है तथा इसको रिपोर्ट अती-शीघ्र ही परिषद् को प्रस्तुत किये जाने की आवाजा है।

4.4 इंस्टीट्यूट का जनरल

(i) जनरल “दि चार्टर्ड एकाउन्टेन्स” सदृश्यों को निःशुल्क तथा आडिट एवं आर्टिकल र्स्क और विश्वविद्यालयों में पढ़ रहे कामर्स के छात्रों को 15 रु. वार्षिक रिवायत। वर पर मेजा भा रहा है। अन्य लोगों को 30 रुपया वार्षिक वर पर जनरल की प्रतिनिधियां भेजी जा रही हैं।

(ii) जनरल का विवरण 54,500 प्रतिनिधियों तक पहुंच गया है।

(iii) जनरल के प्रकाशन में अनेक महात्म्यपूर्ण सुधार किये गये। इसकी सामग्री तथा वाह्य पृष्ठ तथा अन्य भेजों में काफी सुधार हुआ है। छापने की प्रक्रिया को लैटरप्रेस से आफसेट में बदल दिया है। जनरल को आम जनता विद्यार्थियों तथा सदृश्यों में लोकप्रिय बनाने हेतु अनेक सम्पादकीय सुधार भी किये गये।

(iv) सम्पादकीय बोर्ड ने जनरल के बालूम 33 (जुलाई 1984 से जून 1985 तक) तथा 34 (जुलाई 1985 से जून 1986) तक में छपे सर्वोत्तम लेखों को निम्नलिखित पुरस्कार दिये हैं।

883 GI/86-2

1984-85

भूज्य भाग

1500 रुपये का प्रथम पुरस्कार

1000 रुपये का द्वितीय पुरस्कार

500 रुपये का तीसरा पुरस्कार

विद्यार्थी भाग

500 रुपये का पुरस्कार

1985-86

भूज्य भाग

1500 रुपये का प्रथम पुरस्कार

1000 रुपये का द्वितीय पुरस्कार

500 रुपये का तीसरा पुरस्कार

विद्यार्थी भाग

750 रुपये का प्रथम पुरस्कार

500 रुपये का द्वितीय पुरस्कार

4.5 चार्टर्ड एकाउन्टेन्स विनियमों में परिवर्तन

(ए) केन्द्रीय सरकार की अनुमति से वर्व के दरमियान विनियमों में निम्नलिखित परिवर्तन किये गये:—

1. 1-4-1986 से सदृश्यों द्वारा वी जाने वालों सदृश्यता शुल्क में बदलावी।

2. अन्तिम परीक्षा (पुराना पाठ्यक्रम) को समाप्त करना तथा सूची “बी” में पैराग्राफ 10ए को जोड़ना जिसमें कि उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने पुराने पाठ्यक्रम के अन्तर्गत अन्तिम परीक्षा का एक भाग पास कर लिया है या जिन्होंने किसी विशेष विषयों में छूट प्राप्त की है उनको उसी पाठ्यक्रम के अन्तर्गत समान विषयों में छूट देने की व्यवस्था की गई है।

3. सूची “बीबी” के पैराग्राफ 14 के अन्तर्गत इंस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्स इन बंगलादेश को मास्पता देता

(बी) नये आने वाले रेगुलेशन्स जिमका प्राशय वर्तमान रेगुलेशन्स का सरलीकरण करना तथा प्रक्रिया संबंधी विलम्ब को कम करना है, केन्द्रीय सरकार की स्वीकृति का संतोषार कर रहे हैं। सरकार से प्रती शीघ्र स्वीकृति प्राप्त करने हेतु प्रयत्न किये जा रहे हैं।

अक्टूबर 1984 संस्करण में छपे थी थार. के. शर्मा द्वारा लिखित “पी. ए. रेशियों एनालिसिस एण्ड इन्वेस्टमेंट बीसीजन” के लेख को।

अगस्त 1984 संस्करण में छपे थी दी. एन. पाठ्य द्वारा लिखित “टैक्स ट्रैटमेंट ब्राइफ, स्पेक्युलेटिव ड्रानजेशन्स” के लेख को।

जनवरी 1985 संस्करण में छपे थी श्री पी. जैन द्वारा लिखित “इकेविट नेनेजमेंट आडिट रिपोर्ट” के लेख को।

गांव 1985 संस्करण में छपे थी शतीश के. बागमर द्वारा लिखित “आडिटिंग थी कल्प्यूटराइज्ड एकाउन्ट्स” के लेख को।

जून 1985 संस्करण में छपे थी एस. एम. पठपाण्डे द्वारा लिखित “कोने एण्ड काउटेंट्स और अन्य वार्षिक फाइड रामरो आडिट रिपोर्ट” के लेख को।

मई 1986 संस्करण में छपे थी थार. ए. ए. पाठ्य द्वारा लिखित “बैंकिंग बैंकिंग नेनेजमेंट ए. ए. रामेंट्रिक एप्रोच” के लेख की।

जून 1986 संस्करण में छपे संयुक्त रूप से थी जी. बैंकावलम और थी डी. बैंकासिनामूर्यों द्वारा लिखित लेख “परिवक सैक्टर हार्डप्राइवेज—एक्स्प्रेसल लोर्स आफ फाइलेस” के लेख को।

दिसम्बर 1985 संस्करण में छपे थी अनिल महेश द्वारा लिखित लेख “कोस्ट इस्टेमेशन कॉम्प्यूटर कासेट्स” के लेख को।

जैन 1986 में छपे थी बी. पस. जोहरी द्वारा लिखित “सिस्टम एनालिसित” लेख को।

(सी) चार्टर्ड एकाउन्टेंट्स रेगुलेशन्स पिछली बार सन् 1983 में 1-1-1983 तक के हुए परिवर्तनों को समिति करने हुए आया गया था। रेगुलेशन्स के छपने के बाद से बहुत सारे परिवर्तन हो गये हैं। 1-12-1985 तक हुए परिवर्तनों को सुधार परिवर्तनों के रूप में छापा गया है। ये अब विकी के लिये उपलब्ध हैं।

4.6 परिवर्त की वार्षिक बैठक

इंस्टीट्यूट के तत्कालीन प्रधान श्री एम.सी. चक्रवर्ती के सभापतित्व में परिवर्त की 36वीं वार्षिक बैठक 16 सितम्बर 1986 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में हुई। इस उत्सव में केन्द्रीय कानून एवं आय मंत्री भारतीय श्री ए.के. सेन मुख्य अतिथि थे। मंत्री महोदय ने उन कम्पनियों तथा वित्तीय संस्थाओं को शोलड और प्लैटफॉर्म की जिम्मेदारी संबंधित बांग से प्रस्तुत एकाउन्टेंट्स प्रतियोगिता में भाग लेकर पुरस्कार जीता था। इंस्टीट्यूट की परीक्षाओं में विशेष स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को भी पुरस्कार तथा पदक प्रदान किये गये। नवनिर्वाचित प्रधान श्री पी.ए. नायर ने धन्यवाद का प्रस्ताव रखा।

4.7 पुस्तकालय

बैर्ज के दरमियान नई दिल्ली वित्त केन्द्रीय परिवर्त की पुस्तकालय में 708 नई किताबें रखी गई जिसको भिलाकर पुस्तकों की कुल संख्या 20558 हो गई है। पुस्तकालय में बहुत हुई सुविधाओं का सवस्यों तथा विद्यार्थियों द्वारा पूरा उपयोग किया जा रहा है।

4.8 बाहरी निकायों में प्रतिनिधित्व

इंस्टीट्यूट अपने प्रतिनिधियों के माध्यम से असेक्य बाहरी निकायों में अपना प्रतिनिधित्व बनाये हुए हैं। इस प्रकार के प्रतिनिधित्व का पूरा विवरण परिषिक्षण 5 में दिया गया है।

4.9 समाज के विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण पदों पर कार्यरत सदस्य:

एकाउन्टिंग तथा वित्त के क्षेत्र में अपनी उच्चतर डिग्री अनुमति तथा ज्ञान के कारण इंस्टीट्यूट के अनेक सदस्य सार्वजनिक क्षेत्रों के विभिन्न महत्वपूर्ण पदों जिनमें कानून बनाने वाली संस्थाएं सार्वजनिक वित्तीय संस्थाएं राष्ट्रीयकृत तथा अन्य बैंकों वैश्विक संस्थाएं और स्थानीय प्राधिकरण शामिल हैं पर अपना स्थान बनाए हुए हैं।

4.10 महत्वपूर्ण व्यक्तियों के साथ अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष की बैठकें तथा शास्त्राधी की यात्राएं

पुनरपलीकृत बैर्ज के दरमियान अध्यक्ष व उपाध्यक्ष केन्द्रीय मन्त्रियों सरकारी विभाग के अधिकारियों तथा अन्य महत्वपूर्ण व्यक्तियों से मिले अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष अनेक विश्वविद्यालयों के उप कुलपतियों, बैम्बर आफ कामसं के अध्यक्षों तथा इस्कूल टैक्स अपीलेट द्रिब्यूनल के सवस्यों से भी मिले।

23 जनवरी 1986 को 1986-87 के बजट प्रस्तुत करने से पहले उच्चोगपतियों सहित माननीय वित्त मंत्री श्री वी.पी. सिंह के माथ भारतीय अध्यक्षत्वस्था के ऊपर हुई बैठक का विशेष बर्णन किया जाता है। अध्यक्ष ने माननीय वित्त मंत्री के साथ 21 मार्च 1986 को पोस्ट बजट विचार विमर्श में भी भाग लिया। 7 मार्च, 1986 को अध्यक्ष मे केन्द्रीय उच्चोग मंत्री माननीय श्री एन.डी. तिवारी से उन्हें राष्ट्रीय कामों में अध्यक्षता के योगदान से भ्रष्टाचार करने हेतु बैठक की।

अध्यक्ष कर्तों के बांग और नियमों में सुधार हेतु वित्तमंत्री द्वारा मांगे गये सुझावों के प्रतिवेदन में इंस्टीट्यूट में अपनी करावान समिति के सभापतित्व की देखरेख में बम्बर में एक अध्यक्षता बैठक का गठन किया। केन्द्रीय आवकारी तथा बहिशुल्क नियमों का राशनेलाईजेन्ट तथा सरलीकरण हेतु अलग-अलग ज्ञापन सरकार को दिये गये।

अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष ने समस्त क्षेत्रीय परिवर्तों तथा अनेक बैठकों की शास्त्राधी का दौरा किया तथा सवस्यों एवं विद्यार्थियों के विकास के मामलों पर विचार विमर्श किया।

4.11 चार्टर्ड एकाउन्टेंट्स सहायता कोष

इंस्टीट्यूट के जल्दतमस्त सवस्यों तथा उनकी विधायाओं और बच्चों के शिक्षा तथा अन्य जल्दरत्नों की पृष्ठि हेतु वित्तीय सहायता देने के लिये दिसम्बर 1962 में चार्टर्ड एकाउन्टेंट्स सहायता कोष की अवधिता की गई थी। इनकी स्थापना के बहुत सारे बच्चों के निकल जाने के बाबजूद भी इसकी सवस्य संक्षय तथा आय के साथन बहुत कम थे। 31-3-83 को कोष के 2112 सवस्य ये जिनमें 166 आजीवन सवस्य थे। “री चार्टर्ड एकाउन्टेंट्स” के माध्यम से अध्यक्ष ने आजीवन सवस्य बनाने के लिए एक उल्लामज्जतक कार्यक्रम की शुल्कान की। बहुत सारे सदस्यों को अक्षियत पत्र लिये गये। अध्यक्ष ने क्षेत्रीय परिवर्तों तथा इनकी शास्त्राधी की यात्राओं का लाभ उठाते हुए सदस्यों से आजीवन सवस्य बनाने के लिये निवेदन किया। यह उत्तमाहवांश्वर्क है कि असर बहुत ही सतीषज्जनक रहा। आजीवन सवस्यों की संख्या जो कि 31-3-85 का 166 थी बढ़कर 1-9-1986 को 2718 हो गई।

बैर्ज के दरमियान संकट में कोने सवस्यों तथा दिवंगत सदस्यों के परिवारों को 1,06,500 रुपये माटे गये। कोष के आय में बृद्धि होने से अब जबरत संबंधित सवस्यों तथा उनके परिवारों को दी जाने वाली सहायता में बृद्धि करना संभव हो गया है।

कोष में 31-3-1986 को शेष राशि 6,66,221 रुपये थी जो कि 31-3-1985 को 2,17,471 थी। इस रिपोर्ट की विधि के समय बकाया राशि 15,13,221.00 रुपये थी।

4.12 एस. बैचनाथ अध्यक्ष समूह कोष

बैर्ज 1985-86 के दरमियान सी.ए. का कोर्स कर रहे छात्रों को 100/- रुपये प्रति समीने की छ. छात्रवृत्तियों प्रदान की गई। कोष की प्रबन्धक समिति ने छात्रवृत्तियों की संख्या को बढ़ाने का निश्चय किया है। इस साल 100/- रुपये प्रति समीने के हिसाब में विधिश क्षेत्रों में प्रणिकाश प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों को 18 छात्रवृत्तियाँ प्रदान की गईं। इनका विवरण इस प्रकार है—पश्चिमी बैच-4, दक्षिणी बैच-4, पूर्वी बैच-4, केन्द्रीय क्षेत्र-3, और उत्तरी क्षेत्र-3। 1986-87 में सी.ए. कोर्स कर रहे विद्यार्थियों को इस कोर्स में से 25 छात्रवृत्तियाँ देने का प्रस्ताव है।

31-3-1986 को कोष का मदद्य संख्या 161 थी। 31-3-1986 को कोष में बकाया राशि 55740 रु. 10 पैसे थी जोकि 31-3-1985 को 59594 रु. 90 पैसे थी।

4.13 भूतपूर्व डायरेक्टर आफ स्टडीज श्री टी.एम. ग्रेवाल का निधन

प्रो. टी.एम. ग्रेवाल जो कि एक प्रसिद्ध शिक्षाविद तथा इंस्टीट्यूट के भूतपूर्व डायरेक्टर आफ स्टडीज थे, का 14-12-1985 को निधन हो गया।

5. सदस्य

5.1 सदस्य

साल के दरमियान 4387 नये सदस्य पंजीकृत किये गये। परिणाम-स्वरूप 31-3-1986 को सवस्य संख्या 40278 हो गई। साल के दरमियान पिछो साल में पंजीकृत 1143 फैलो सदस्यों को तुलना में 1330 एसेसियेट सदस्यों को फैलो बनाया गया। सदस्यता के बर्गीकरण का विस्तारपूर्वक विवरण परिषिक्षण 6 में दिया गया है।

5.2 ड्रेड/फर्म के नामों की स्तोत्रिति हेतु गाइडलाइन्स

परिषद् ने ड्रेड और फर्म नाम के पंजीकरण के लिये कुछ गाइड लाइनों का निर्माण किया जो कि “दि चार्टर्ड एकाउन्टेंट्स” के फरवरी 1984 संस्करण में छपे थे। सदस्यों आय महसूस की गई कठिनाइयों को बूर करने के के लिए परिषद् ने इन गाइड लाइनों को और भी उदार बना दिया। संशोधित गाइड लाइनों को “दि चार्टर्ड एकाउन्टेंट्स” के मितम्बर 1986 संस्करण में आया गया है।

5.3 सदस्यता शुल्क में बढ़ीतरी

जनवरी के नवम्बर 1985 के संस्करण में इंस्टीट्यूट के सवस्यों द्वारा दिये जाने वाले वार्षिक शुल्क में बढ़ीतरी का एक प्रस्ताव शुभानों हेतु

प्रकाशित किया गया। प्राप्त सुझावों पर विचार करते उपरान्त परिषद् में शुल्क में बढ़ोतरी के मूल प्रस्ताव को निम्न प्रकार से संशोधित करते का निश्चय किया।

| पहले का शुल्क | शुल्क में बढ़ोतरी | |
|--|-------------------|-------|
| मूल रूप से प्रस्तावित अन्त में निरिष्ट | | |
| एसोमियोट | रुपये | रुपये |
| सदस्यता शुल्क | 80 | 120 |
| फैलो सदस्यता शुल्क | 200 | 300 |
| सर्टिफिकेट प्राप्त ब्रैकिट शुल्क | 175 | 300 |
| | | 275 |

परिषद् ने शुल्क में बढ़ोतरी के प्रस्ताव को इस समय नेशनल अकादमी आफ एकाउटिंग की स्थापना तथा इसके लिये भवन निर्माण के प्रत्यावों से अलग करने का निश्चय किया है। जब कभी अकादमी का निर्माण कार्य शुरू होगा कैपिटल कोस्ट के लिए उस विवेष वर्ष में सदस्यता शुल्क में उत्तित बढ़ोतरी करके एक समय लेती लगाई जायेगी।

सदस्यों द्वारा दी जाने वाली शुल्क में उपरोक्त बढ़ोतरी को केवल सरकार ने अपनी स्वीकृति दी है तथा इसे 1-4-1986 से लागू कर दिया गया है।

5.4 अनुशासनात्मक कार्यवाही—अनुभाग 21 के अन्तर्गत “शिकायतों” और “सूचनाओं” के निम्नलिखित मामले निपटाए गए:

| | |
|---|----|
| साल के दरमियान (1-4-85 से 5-7-86 तक) | 97 |
| परिषद् के समक्ष रखे गए मामलों की संख्या | |

साल के दरमियान अनुशासनात्मक तमिति का जांच प्रकारत के लिए सौंपे गए मामलों की संख्या:

| | | |
|---|------|----|
| (अ) 1-4-85 से 10-9-85 तक] | 23] | 40 |
| (ब) 17-9-85 से जुलाई 1986 की परिषद की बैठक तक] | 17] | |

| | |
|---|----|
| साल के दरमियान (17-9-85 से इस रिपोर्ट की नियि तक) | 47 |
| अनुशासनात्मक समिति द्वारा सुने गए मामलों की संख्या | |

| | |
|--|----|
| अनुशासनात्मक समिति द्वारा सुनवाई के लिए बच्चे मामलों की संख्या | 47 |
| जो कि व्यायालय के आदेशों के कारण स्थगित किए गए हैं) | |

बहुत उच्च व्यायालय के समक्ष पेश की गई एक याचिका में बढ़ाई उच्च व्यायालय ने यह आवेदा विद्या है कि अनुशासनात्मक समिति की रिपोर्ट पर विचार करने से पूर्व परिषद् प्रतिवादी को सुनने का अधिकार है कि समिति की रिपोर्ट को स्थीकार पर्याप्त न कर लिया जाए। इस्टी-द्यूट ने सर्वोच्च व्यायालय में एक याचिका पेश की जिस पर करवारी 1986 में सुनवाई हुई तथा निर्णय को गुप्त रखा गया है। अपरोक्ष याचिका में सर्वोच्च व्यायालय के निर्णय तक अनुशासनात्मक समिति की रिपोर्ट पर विचार करने के कार्य को परिषद् ने स्थगित रखा है। इस कारण से 31-8-1986 को परिषद् के पास विचार हेतु अनुशासनात्मक समिति जी 99 रिपोर्ट रोब पढ़ी है। अनुशासनात्मक मामलों का संक्षिप्त विवरण जहां बांधें एकाउटेन्डस अधिनियम के अनुभाग 21(6) के अन्तर्गत कार्यवाहियां की गई हैं (पिछली रिपोर्ट की तिथि से) परिषिष्ट 7 में दिया गया है।

5.5 विवरण सदस्य

25 जुलाई 1986 में श्री श्री.एस. भट्ट, 21 अगस्ती 1986 को श्री जे.एन. रामा तथा 6 अगस्त 1986 को श्री एस.डो. नानोलकाला जो कि परिषद् के भूतपूर्व सदस्य हैं कि भूत्यु पर परिषद् गहरा बुख व्यवह करती है।

परिषद् उस सदस्यों की भूत्यु पर भी गहरा बुख व्यवह करती है जिनका उल्लेख परिषिष्ट 8 में किया गया है।

6. आर्टीकल्ड एवं आडिट बलर्क

6.1 पंजीकरण

31 मार्च 1986 तक पंजीकृत किये गये आर्टीकल्ड एवं आडिट बलर्कों की संख्या, इसके पहले साल की संख्या निम्न प्रकार से है—

| | 1984-85 | 1985-86 |
|--------------------------|---------|---------|
| आर्टीकल्ड एवं आडिट बलर्क | 9256 | 10686 |

6.2 आर्टीकल्ड एवं आडिट बलर्कों को रोजगार संबंधी सहायता

उन सभी, विद्यार्थियों को जिन्हें अपनी आर्टीकल्ड एवं आडिट सेवा की व्याधि पूरी कर सी है और इस्टी-द्यूट को इस्टी-ट्रिप्यूट परीक्षा पास कर ली है तो रोजगार संबंधी सहायता लगातार वी जा रही है। इस उद्देश्य के लिए प्रत्येक योग्यता के बाहर व्याधि, मार्गस, कलकता, कानपुर और नई दिल्ली में योग्यता कार्यालयों द्वारा एक रोजगार रजिस्टर बनाया गया है। जो छात्र उपरोक्त सुविधा का उपयोग करना चाहते हैं और तात्काल को पूरा करते हैं वे इस्टी-द्यूट में जमा करने के लिए अधिनियम विवरणों का पार्स के लिए इस्टी-द्यूट के संबंधित सहायक सचिव को या तो भूत मिल सकता है या वह विक सकता है।

6.3 बोर्ड आफ स्टडीज

(ए) 31 मार्च 1986 तथा 31 मार्च 1985 को पंजीकृत किये गये विद्यार्थियों की संख्या निम्न प्रकार है—

| कोर्स | 1984-85 | 1985-86 |
|----------------|---------|---------|
| इस्टर्सीडिप्टर | 9256 | 10686 |
| फाइनल | 3513 | 6202 |

31 मार्च 1986 को भूत विद्यार्थियों की संख्या 44284 थी जो कि 31 मार्च 1985 को 40052 थी। इस प्रकार के पंजीकरण का पूर्ण विवरण परिषिष्ट 9 में दिया गया है।

(बी) इस्टर्सीडिप्टर तथा फाइनल कोर्स से विद्यार्थियों के लिए बढ़ाई गई अरिपोइन्टरी कमाई एवं योग्यता की भाँति योग्यता तथा अन्य महत्वपूर्ण केसों में लगाई गई।

(सी) 31 मार्च 1986 को समाप्त हुए साल के दरमियान निम्न-लिखित छात्रवृत्तियों प्रदान की गई—

(i) योग्यता लाभवृत्तियाँ

75 रुपये प्रति महीने की दर से 10 विद्यार्थियों को अधिकतम 18 महीने के लिए

75 रुपये प्रति महीने की दर से 4 विद्यार्थियों को अधिकतम 12 महीने के लिए

(ii) योग्यता वर्ष जहरत पर लाभवृत्ति लाभवृत्ति

75 रु. महीने की दर से 2 छात्रों को अधिकतम 12 महीने के लिए

(iii) जहरत पर आधारित लाभवृत्तियाँ—50 रुपये प्रति महीने ही दर से 89 विद्यार्थियों को अधिकतम 30 महीने के लिए

(iv) अधिक शुल्क मुक्ति अवधि 46 विद्यार्थियों को द्यूशान की दूसरी किस्त में छूट देता।

(v) एस. बैरेव योग्यता लाभवृत्ति

100 रुपये प्रति महीने की दर से 2 विद्यार्थियों के एक साल की अवधि के लिए।

(सी) सलेस्टेड अनुसार के बोल्यूम को प्राप्त करने में होने वाली कठिनाई को कम करने के लिए विद्यार्थियों के लिए देश के 33 स्थानों में इन्हीं विश्वी का प्रश्न लिया गया है।

(ई) कुछ महत्वपूर्ण विकास

(1) ए.इनल कोर्स के विद्यार्थियों को होने वाली कठिनाईयों को हटाने के उद्देश से मई 1986 की परीक्षा से फाइनल परीक्षा में प्रवेश के लिए बोर्ड आफ स्टडीज से योग्यता प्रमाण पत्र को प्राप्त करने की शर्त को समाप्त कर दिया गया है।

(2) बोर्ड द्वारा इन्टरमीडिएट विद्यार्थियों के लिए वैस्ट वेपर योजना का पुनर्विलोकन किया गया जब एक विद्यार्थी को जो कि सभी ट्रेनिंग योजना के अन्तर्गत आता है योग्यता प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए एकाउन्टेन्सी, अधिकारिता, कार्टिंग, इनकम टैक्स और लॉ के ऊपर 9 प्रश्न पत्र जमा करने होते हैं तथा उनमें उत्तीर्ण होना पड़ता है। जो विद्यार्थी आप द्वारा प्रश्न पत्र जमा करने की योजना के अन्तर्गत आते हैं उन्हें योग्यता प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए इन्टरमीडिएट कोर्स के सभी विषयों पर 16 प्रश्न पत्र जमा करने होते हैं तथा उनमें उत्तीर्ण होना पड़ता है।

(3) बोर्ड आप स्टडीज के एक नियम के अनुसार जिन विद्यार्थियों ने इन्टरमीडिएट परीक्षा के दोनों सत्रों में से (या तो एक ही बार या अलग अलग बार में) प्रवेश लिया है और जिन्होंने अपनी व्यावहारिक प्रशिक्षण पूरा कर लिया है या अगले 5 महीने के अंदर पूरे करने वाले हो निवेदन करने पर फाइनल कोर्स के लिए अध्ययन सामग्री को प्राप्त कर सकते हैं जिससे कि वह इन्टरमीडिएट परीक्षा पास कर सके के तुरन्त बाब फाइनल परीक्षा के लिए तैयारी शुरू कर सके।

(एफ) यद्यपि बोर्ड ने प्रवेश के विद्यार्थियों के लिए कोई प्रावाहार पाठ्यक्रम नहीं दिया है इस ने विद्यार्थियों के हित में अध्ययन सामग्री की संयाक भी ही इस सामग्री के पूरे संड की कीमत 100 रुपया है।

(जी) आपकार और कम्पनी मामलों और कर्टेंड रीडिंग के रूप में बोर्ड आप स्टडीज का अनुराग को समानात योगदान दिया जा रहा है।

(एच) आर्टिंस एकाउन्टेन्स और विद्यार्थियों के हित के लिए एकाउन्टेन्स संचार के ऊपर बोर्ड आप स्टडीज ने एक विशेष कोर्स तैयार किया है। इस कोर्स को बनाने और लागू करने का मुख्य उद्देश्य सभव्यताएँ और विद्यार्थियों को उनके मौजिक और लिखित संचार की योग्यता में वयवह दिलाता है जिससे कि वे अपने व्यवसाय कार्य में लोगों से बातचीत करने में, आप जनता से बोलने में, सामूहिक कार्य को संभालने में साक्षात्कार और परीक्षाओं इत्यादि में ज्यादा से ज्यादा कार्यशील हो सकें।

यह कोर्स 6 सप्ताह की अवधि का है इससे सायंकाल के समय एक दिन में दो बड़े से हिस्साएँ सप्ताह में तीन दिन कक्षाओं का आयोजन किया जाता है। कोर्स का गुणक 150 रुपये है।

बोर्ड आप स्टडीज ने इस प्रकार का पहला कोर्स करवारी से अग्रेस 1986 में 21 सदस्यों के एक बैच के लिए मई दिल्ली में आयोजित किया। तूसरा कोर्स 19 मई 1986 से 23 व्यक्तियों के बैच के लिए शुरू किया गया था।

बम्बई, मद्रास, कलकत्ता, कानपुर और अन्य शास्त्राओं के केन्द्रों में भी इस प्रकार के कोर्सों को आयोजन के लिए प्रयत्न किये जा रहे हैं।

7. परीक्षाएँ

देश के अनेक केन्द्रों में जून और दिसंबर 1985 में प्रवेश परीक्षाओं का आयोजन किया गया। ये पाठ्यक्रम के अन्तर्गत आर्टिंस एकाउन्टेन्स इन्टरमीडिएट परीक्षा तथा वे एवं पुराने पाठ्यक्रम के अन्तर्गत फाइनल परीक्षाएँ मई एवं नवम्बर 1985 के पूरे प्रारंभ में अनेक केन्द्रों पर आयोजित की गईं। परीक्षाओं में बड़े हुए सभा विधित परीक्षाओं में उत्तीर्ण हुए उम्मीदवार का पूरा विवरण परिचय 100 में दिया गया है।

7.2 नये परीक्षा केन्द्र

1. बुद्धी में भारतीय मूल के विद्यार्थियों की बढ़ती हुई आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु 1985 में इन्टरमीडिएट तथा फाइनल परीक्षा के लिए बुद्धी में एक परीक्षा केन्द्र खोला गया। इन परीक्षाओं का मई 1986 में सी बुद्धी में आयोजन किया गया।

2. मई और नवम्बर 1986 की परीक्षाओं के लिये प्रयोग के तौर पर कालीकट में नया परीक्षा केन्द्र खोलने तथा भोपाल परीक्षा केन्द्र को पुनः शुरू करने का फैसला किया गया है। नवम्बर 1986 की परीक्षाओं के बाब इन केन्द्रों का बारी दूना इत्याकाल पर निर्भर करता है कि इन केन्द्रों से कम से कम 150 उम्मीदवार परीक्षा में बैठे या नहीं।

7.3 अनितम तिथि के बाब परीक्षा कार्यों को स्वीकार करना

नवम्बर 1985 की परीक्षाओं तक अनितम तिथि के बाब सी.ए. की परीक्षाओं में प्रवेश हेतु प्राप्त प्रारंभना पत्रों को अस्तीकार कर दिया जाता था। आप तथा व्यावहारिकों से होने वाली देशी के कारण विद्यार्थियों को होने वाली कठिनाईयों के विवरण हेतु यह नियम दिया गया है कि मई 1986 से आरन्म होने वाली परीक्षाओं के लिये प्रवेश का प्रारंभना पत्र अनितम तिथि से 15वें दिन तक 30 दिनों के विलम्ब शुरू के साथ स्वीकार किये जायेंगे।

7.4 पुरस्कार और योग्यता प्रमाणपत्र

उम्मीदवारों के नाम लिहने मई और नवम्बर 1986 की परीक्षाओं में पुरस्कार तथा योग्यता प्रमाणपत्र प्रदान किये गये परिवर्त्तन II में दिया गया है।

7.5 पुराने पाठ्यक्रम के अन्तर्गत फाइनल परीक्षा को समाप्त करना

जैसा कि मिली रिपोर्ट में बताया जा चुका है कि बार्डर्स एकाउन्टेन्स रेग्युलेशन्स 1964 की सूची वी के अन्तर्गत फाइनल परीक्षाओं को मई 1986 की परीक्षाओं के बाब समाप्त कर दिया है। जो विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम के अन्तर्गत फाइनल परीक्षा को पास नहीं कर सके उन्हें नवम्बर 86 से और आगे सूची "बीडी" के अन्तर्गत नये पाठ्यक्रम के अन्तर्गत फाइनल परीक्षा देनी होती है। जिन विद्यार्थियों ने सूची वी के अन्तर्गत या तो पृष्ठ 1 को या पृष्ठ 2 को पास कर दिया है या किसी विशेष प्रश्नपत्र या प्रश्न पत्रों में छूट प्राप्त की है और यह छूट यदि तक बैध है ऐसे विद्यार्थियों परिचय 12 में दिये गये विवरण के अनुसार फाइनल परीक्षा के मध्ये पाठ्यक्रम के अन्तर्गत समान विषयों में छूट के हक्कार होंगे।

7.6 ऐसे विद्यार्थियों के आर्टिंसल देश का नया पंजीकरण जो इन्टरमीडिएट परीक्षा में प्रवेश के योग्य नहीं है।

अमीमान आर्टिंस एकाउन्टेन्स रेग्युलेशन्स के अनुसार एक आर्टिंसल वर्कर जो अपने पंजीकरण के आरामिक तिथि से 10 साल के अन्दर इंटर परीक्षा पास नहीं कर सकता है उसे कमित परीक्षा में प्रवेश नहीं किया जाता है। ऐसे उम्मीदवारों को प्रैक्टिस कर रहे एक बार्डर्स एकाउन्टेन्स के साथ 1 साल के आर्टिंसल के लिए नये कृप से पंजीकृत करने के लिए तथा पोस्टल दूरध्वमान कोर्स प्राप्त करने, जिससे कि वह इन्टर बीडिएट परीक्षा में नये कृप से प्रवेश प्राप्त कर सके, की व्यवस्था के लिए बार्डर्स एकाउन्टेन्स रेग्युलेशन्स में संशोधन किया जा रहा है।

7.7 आणियम स्नातक के माध्यम से आर्टिंसल वर्कर के कृप से पंजीकरण हेतु योग्यता रातें

वर्तमान विनियम 325 के अनुसार जिसमें कि 1 अप्रैल 1985 को या उसके बाब आर्टिंसल वर्करों के पंजीकरण का वर्णन है एक व्यक्ति तथों आर्टिंसल वर्कर के वर्षों वाले विवरण का वर्णन होता है जब वह या तो स्नातक हो या उसने प्रवेश परीक्षा पास की हो। इस समय के बाल इस व्यक्ति स्नातक को प्रवेश परीक्षा से छूट है जिसने सम्पूर्ण वर्करों में से कमसे कम 50 व्यक्ति अनुसार अंक प्राप्त किये हो और एकाउन्टेन्सी, अधिकारिता, मर्केनटाइल ली या व्यापारिक नियम के विषयों का व्यवस्था किया हो अभी हाल ही में

यह स्पष्ट किया गया है कि एक उत्तरीद्वारा जिसने स्नातक परीक्षा एक-जगटेंगी, आडेंटग, मर्फैनटाइल तौं या वाणिज्य लौं जैसे विषयों में उत्तीर्णी हो हुए लेकिन सन्मूली अंतीं का औसतन 50 प्रतिशत से कम अंक प्राप्त किये हो को प्रवेष परीक्षा से छुट दी जायेगी यदि वह एम. काम. परीक्षा उपर्युक्त तीन विषयों में से किसी एक या अधिक विषय में कम से कम 50 प्रतिशत अंक प्राप्त करके उत्तीर्णी करता है।

7.8 परोक्षविषयों के विसाफ कार्यकारी

आर उत्तरीद्वारों को जो कि परीक्षाओं में वक्तव्य करते हुए या नकल करने को कोशिश करते हुए पाये गये को अलग-अलग अवधि के लिए परीक्षा में प्रवेश हेतु अयोग्य करार किया गया है।

8. भेदीय परिवर्ते और भेदीय परिवर्तों को शाखाएं

8.1 नई शाखाएं

पिछली रिपोर्ट के बाब से निम्नलिखित शाखाएं ज्ञाती गई हैं:—

1. परिवर्ती क्रेत्र

1. आनन्द
2. औरंगाबाद

2. दक्षिण क्रेत्र

1. इरोडे
2. हुगली
3. पटियाली

3. केन्द्रीय क्रेत्र

1. कोटा
2. मेरठ

उपर्युक्त शाखाओं की स्थापना से अब केन्द्रीय परिवर्तों को शाखाओं की कुल संख्या 37 हो गयी है।

8.2 भारत से बाहर ईस्टीट्यूट के खंपट

पिछली रिपोर्ट के बाब से बहुरीत और कान्फिशन में ईस्टीट्यूट के खंपटों को स्थापना की गई इनको स्थापना से बेश से बाहर खोपड़ों की संख्या अब बढ़कर 5 हो गई है।

8.3 क्षेत्रीय परिवर्ती की शाखाओं के लिए भवन

जैसा कि पिछली रिपोर्ट में बताया किया गया था परिवर्त ने क्षेत्रीय परिवर्तों की शाखाओं को अपने भवन के निर्माण हेतु उत्तराहित करने के लिए एक योजना तैयार की है। इस योजना के अंतर्गत शाखाएं मकान या भवनों को बनाने या बाल करने के लिए चंडा एकत्रित कर सकते हैं। इस उद्देश्य के लिए परिवर्त एक विशेष संगठन तक अनुमति देती है। ईस्टीट्यूट की आयकर अधिनियम के अनुमान 80 जी के अधीन भान्यता मिल गई है और शाखाओं को ईस्टीट्यूट के नाम पर चंडा एकत्रित करने के लिए योजा है वीर्य है विस्तर से कि एकत्रित साम्यता का लाभ उठाया जा सके। यह संतोषजनक बात है कि बहुत सारी शाखाओं ने इस विशेष में कदम उठाये हैं। साल के बरमियान शाखाओं को अंदरवर्तीनाम्यक सुविधाएं प्रदान करने हेतु कदम तेज किये गये इस योजना के अंतर्गत इतनाकुलम जाव ने एक भवन बनाया है जिसका उद्घाटन 23-8-1986 को अवधि दे किया।

8.4 क्षेत्रीय परिवर्त को सर्वोच्च शाखाओं को रोटेंटिंग शील्ड

क्षेत्रीय परिवर्तों को शाखाओं को अधिक कर्तव्यशोल बनाने के प्रयत्नों में तथा शाखाओं के सदस्यों का व्यवसाय के क्रिया कलाओं में ज्यादा से ज्यादा हिस्सा लेने के उद्देश्य से ईस्टीट्यूट ने क्षेत्रीय परिवर्तों की शाखाओं को भूतपूर्व क्रियाकलापों के लिए कुछ नियम बनाये हैं। इस योजना के अंतर्गत शाखाओं को अपनी गतिविधियों तथा विकास से संबंधित वैमानिक रिपोर्ट जरा करानी होगी। शाखाओं को क्रियाकलापों का मूल्यांकन

किया जायेगा तथा साल के बरमियान विकास तथा अन्य गतिविधियों के आधार पर से सर्वोच्च शाखा को एक रोटेंटिंग शील्ड प्रदान दी जाती है। वर्ष 1984-85 में एस. आई. आर. सी. को कोयम्बटूर शाखा को इस रोटेंटिंग शील्ड से पुरस्कृत किया गया। यह शील्ड सितम्बर 1985 को आयोजित वार्षिक समारोह में विधि एवं व्याप भंडी भान्यतीय और अशोक सैन द्वारा प्रदान की गई। वर्ष 1985-86 के लिए वह शील्ड एस. आई. आर. सी. को इरनाकुलम शाखा को दी जायेगी, यह शील्ड 16 सितम्बर, 1986 को वार्षिक समारोह में प्रस्तुत की जायेगी।

9. विवर

परिवर्त द्वारा 31 दिसंबर, 1986 तक की बंदेंसे सीढ़ि तथा इसी तिथि को समाप्त हुए वर्ष के लिए आय और व्यय का लेखा स्वेच्छा किया गया। आय और व्यय के लेखे में 9,56 लाख रुपए का मुनाफा लिकला है जो कि पिछले वर्ष 37,65 लाख रुपए था।

10. प्रशंसा

(ए) परिवर्त ईस्टीट्यूट के उन सभी सदस्यों के प्रति आभार बहुकर करती है जिन्होंने ईस्टीट्यूट को समितियों में सदस्य के रूप में कार्य किया तथा उन सभी अधिकारियों के प्रति भी आभार अवक्त करती है जो ईस्टीट्यूट के सदस्य महीने हैं तथा जिन्होंने परिवर्त को इस वर्ष में इसकी गतिविधि और तकनीकी गतिविधियों एवं परीक्षाओं में राहयोग प्रदान किया।

(बी) परिवर्त सरकार और इसके द्वारा परिवर्त में समोनीत सदस्यों का पूरे साल भर में दिये जाने वाले अनुबरत राहयोग व तदायान से लिए आभार प्रकट करती है।

(सी) परिवर्त ईस्टीट्यूट के उन सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की भी प्रशंसा करती है जिन्होंने अपने क्रमक प्रयास और ईमानदारी से वर्ष भर कार्य किया।

आर. एल. जोपका

सचिव

आर. बालाकृष्णन

उपाध्यक्ष

पी. ए. नायर

व्यवस्था

नई विलसी

16 सितम्बर, 1986

वार्षिक रिपोर्ट की परिवर्तियां

परिवर्त 1

(संदर्भ: रिपोर्ट का वर्षा 1.1)

परिवर्त के सदस्य

(1-4-1985 से 16-9-1985 तक)

बालाकृष्णन, आर.

मद्रास

बनर्जी, भास्कर

कलकत्ता

बनसपल एस. के.

नई विलसी

बफवर्ती, ए. सी.।

कलकत्ता

चाबला, किज लाल

नई विलसी

छोजेड, एस. पी.

वाम्बई

उरेक बौ. सी.

वाम्बई

*इरार, एस. एम. (जा.)

नई विलसी

किया, आर. सी.

वायुपुर

*हार्षिंग, बी. आर.

वाम्बई

जैन, आई. सी.

वाम्बई

*जैन, बी. ए.

नई विलसी

काले, बाई. एम.

वाम्बई

कम्बा, एम. एम.

नई विलसी

कुम्भेश, अशोक

मद्रास

नायर, पी. ए.

वाम्बई

नम्बोदिपाल, एस.

मद्रास

पारायनस्वामी, जी.

मद्रास

*वानीकर पी. जे. एम.

पटेल, मनुमाई जी.

पोडार, एन. के.

*राज, के. एन.

राय बीवरो, ए.

सम्पत कुमार, पी. टी.

शारदा, एन. पी.

शाह, पी. एन.

*सिन्हा, आई. बी. (डा.)

सोमानी, के. जी

सुरेश बाबू, डी. एल.

वैद्य, आई. सी. (डा.)

*केन्द्रीय सरकार द्वारा मनोनीत

परिषद के सदस्य

(17-9-1985 से 31-3-1986 तक)

अध्यात्म, के. एम.

आत्मकृत्यन, भार.

बामली, भावर

बंडारी, एस. एस.

बफवर्टी, ए. के.

छालेक, एस. पी.

किताले, एम. एम.

इलाल, ए. एस.

इतगुप्ता, एस. के.

*इूगर, एस. एम. (डा.)

*इोच, प.

जेन, आई. सी.

जीन, एस. बी.

काले, आई. एम.

*मेहता, काली

मूर्ति, के. एस. (1-3-86 से)

मायर, पी. ए.

मद्दगोपाल, एस.

मारायनहवामी, जी.

*पटेल, मनुमाई जी.

पोडार, एन. के.

राठी, आलम

राज, पी. पी.

*राज के. एन. (28-2-86 तक)

रामर, लक्ष्मीनिवास

सोमानी, के. जी.

सुम्वराराजन, एम.

*विक्रू, सी. के.

वैद्य, आर. सी. (डा.)

वासुदेवा, एस. सी.

विवेनाथ, टी. एस.

*केन्द्रीय सरकार द्वारा मनोनीत

परिषद - 2

(संख्या: रिपोर्ट का पैरा 1.1)

समितियों के सदस्य

(1-4-85 से 16-9-85 तक)

ए. - स्थायी समितियां

बन्हवी

अहमदाबाद

कलकत्ता

नई दिल्ली

कालकत्ता

मद्रास

बन्हवी

लखनऊ

नई दिल्ली

बंगलोर

कानपुर

नई दिल्ली

बन्हवी

लखनऊ

मद्रास

कलकत्ता

नई दिल्ली

बन्हवी

कालकत्ता

बन्हवी

| | | | |
|---|-------------|---|-------------|
| श्री ए. भी. चक्रवर्ती, अध्यक्ष (एक्स-ओफिसियो) | (कलकत्ता) | श्री पौ. ए. नायर, उपाध्यक्ष (एक्स ओफिसियो) | (बम्बई) |
| श्री नौ. ए. नायर, उपाध्यक्ष (एक्स-ओफिसियो) | (बम्बई) | श्री एस. के. बंसल | (नई दिल्ली) |
| श्री आर. सौ. विया | (जयपुर) | श्री जी. ए. जेम्स | (नई दिल्ली) |
| श्री एम. जो. पटेल | (अहमदाबाद) | श्री एन. के. पोडार | (कलकत्ता) |
| श्री आर. सौ. बैल | (काशीपुर) | श्री ए. ए. वलाल | { मनोनीत |
| श्री एस. भद्राचार्य | { मनोनीत | श्री जी. वी. रमेश | (बम्बई) |
| श्री एक्स. एम. वामनिया | { मनोनीत | श्री सौ. आर. टी. वर्मा (समिति के सचिव) | (मद्रास) |
| डा. एन. एल. घोषेजा (समिति के सचिव) | | कम्बनी नियम समिति | |
| लेखकांन स्तर समिति | | श्री आई. सौ. जेन, समापति | (बम्बई) |
| श्री एन. नौ. साराजा, समापति | (बम्बई) | श्री डॉ. एल. सुरेश बाबू, उपसभापति | (बंगलौर) |
| श्री भास्कर बनर्जी, उपाध्यक्ष | (कलकत्ता) | श्री ए. सौ. चक्रवर्ती, अध्यक्ष (एक्स-ओफिसियो) | (कलकत्ता) |
| श्री ए. सौ. चक्रवर्ती, अध्यक्ष (एक्स-ओफिसियो) | (कलकत्ता) | श्री बी. एल. चावला | (नई दिल्ली) |
| श्री वौ. ए. नायर, उपाध्यक्ष (एक्स-ओफिसियो) | (बम्बई) | श्री एस. एम. इगर | (नई दिल्ली) |
| डा. एस. एम. इगर | (नई दिल्ली) | श्री एस. मन्दगोपाल | (मद्रास) |
| श्री जो. ए. जेम्स | (नई दिल्ली) | श्री एस. सौ. बफला | { मनोनीत |
| श्री के. एन. राज | (नई दिल्ली) | श्री एन. टी. बलाल | (नई दिल्ली) |
| श्री वौ. एन. शाह | (बम्बई) | श्री एस. के. चक्रवर्ती (समिति के सचिव) | (बम्बई) |
| श्री वी. जे. एम. पानोकर | (बम्बई) | अधरराष्ट्रीय कार्य समिति | |
| श्री बी. एल. चावला | (नई दिल्ली) | श्री ए. सौ. चक्रवर्ती, समापति | (कलकत्ता) |
| श्री एस. नरवणोपाल | (मद्रास) | श्री प. ए. नायर, उपसभापति | (बम्बई) |
| श्री प. एम. मारियलाला | (कलकत्ता) | श्री एम. एम. खाना | (नई दिल्ली) |
| श्री महिना ए. पारिच | (बम्बई) | श्री अशोक कुम्हरट | (मद्रास) |
| श्री ए. मांगूली | { मनोनीत | श्री एन. के. पोडार | (कलकत्ता) |
| श्री जोसफ कुरियाल | (मद्रास) | श्री वी. एन. शाह | (बम्बई) |
| श्री आर. एस. सोङ्गा | { मनोनीत | श्री बी. एल. कावरा | { मनोनीत |
| श्री कमल गुप्ता (समिति के सचिव) | | श्री बंसी एस. मेहता | { मनोनीत |
| अधवसायिक विकास समिति | | श्री वी. एस. मालेश्वर | { मनोनीत |
| श्री वी. एन. शाह, समापति | (बम्बई) | श्री कमल गुप्ता (समिति के सचिव) | |
| श्री एन. के. पोडार, उपसभापति | (कलकत्ता) | बक्स सलाहकार समिति | |
| श्री ए. सौ. चक्रवर्ती, अध्यक्ष (एक्स-ओफिसियो) | (कलकत्ता) | श्री बी. एल. चावला, समापति | (नई दिल्ली) |
| श्री वौ. ए. नायर, उपाध्यक्ष (एक्स-ओफिसियो) | (बम्बई) | श्री एम. एम. खाना, उपसभापति | (नई दिल्ली) |
| श्री आई. सौ. जेन | (बम्बई) | श्री पौ. ए. नायर, उपाध्यक्ष (एक्स-ओफिसियो) | (बम्बई) |
| श्री बी. आर. हासिंग | (बम्बई) | श्री एस. के. बंसल | (नई दिल्ली) |
| श्री जी. नारायणस्वामी | (मद्रास) | श्री ए. राय चौधरी | (कलकत्ता) |
| श्री के. एन. राज | (नई दिल्ली) | श्री के. जी. सोमानी | (नई दिल्ली) |
| श्री आर. एन. बंसल | { मनोनीत | श्री एस. कुमार | { मनोनीत |
| श्री ए. के. चक्रवर्ती | (कलकत्ता) | श्री एस. सौ. वासुदेवा | { मनोनीत |
| डा. एन. एल. घोषेजा (समिति के सचिव) | | श्री अविनाश चंद्र (समिति के सचिव) | |
| पाठ्यक्रम समिति | | विषयविद्यालय सम्पर्क समिति | |
| श्री ए. राय चौधरी, समापति | (कलकत्ता) | श्री एस. वी. लाजेड, समापति | (बम्बई) |
| श्री बी. सौ. उरेक, उपसभापति | (बम्बई) | श्री आर. सौ. विया, उपसभापति | (जयपुर) |
| श्री ए. सौ. चक्रवर्ती, अध्यक्ष (एक्स-ओफिसियो) | (कलकत्ता) | श्री वी. ए. नायर, उपाध्यक्ष (एक्स-ओफिसियो) | (बम्बई) |
| श्री आर. खालाहल्गन | (मद्रास) | श्री बी. सौ. डेरल | (बम्बई) |
| श्री एन. वी. नारायण | (बम्बई) | श्री ए. राय चौधरी | (कलकत्ता) |
| श्री के. जी. सोमानी | (बम्बई) | श्री आई. बी. सिन्हा | (लखनऊ) |
| श्री टी. एस. विष्वनाय | { मनोनीत | श्री वी. मिता | { मनोनीत |
| श्री के. सौ. मेहता | (नई दिल्ली) | श्री वी. खाना | { मनोनीत |
| श्री ए. के. मजुमदार, (समिति के सचिव) | (बड़ौदा) | डा. एन. के. अग्रवाल (समिति के सचिव) | (बम्बई) |
| करारान समिति | | सामान्य उद्देश्य समिति | |
| श्री जी. नारायणस्वामी, समापति | (मद्रास). | श्री ए. सौ. चक्रवर्ती, समापति | (कलकत्ता) |
| श्री एम. बी. पटेल, उपसभापति | (अहमदाबाद) | श्री वी. ए. नायर, उपसभापति | (बम्बई) |
| श्री ए. सौ. चक्रवर्ती, अध्यक्ष (एक्स-ओफिसियो) | (कलकत्ता) | श्री भास्कर बनर्जी | (कलकत्ता) |

| | | | |
|--|-------------|---|----------------|
| श्री एस. के. बंसल | (नई दिल्ली) | श्री. आर. सी. बैरम | (नई दिल्ली) |
| श्री पी. ए. सम्पत कुमारन | (मद्रास) | श्री आर. एल. चोपड़ा (समिति के सचिव) | |
| श्री आर. एल. चोपड़ा (समिति के सचिव) | | | |
| नीति विषयक स्तर समिति | | | |
| श्री ए. सो. चक्रवर्ती, समाप्ति | (कलकत्ता) | श्री ए. सी. चक्रवर्ती, समाप्ति | (कलकत्ता) |
| श्री पी. ए. नायर, उपसमाप्ति | (बम्बई) | श्री पी. ए. नायर, उपसमाप्ति | (बम्बई) |
| श्री एस. पी. छोलेड | (बम्बई) | श्री एम. एम. छात्रा | (नई दिल्ली) |
| डा. एस. एम. शूगर | (नई दिल्ली) | श्री जी. नारायणस्वामी | (मद्रास) |
| श्री जी. नारायणस्वामी | (मद्रास) | श्री एम. जी. पटेली | (प्रद्वाराभाइ) |
| श्री पी. ए. सम्पत कुमारन | (मद्रास) | श्री पी. एम. शाह | (बम्बई) |
| डा. आर. सी. बैरम | (काशीपुर) | श्री बी. एल. सिंहा | (नई दिल्ली) |
| श्री जी. बनर्जी (समिति के सचिव) | | श्री बी. एल. सुरेश बाबू (समिति के सचिव) | |
| अन्य सम्पर्क समिति | | | |
| श्री ए. सो. चक्रवर्ती, समाप्ति | (कलकत्ता) | शिक्षा एवं प्रशिक्षण पुनर्रचनाकान समिति | |
| श्री पी. ए. नायर, उपसमाप्ति | (बम्बई) | श्री ए. सो. चक्रवर्ती, समाप्ति | (कलकत्ता) |
| श्री आर. सी. विधा | (जयपुर) | श्री पी. ए. नायर, उपसमाप्ति | (बम्बई) |
| श्री पी. ए. हरिंगण | (बम्बई) | श्री पी. एन. शाह | (बम्बई) |
| श्री अशोक कुम्हट | (मद्रास) | श्री पी. जे. एम. पानीहर | (बम्बई) |
| श्री पी. एम. शाह | (बम्बई) | श्री ए. राय चौधरी | (कलकत्ता) |
| श्री एस. एम. चित्तले } मनोविज्ञान | (बम्बई) | श्री अशोक कुम्हट | (मद्रास) |
| श्री पी. एस. कुमार } मनोविज्ञान | (मद्रास) | श्री एस. एम. चेहता } मनोविज्ञान | (अहमदाबाद) |
| श्री आर. एल. चोपड़ा (समिति के सचिव) | | श्री पी. के. मलिक } मनोविज्ञान | (बम्बई) |
| | | श्री एस. के. अग्रवाल } मनोविज्ञान | (कलकत्ता) |
| | | श्री ए. के. मजुमदार (समिति के सचिव) | (नई दिल्ली) |
| अनैतिक काय से हताये गये धारिदरों के लिए समिति | | | |
| श्री ए. सो. चक्रवर्ती, समाप्ति | (कलकत्ता) | समितियों के सदस्य | |
| श्री पी. ए. नायर, उपसमाप्ति | (बम्बई) | (17-9-1985 से 31-3-1986 तक) | |
| डा. एस. एम. शूगर | (नई दिल्ली) | ए० स्थायी समितियां | |
| श्री जी. बी. बुराना (समिति के सचिव) | | | |
| सम्पादकीय समिति | | | |
| श्री ए. सी. चक्रवर्ती, मुख्य सम्पादक | (कलकत्ता) | प्रबंधकारिणी समिति | |
| श्री पी. ए. नायर, संयुक्त सम्पादक | (बम्बई) | श्री पी. ए. नायर, अध्यक्ष | (बम्बई) |
| श्री आर. बालाहुण्णन | (मद्रास) | श्री आर. बालाहुण्णन, उपाध्यक्ष | (मद्रास) |
| श्री पी. सी. डेरक | (बम्बई) | श्री एस. के. बासगुप्ता | (कलकत्ता) |
| श्री पी. एन. शाह | (बम्बई) | श्री बाई. एम. काले | (बम्बई) |
| श्री के. जी. सोमानी | (नई दिल्ली) | श्री एस. सी. बासुदेवा | (नई दिल्ली) |
| श्री भारायन वर्मा | (बम्बई) | श्री आर. एल. चोपड़ा (समिति के सचिव) | |
| श्री कस्ती जे. बालबाला | (बम्बई) | परीक्षा समिति | |
| श्री आर. एल. चोपड़ा (समिति के सचिव) | | श्री पी. ए. नायर, अध्यक्ष | (बम्बई) |
| बाई. सी. ए. आई.—आई. सो. उल्लू. ए. आई. सम्पर्क समिति | | श्री आर. बालाहुण्णन, उपाध्यक्ष | (मद्रास) |
| श्री ए. सो. चक्रवर्ती, नेता | (कलकत्ता) | श्री एम. एम. चित्तले | (बम्बई) |
| श्री पी. ए. नायर, उपनेता | (बम्बई) | श्री एस. नायनोपाल | (मद्रास) |
| श्री एस. पी. छोलेड | (नई दिल्ली) | श्री डी. एस. विश्वनाथ | (नई दिल्ली) |
| श्री अशोक कुम्हट | (मद्रास) | श्री के. कल्यानरामन (समिति के सचिव) | |
| श्री ए. राय चौधरी | (कलकत्ता) | अनुशासनसम्बन्ध समिति | |
| श्री आर. एल. चोपड़ा (समिति के सचिव) | | श्री पी. ए. नायर, अध्यक्ष | (बम्बई) |
| बाई. सी. ए. आई.—आई. सो. उल्लू. ए. आई. सम्पर्क समिति | | श्री आर. बालाहुण्णन, उपाध्यक्ष | (मद्रास) |
| श्री ए. सो. चक्रवर्ती, नेता | (कलकत्ता) | श्री ए. ए. चक्रवर्ती | (कलकत्ता) |
| श्री पी. ए. नायर, उपनेता | (बम्बई) | डा. एस. एस. शूगर | (नई दिल्ली) |
| श्री एस. पी. छोलेड | (बम्बई) | श्री जी. नारायणस्वामी | (मद्रास) |
| श्री अशोक कुम्हट | (मद्रास) | श्री जी. बी. बुराना (समिति के सचिव) | |
| श्री ए. राय चौधरी | (कलकत्ता) | | |
| श्री आर. एल. चोपड़ा (समिति के सचिव) | | | |

| श्री भृष्णुमी भवितियों | | भारत का राजपत्र : अस्ताधारण |
|---|-------------|---|
| भास्त्रेण समिति | | |
| श्री एन. के. पोद्दार, समापति | (कलकत्ता) | श्री एम. श्री. यदेश, समापति (अहमदाबाद) |
| श्री आमदार राठी, उपसमापति | (बम्बई) | श्री आर. सी. जैन, उपसमापति (बम्बई) |
| श्री पी. ए. नायर, अध्यक्ष (एक्स ओफिसियो) | (बम्बई) | श्री आर. बालाहुणन, उपसमापति (एक्स ओफिसियो) (मद्रास) |
| श्री ए. के. चक्रवर्ती | (कलकत्ता) | श्री काल्पनी देहला (महाराष्ट्र) |
| डा. आर. सी. लेप | (काशीपुर) | श्री के. एन. राव (नई दिल्ली) |
| श्री एस. सी. बासुवेश | (नई दिल्ली) | श्री के. शी. सोमानी (नई दिल्ली) |
| श्री ए. घोष | (बम्बई) | श्री आर. एन. बंसल } मनोनीत (बम्बई) |
| श्री बाई. एम. मार्गेनाम | (बम्बई) | श्री पी. पी. बोहरा } मनोनीत (बहुमतावाद) |
| श्री इन. कर्णेशन | { मनोनीत | डा. एन. एल छमेजा (समिति के सचिव) |
| श्री एस. के. पारिज्ञ | (कलकत्ता) | |
| श्री अविनाश चन्द्र (समिति के सचिव) | | |
| आर्द्धांग प्रैसिटेंसेज समिति | | |
| डा. आर. सी. वैश्य, समापति | (काशीपुर) | श्री के. शी. सोमानी, समापति (नई दिल्ली) |
| श्री ए. एच. इनाल, उप समापति | (बम्बई) | श्री भृष्णुमीनिवास शर्मा, उपसमापति (हैदराबाद) |
| श्री पी. ए. नायर, अध्यक्ष (एक्स ओफिसियो) | (बम्बई) | श्री बी. ए. नायर, अध्यक्ष (एक्स ओफिसियो) (बम्बई) |
| श्री आर. बालाहुणन, उपाध्यक्ष (एक्स ओफिसियो) | (मद्रास) | श्री एस. एस. बन्दारी (बम्बई) |
| श्री आर्द्धांग चन्द्री | (कलकत्ता) | श्री एस. एस. बित्तरे (बम्बई) |
| श्री एस. के. बासुगुप्ता | (कलकत्ता) | श्री बी. शी. राव (बम्बई) |
| श्री एन. सी. सुन्दराराजन | (बम्बई) | श्री ए. घोष (बम्बई) |
| श्री के. एन. राव | (नई दिल्ली) | श्री तुम्हारे अद्वाचार्य } मनोनीत (बम्बई) |
| श्री बाई. एच. बालेगम | (बम्बई) | श्री एस. शी. कालरा } मनोनीत (बम्बई) |
| श्री इम. एम. खान } मनोनीत | (नई दिल्ली) | श्री ए. के. भृष्णुमीर (बोई का सचिव) (बम्बई) |
| श्री पी. शी. एम. पानीकर } मनोनीत | (बम्बई) | |
| (एक और सदस्य को मनोनीत करना था) | | |
| श्री कमल गुप्ता (समिति के सचिव) | | |
| स्थायी उपसमाप्ति शिक्षा समिति | | |
| श्री एस. पी. लालेह, समापति | (बम्बई) | श्री आर्द्धांग शमापति (बम्बई) |
| श्री एन. सी. सुन्दराराजन, उपसमाप्ति | (मद्रास) | श्री एन. सी. जैन, समापति (मद्रास) |
| श्री पी. ए. नायर, अध्यक्ष (एक्स ओफिसियो) | (बम्बई) | श्री एस. ए. नायर, अध्यक्ष (एक्स ओफिसियो) (बम्बई) |
| श्री आर. बालाहुणन, उपाध्यक्ष (एक्स ओफिसियो) | (मद्रास) | श्री ए. एच. इनाल (बम्बई) |
| श्री एस. अद्धांग | (मद्रास) | श्री शी. नारायणस्वामी (बम्बई) |
| डा. आर. सी. वैश्य | (काशीपुर) | श्री शी. शी. लोया } मनोनीत (मद्रास) |
| श्री पी. शी. इनाल } मनोनीत | (बम्बई) | श्री सो. आर. दी. भर्मा (समिति के सचिव) (मद्रास) |
| डा. एन. एन. रोदा (सचिव के सचिव) | (बम्बई) | |
| लेखांकन स्तर समिति | | |
| श्री भृष्णुमी चन्द्री, समापति | (कलकत्ता) | |
| श्री राहे. ए. रामेश, उपसमापति | (बम्बई) | |
| श्री इ. ए. नवराज अड्रेस (एक्स ओफिसियो) | (बम्बई) | |
| डा. ए. ए. राहुण: उपाध्यक्ष (एक्स ओफिसियो) | (मद्रास) | |
| श्री एस. के. बासुगुप्ता | (कलकत्ता) | |
| डा. ए. ए. एन. द्यूर | (नई दिल्ली) | |
| श्री हे. एन. राव | (नई दिल्ली) | |
| श्री सी. के. टिक्कू | (नई दिल्ली) | |
| श्री ए. एस. बन्दारा } मनोनीत | (बम्बई) | |
| डा. ए. ए. रोदा (सचिव के सचिव) | (बम्बई) | |
| लेखांकन स्तर समिति | | |
| श्री भृष्णुमी चन्द्री, समापति | (कलकत्ता) | |
| श्री राहे. ए. रामेश, उपसमापति | (बम्बई) | |
| श्री इ. ए. नवराज अड्रेस (एक्स ओफिसियो) | (बम्बई) | |
| डा. ए. ए. राहुण: उपाध्यक्ष (एक्स ओफिसियो) | (मद्रास) | |
| श्री एस. के. बासुगुप्ता | (कलकत्ता) | |
| डा. ए. ए. एन. द्यूर | (नई दिल्ली) | |
| श्री हे. एन. राव | (नई दिल्ली) | |
| श्री सी. के. टिक्कू | (नई दिल्ली) | |
| श्री ए. एस. बन्दारा } मनोनीत | (बम्बई) | |
| डा. ए. ए. रोदा मनोनीत | { मनोनीत | |
| स्थायी द्वारा मनोनीत | (बम्बई) | |
| श्री कमल गुप्ता (समिति के सचिव) | (बम्बई) | |

| | | |
|--|--------------|---|
| श्री बी. एल. कालरा | (मनोनीत) | १०५१० एहायं यथे आडिवारों के लिए समिति |
| श्री बाई. एच. मोलेगम | (बम्बई) | श्री पी. ए. सायर, समापति (बम्बई) |
| श्री दंसी एस. मेहता | (बम्बई) | श्री आर. बालाहुणन, उप समापति (मद्रास) |
| श्री कमल तुप्ता (समिति के सचिव) | | श. एस. एम. द्वारा (बाई विल्सनी) |
| इस समाजिकार समिति | | श्री के. एन. राधा (बाई विल्सनी) |
| श्री आकाश राठो तमापति | (बम्बई) | श्री सो. के. टिक्कू (बाई विल्सनी) |
| श्री के. एस. अग्रवाल, उपसमापति | (नई विल्सनी) | श्री जी. डॉ. खुराना (समिति के सचिव) |
| श्री आर. बालाहुणन, उपाध्यक्ष (एसस ओकिसियो) | (मद्रास) | संपादकीय समिति |
| श्री एस. बी. ठार्जेड | (बम्बई) | श्री पी. ए. नायर, मुख्य संपादक (बम्बई) |
| श्री ए. एच. इलाल | (बम्बई) | श्री आर. बालाहुणन, संपुष्ट संपादक (मद्रास) |
| श्री एस. कुमार | (बम्बई) | श्री इस. एस. भंडारी (जयपुर) |
| श्री बी. एन. जतुर्वेदी | (बम्बई) | श्री एम. एस. चित्तले (बम्बई) |
| श्री अनंतराज राठो (समिति के सचिव) | | श्री आर. सी. जैन (बम्बई) |
| विश्वविद्यालय सम्बर्ध समिति | | श्री बाई. एच. काले (बम्बई) |
| श्री एस. एस. भंडारी, समापति | (जयपुर) | श्री एस. सी. घगत (बम्बई) |
| श्री बी. बी. राधा उपसमापति | (बंगलौर) | श्री ए. बत्ता ओष्ठरो (बलाकल्पा) |
| श्री आर. बालाहुणन उपाध्यक्ष (एसस ओकिसियो) | (मद्रास) | श्री आर. एल. चौपडा (समिति के सचिव) |
| श्री एस. बी. ठार्जेड | (बम्बई) | आई. सी. ए. आई. —आई. सी. एस. आई. समर्थक समिति |
| श्री लक्ष्मीनिवास शर्मा | (हैवरावाड़ा) | श्री पी. ए. नायर, नेता (बम्बई) |
| श्री एस. बी. जैन | (नई विल्सनी) | श्री आर. बालाहुणन, उपनेता (मद्रास) |
| श्री एस. के. इलाल | (नई विल्सनी) | श्री एस. एस. भंडारी (जयपुर) |
| श्री जी. एस. मेहता | (जोड़पुर) | श्री आनन्द राठो (बम्बई) |
| श. एन. के. अग्रवाल (समिति के सचिव) | | श्री एन. सी. मुन्दराराजन (बम्बई) |
| सामाजिक उद्देश्य समिति | | श्री आर. एल. चौपडा (समिति के सचिव) |
| श्री बी. ए. नायर, समापति | (बम्बई) | शिक्षा और प्रशिक्षण पुनर्वस्त्रोक्तम समिति |
| श्री आर. बालाहुणन, उपसमापति | (मद्रास) | श्री पी. ए. नायर, समापति (बम्बई) |
| श्री ए. के. इलाल तुप्ता | (कलकत्ता) | श्री आर. बालाहुणन, उपसमापति (मद्रास) |
| श्री बाई. एस. काले | (बम्बई) | श्री ए. के. इलाल (कलकत्ता) |
| श्री एस. सी. बासुदेवा | (नई विल्सनी) | श्री जी. नारायणस्वामी (मद्रास) |
| श्री आर. एल. चौपडा (समिति के सचिव) | | श्री एम. जी. पडेल (अहमदाबाद) |
| नीति विषयक स्तर समिति | | डा. आर. सी. वैष्णव (कलकत्ता) |
| श्री पी. ए. नायर, समापति | (बम्बई) | श्री ए. के. मजुमदार (समिति के सचिव) |
| श्री आर. बालाहुणन, उप समापति | (मद्रास) | |
| श्री ए. के. इलाल | (कलकत्ता) | परिशिक्षा— 3 |
| श्री जी. नारायणस्वामी | (मद्रास) | (संबंध: रिपोर्ट का पैरा 3. 8(ए)) |
| डा. आर. सी. वैष्णव | (कलकत्ता) | स्थायी अध्यवसायिक शिक्षा समिति द्वारा आयोजित सेमीनारों व कोर्सों का विवरण |
| श्री एस. सी. बासुदेवा | (नई विल्सनी) | |
| डा. एस. एम. इगर | (नई विल्सनी) | |
| श्री जी. बालर्जी (समिति के सचिव) | | |
| जन सम्बर्ध समिति | | |
| श्री बी. ए. नायर, समापति | (बम्बई) | |
| श्री आर. बालाहुणन, उप समापति | (मद्रास) | |
| श्री के. एस. अग्रवाल | (नई विल्सनी) | |
| श्री काले मेहता | (कलकत्ता) | |
| श्री बी. बी. राधा | (बंगलौर) | |
| श्री लक्ष्मीनिवास शर्मा | (हैवरावाड़ा) | |
| श्री विल्सनीप एम. राह | (बम्बई) | |
| श्री एस. बी. भद्र | (मद्रास) | |
| श्री आर. एल. चौपडा (समिति के सचिव) | | |

| क्रम सं. | कार्यक्रम 2 | स्थान 3 | तिथि 4 |
|----------|--|---------|--------|
| 1 | 1. कारपोरेट काइनिसियल मैनेजमेंट" गोआ पर आल इंडिया मैनेजमेंट एसो- सियोशन के सहयोग से रेजिस्ट्रेशन कोर्ट 25 से 30 सितम्बर 1985 | | |
| 2 | 2. एह संसाल पर्सनल एवं प्रशास- कीय रिपोर्ट शिक्षा, भारत मरकार के सहयोग से "वित्तीय एवं लेखाकाल प्रवेश" पर कोर्स 7 से 25 अक्टूबर 1985 | | |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 1 | 2 | 3 | 4 |
|--|------------|------------------|---|---|------------|---------------------|---|
| 3. "भेद, विभिन्न पूर्क एवं संभावा जयपुर | जयपुर | 12-13 अगस्त 1985 | | 6. स्टेट ईंडिग कारपोरेशन के अधिकारियों के लिये इग-हाउस कार्यक्रम | मई विल्सोन | 23 से 25 जून 1986 | |
| 4. "रेहोलर वर एवं कराधार" कारनामा 23-24 नवम्बर 1985 | पर मेमोनार | | | 7. इस्टीट्यूट आक कास्ट एवं थर्स एका ग्लोबल आक ईंडिया के साथ, "आवंकारी पूजा" के विशेष संदर्भ में विश्वीय प्रबन्ध में नये विशार्द" पर मेमोनार | कलकत्ता | 8 एवं 9 नाम्बर 1986 | |
| 5. "तार्फाईर इकाईयों एवं अनाम-प्रब संस्थाओं से सेंड्रोफल अवधार" पर मेमोनार | मई विल्सोन | 7-8 मिस्त्र 1985 | | 8. इस्टीट्यूट आक कम्पनी सेक्टरीज बम्बई आक ईंडिया के साथ "कारपोरेशन एवं कानून" पर सेमोनार | | 9 एवं 10 अगस्त 1986 | |

परिचालन-4

संबंध-रिपोर्ट का पैरा 3-8 (बी)

(स्नातकोत्तर कोर्स के परिणाम का सारांश

| वर्षमेजमेट | कारपोरेट | ट्रैक्स मैनेजमेट | पम.ए.सी. | ट्रैक्स मैनेजमेट |
|---|--|---|---|-----------------------------------|
| एकाउंटेंसी कोर्स मैनेजमेट कोर्स (भाग 1) (भाग 1) परीक्षा (भाग 1) परीक्षा नवम्बर 1985 | मैनेजमेट कोर्स (भाग 1) (भाग 1) परीक्षा (भाग 1) परीक्षा मई, परीक्षा मई, नवम्बर 1985 नवम्बर 1985 | कोर्स (भाग 1) (भाग 1) परीक्षा नवम्बर 1986 | पम.ए.सी. (भाग 1) परीक्षा मई, परीक्षा मई, 1986 | पम.ए.सी. (भाग 1) परीक्षा मई, 1986 |
| 1. बोनों सुप्र | | | | |
| प्रवेश लेने वाले प्रत्याशी | 27 | 2 | 7 | 14 |
| बोनों पूरों में उत्तीर्ण होने वाले प्रत्याशी | 2 | 1 | — | 1 |
| प्रतिशत | 7.4 | 50 | — | 14.28 |
| केवल पुरा 1 में उत्तीर्ण | 3 | — | — | — |
| केवल पुरा 2 में उत्तीर्ण | 10 | — | — | 10 |
| 2. प्रूप 1 | | | | |
| प्रवेश लेने वाले प्रत्याशी | 25 | 1 | 1 | 18 |
| उत्तीर्ण प्रत्याशी | 2 | 1 | — | 4 |
| प्रतिशत | 8 | 100 | — | 22.22 |
| 3. प्रूप 2 | | | | |
| प्रवेश लेने वाले प्रत्याशी | 3 | — | — | 7 |
| उत्तीर्ण प्रत्याशी | 2 | — | — | 7 |
| प्रतिशत | 25 | — | — | 100 |

परिचालन-5

संबंध-रिपोर्ट का पैरा 4-8

याहूरी निकायों से परिषद के प्रतिनिधि

| | |
|--|--------------------------------|
| 1. जनरल काउन्सिल आक वि ईड्यूक्यू और एम्प्लाईज नेतावावर ईवज़र्व | श्री पं.ए. नायर |
| 2. कीमत लेड्राइव रिकार्ड नियमों से संश्लिष्ट भासलों पर कम्पनो कार्य विभाग को इतकोरमल सनाहकार समिति | श्री पं.ए. नायर |
| 3. राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद् | श्री पं.ए. नायर |
| 4. भारतीय मानक तथा का कार्म एकाउंट्स सैक्सनल समिति | श्री पं.ए. नायर |
| 5. इन दो दोहरे नाहर नियमों | श्री पं.ए. नायर |
| 6. आल ईंडिया बोर्ड आक मैनेजमेट स्टडीज | श्री आल, बालाहण्णम |
| 7. अन्तर्राष्ट्रीय लेड्राइव सार्वान्वय के परिषद् (आई.ए.ए.सी.) | श्री बी.ए.ल. कावरा |
| 8. आई.ए.ए.ह.सी. की अन्तर्राष्ट्रीय अडिटिंग ब्रैकिटसेज समिति | श्री याहूरी पं.ज. मालेगम |
| 9. आई.ए.ए.सी. की शोजा विभाग | श्री बंसी एस. भेहता |
| 10. वित्त रेशेवाई लेड्राइवों का परिसंघ | श्री ए.सी. अकबरी (31-12-85 तक) |
| 11. "उदासा 1 राज लाइब्रेरी जेडेंस याहू विश्व" के ऊपर आई.ए.ए.सी. को ईंडिया समिति | श्री पं.ए. नायर (1-1-1986 से) |
| | श्री पं.ए. नायर |

परिशिष्ट 6

संदर्भ का रिपोर्ट का पैरा 3.11

मदर्शो का विवरण 1-4-1986 तक

| | | |
|-------------------------|--------------------------|--------|
| फैलो | पूर्ण कालिक प्रेक्षित से | 10,705 |
| अंशकालिक प्रेक्षित से | | 1,518 |
| जो प्रेक्षित से नहीं है | | 1,139 |
| | | 13,362 |
| एसोसिएटस | पूर्णकालिक प्रेक्षित से | 11,284 |
| अंशकालिक प्रेक्षित से | | 5,265 |
| जो प्रेक्षित से नहीं है | | 10,367 |
| | | 26,916 |
| | | 40,273 |

फैलो

एसोसिएटस

| संख्या | प्रेक्षित से | | जो प्रेक्षित से में नहीं है | कालम 2, 3, एवं 4 का योग | प्रेक्षित से | | जो प्रेक्षित से में नहीं है | कालम 6, 7 एवं 8 का योग | कालम 5 योग |
|--------|----------------------------|--------------------------|--------------------------------|-------------------------------|--------------|--------------------------|--------------------------------|------------------------------|---------------|
| | पूर्णकालिक प्रेक्षित से | अंशकालिक प्रेक्षित से | | | प्रेक्षित से | अंशकालिक प्रेक्षित से | | | |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 |
| I | 3,391 | 641 | 377 | 4,409 | 3,933 | 2,623 | 2,903 | 9,459 | 13,868 |
| II | 2,653 | 312 | 276 | 3,241 | 2,375 | 1,011 | 3,546 | 6,932 | 10,173 |
| III | 1,597 | 206 | 219 | 2,022 | 1,186 | 544 | 1,987 | 3,717 | 5,739 |
| IV | 1,069 | 147 | 72 | 1,288 | 1,243 | 351 | 706 | 2,300 | 3,588 |
| | 1,995 | 212 | 195 | 2,402 | 2,547 | 736 | 1,225 | 4,708 | 6,910 |
| | 10,705 | 1,518 | 1,139 | 13,362 | 11,284 | 5,265 | 10,367 | 26,916 | 40,278 |

परिशिष्ट 7

परिशिष्ट-8

संदर्भ-रिपोर्ट का पैरा 5.5

संदर्भ-रिपोर्ट का पैरा 5.4

संदर्भों के लिए अनुसार संस्कारक विनियम 32 वी के अनुसार आटिकल वक्तों की स्टाइरिंग के मुगलान से असफल होना :— सी०ए० अविनियम 1949 की धारा 21 के साथ पठित इसी अविनियम की द्वितीय अनुसूची के भाग 2 के कालम 2 के अधीन 3 संदर्भों को अवकाशिक युवाचार का बोधी पाया गया। अवकाशिक युवाचार का अर्थ सी०ए० रेपुलेशन 1964 के विनियम 32 वी की अवकाशियों के अनुसार आटिकल वक्तों की स्टाइरिंग का मुगलान न करना है। परिवद से उच्च ध्यायालय से रिकार्डिंग की है कि मुलजिमों को रिपोर्ट किया जाय। उच्च ध्यायालय ने परिवद के इस निष्कर्ष को बैठक लट्टराया है कि मुलजिमों ने सी०ए० रेपुलेशन 1964 के विनियम 32 वी का उच्चालय किया है। और संदर्भों को रिपोर्ट किया है। (विस्तृत विवरण के लिए “द आईडी एकाउटेन्ट” के कर्तव्य 1986 संस्करण के पृष्ठ 678 और 679 पृष्ठ 4)

वर्ष 1985-86 के वर्षमान मूल्य के कारण संदर्भों के रजिस्टर में से हटाये गये संदर्भों के नाम :—

| क्रम | संदर्भता | नाम | हटाने की दिनी |
|--------|----------|--|------------------|
| संख्या | संख्या | 3 | 4 |
| 1 | 99 | श्री बौद्धी रामा शर्मा राजानहेल्वरम | 20-9-86 |
| 2 | 102 | श्री शीतल शश्वत, बृद्ध | 26-7-83 |
| 3. | 204 | श्री शीतल शश्वत, करकरता | 11-1-83 |
| 4- | 231 | श्री अनिश्चय नायरीन, करकरता | 12-11-83 |
| 5 | 244 | श्री आरोहे करकरता, बृद्ध | 23-8-85 |
| 6 | 365 | श्री शीतल शश्वत, बृद्ध | 1-7-83 |
| 7. | 403 | श्री एस०एस० मैनपुरा, करकरता | 27-3-85 |
| 8. | 465 | श्री जै०एन० शाहार्हा, बृद्ध | 30-7-85 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 1 | 2 | 3 | 4 |
|-----|-------|---|------------|-----|-------|--------------------------------------|----------|
| 9. | 554 | श्री हीरोडु विश्वानाथ, भगवान् | 24-8-85 | 64. | 20970 | श्री एन० चालाकवाल, बंगलौर | 4-11-85 |
| 10. | 629 | श्री एस० एस० सचदेव, विल्सो | 20-2-85 | 65. | 21971 | श्री के० जी० नारा, विल्सो | 27-5-85 |
| 11. | 638 | श्री ए० ए० ज० लालार, नई विल्सो | 17-12-84 | 66. | 24026 | श्री के० एवीन्द्र, हैवरावाड | 23-10-85 |
| 12. | 692 | श्री ही० कौ० बोरकर, बन्धवी | 10-6-85 | 67. | 32914 | श्री पी० डड० य० कामर, बन्धवी | 30-9-85 |
| 13. | 750 | श्री मारायम भगवन्नाथ धासी, बंगलौर | 24-7-85 | 68. | 34026 | श्री एस० एस० अध्यर, बन्धवी | 13-3-85 |
| 14. | 762 | श्री एस० स० रंगनाथ, भगवान् | 9-4-85 | 69. | 50808 | श्री बी० ए० राय, हुब्बली | 14-2-86 |
| 15. | 789 | श्री आर० स० राहा, कलकत्ता | 29-8-85 | 70. | 51171 | श्री एस० कौ० योज, 2-4 परजना | 22-11-84 |
| 16. | 801 | श्री पी० कौ० बोस, कलकत्ता | 19-1-2-82 | 71. | 70472 | श्री पी० ए० बोदानी, जयपुर | 23-10-86 |
| 17. | 932 | श्री गोविन्द राम नाथ, नई विल्सो | 10-1-84 | 72. | 70793 | श्री जिनेश कुमार जैन, जयपुर | 6-4-84 |
| 18. | 1038 | श्री जगन्नाथ शर्मा, कानपुर | 22-1-86 | 73. | 70941 | श्री राजकुमार चौधरी, भीलवाडा | 6-4-84 |
| 19. | 1063 | श्री अब्दुल विहारी टंडन, कानपुर | 4-5-85 | 74. | 80196 | श्री एवीन्द्र कुमार, नई विल्सो | 23-12-85 |
| 20. | 1101 | श्री के० एस० ए० राय, बन्धवी | 24-1-2-83 | 75. | 80720 | श्री प्रदीप चावला, नई विल्सो | 30-4-86 |
| 21. | 1204 | श्री आर० ए० देवशिंगमर्णी, अंगार, बंगलौर | 23-5-85 | 76. | 81519 | श्री भूपिन्द्र कुमार जैन, नई विल्सो | 6-7-85 |
| 22. | 1354 | श्री ए० कौ० बट्टाशार्य, कलकत्ता | 24-10-84 | 77. | 82405 | श्री एस० कौ० जैन, विल्सो | 25-7-84 |
| 23. | 1768 | श्री बी० प० बोरकर, पुणे | 21-9-84 | 78. | 83034 | श्री एस० कौ० जैन, विल्सो | 6-10-83 |
| 24. | 1887 | श्री बी० स० अक्षर, कलकत्ता | 15-2-86 | 79. | 83329 | श्री जान जगद, फरोजाबाद | 28-4-85 |
| 25. | 2061 | श्री ट० ए० राय, बन्धवी | 12-4-83 | 80. | 83538 | श्री प्रदीप कुमार अप्रदाल, नई विल्सो | 3-4-86 |
| 26. | 2178 | श्री आर० ए० लाल, बन्धवी | 15-2-85 | 81. | 84195 | श्री रविन्द्र कुमार, नई विल्सो | 31-12-85 |
| 27. | 2214 | श्री निलवरत भार्ती, कलकत्ता | 16-3-85 | | | | |
| 28. | 2294 | श्री स० आर० कल्यानाहण्णन, पालघाट | 5-1-86 | | | | |
| 29. | 2306 | श्री ए० आर० खेरे, कलकत्ता | 19-1-2-84 | | | | |
| 30. | 2320 | श्री लीकोर चाचू, तिक्काला | 9-8-85 | | | | |
| 31. | 2385 | श्री के० प० तस्तेना, नई विल्सो | 3-2-84 | | | | |
| 32. | 2404 | श्री ए० कौ० राय, कलकत्ता | 16-9-84 | | | | |
| 33. | 2556 | श्री धूर चहर जैन, इंदौर | 1-12-85 | | | | |
| 34. | 2575 | श्री ट० ए० बी० बांसी, बन्धवी | 1-12-83 | | | | |
| 35. | 2841 | श्री आर० चन्द्र शेष्करन, पांडिवेरी | 5-12-85 | | | | |
| 36. | 3090 | श्री जार्दीशंकर विधायक, नई विल्सो | 1-7-84 | | | | |
| 37. | 3092 | श्री ए० रामास्वामी अध्यार, भगवान् | 17-9-85 | | | | |
| 38. | 3269 | श्री ए० सेन मजुमदार, कलकत्ता | 19-1-2-85 | | | | |
| 39. | 3674 | श्री ए० ए० बी० बाजाज, नई विल्सो | 1-1-84 | | | | |
| 40. | 4177 | श्री ए० ए० रामेश्वर, कलकत्ता | 31-7-85 | | | | |
| 41. | 4627 | श्री जे० ए० म० शाह, बन्धवी | 10-5-85 | | | | |
| 42. | 4900 | श्री द० अंदेश्वराच, राजापत्तीगडम | 12-10-85 | | | | |
| 43. | 5003 | श्री दी० कौ० कुल्लामूर्ति, गुरुरू | 19-7-85 | | | | |
| 44. | 6001 | श्री आर० व० येल, अहमदाबाद | 26-2-84 | | | | |
| 45. | 6203 | श्री प० आर० म० नारायण नाथ, पालघाट | 23-1-1-85 | | | | |
| 46. | 6304 | श्री ए० रामाचन्द्रन, गुरु | 8-1-1-85 | | | | |
| 47. | 7203 | श्री ए० ए० बी० बाहुदार | 9-2-85 | | | | |
| 48. | 7221 | श्री आर० बेदेश्वरम, बंगलौर | 19-9-85 | | | | |
| 49. | 7245 | श्री जगदीश तिहां बाटी, विकामेर | 13-1-86 | | | | |
| 50. | 7407 | श्री वी० कौ० खिंचिरिया, नई विल्सो | 16-3-8-8 | | | | |
| 51. | 7540 | श्री वी० ट० कौ० कपातिया, बन्धवी | 8-7-83 | | | | |
| 52. | 8405 | श्री शशिकांत राजापाल, नई विल्सो | 30-1-86 | | | | |
| 53. | 8580 | श्री शोनारायण अहम, नई विल्सो | 23-8-85 | | | | |
| 54. | 8621 | श्री बी० राजमणि, तिल्लापत्ती | 12-1-1-85 | | | | |
| 55. | 8723 | श्री आर० वी० कुल्लामूर्ति, तिल्लापत्ती | 8-12-85 | | | | |
| 56. | 9241 | श्री बी० कुल्लामूर्ति, कलकत्ता | 8-9-85 | | | | |
| 57. | 9869 | श्री बी० बोरास्वामी, विल्सो | 21-5-85 | | | | |
| 58. | 14282 | श्री ए० ए० कौ० समरवाल, नई विल्सो | 21-1-10-85 | | | | |
| 59. | 14714 | श्री ए० ए० कौ० वासु, कलकत्ता | 18-1-85 | | | | |
| 60. | 14929 | श्री श्याम सुम्पद, नई विल्सो | 26-1-85 | | | | |
| 61. | 17077 | श्री प्रकाश चन्द्र अनुरेणी, नई विल्सो | 26-1-86 | | | | |
| 62. | 20773 | श्री ए० आर० रेवाण, सेलम | 4-6-85 | | | | |
| 63. | 20910 | श्री ए० ए० सिङ्गमी, बंगलौर | 29-9-82 | | | | |

परिशिष्ट-9

संबंध-रिपोर्ट का पैरा 6.4(ए)

इन्दर फाइनल

| | | |
|--|--------|--------|
| 1-4-85 की पंजीकृत विद्यार्थियों की संख्या | 25,263 | 14,810 |
| वर्ष 1985-86 के सौरान पंजीकृत | 10,813 | 6,202 |
| | | |
| | 36,076 | 21,012 |
| वर्ष 85-86 में द्यूषण पूरा करने वाले विद्यार्थियों की संख्या (मई 85 सौर नवम्बर 85) | 7,093 | 5,709 |
| | | |
| | 28,981 | 15,303 |

परिशिष्ट-10

संबंध-रिपोर्ट का पैरा 7.1

परिणामों का मार्ग

मई/जून 1985 में हुई परीक्षाएं

| | |
|---|--------|
| प्रवेश परीक्षा—जून 1985 में हुई परीक्षाएं | |
| परीक्षार्थियों की कुल संख्या | 2,212 |
| उत्तीर्ण होने वाले परीक्षार्थियों की कुल संख्या | 296 |
| प्रतिशत | 13.38 |
| इन्द्रमीडिएट (नया पाठ्यक्रम परीक्षा) | |
| पूर्ण 1 के कुल परीक्षार्थियों की संख्या | 10,358 |
| पूर्ण 1 में उत्तीर्ण परीक्षार्थियों की संख्या | 2,740 |
| प्रतिशत | 25.23 |
| पूर्ण 2 के कुल परीक्षार्थियों की संख्या | 11,783 |
| पूर्ण 2 में उत्तीर्ण परीक्षार्थियों की संख्या | 2,036 |
| प्रतिशत | 17.27 |
| दोनों पूर्णों को परीक्षार्थियों की कुल संख्या | 4,241 |
| दोनों पूर्णों में उत्तीर्ण परीक्षार्थियों की संख्या | 486 |
| प्रतिशत | 11.45 |

| | |
|---|--------|
| फाईनल (पुराना पाठ्यक्रम) परीक्षा | |
| पुप 1 में कुल परीक्षार्थियों की संख्या | 1,514 |
| पुप 1 में उत्तीर्ण परीक्षार्थियों की संख्या | 131 |
| प्रतिशत | 8.65 |
| पुप 2 के कुल परीक्षार्थियों की संख्या | 1,148 |
| पुप 2 में उत्तीर्ण परीक्षार्थियों की संख्या | 273 |
| प्रतिशत | 23.78 |
| दोनों पुपों के कुल परीक्षार्थियों की संख्या | 524 |
| दोनों पुपों में उत्तीर्ण परीक्षार्थियों की संख्या | 10 |
| प्रतिशत | 1.90 |
| फाईनल (नया पाठ्यक्रम) परीक्षा | |
| पुप 1 के कुल परीक्षार्थियों की संख्या | 7,116 |
| पुप 1 में उत्तीर्ण परीक्षार्थियों की संख्या | 3,638 |
| प्रतिशत | 49.05 |
| पुप 2 के कुल परीक्षार्थियों की संख्या | 6,829 |
| पुप 2 में उत्तीर्ण परीक्षार्थियों की संख्या | 1,945 |
| प्रतिशत | 28.48 |
| दोनों पुपों के कुल परीक्षार्थियों की संख्या | 5,968 |
| दोनों पुपों में उत्तीर्ण परीक्षार्थियों की संख्या | 1,466 |
| प्रतिशत | 24.51 |
| परिणामों का सारांश | |
| मवस्वर/दिसम्बर 1985 में की गई परीक्षाएँ | |
| कुल परीक्षार्थियों की संख्या | 2,518 |
| उत्तीर्ण होने वाले परीक्षार्थियों की संख्या | 392 |
| प्रतिशत | 15.57 |
| इटर्मीजिएट (नया पाठ्यक्रम) परीक्षा | |
| पुप 1 में कुल परीक्षार्थियों की संख्या | 13,096 |
| पुप 1 में उत्तीर्ण परीक्षार्थियों की संख्या | 2,434 |
| प्रतिशत | 18.58 |
| पुप 2 में कुल परीक्षार्थियों की संख्या | 13,961 |
| पुप 2 में उत्तीर्ण परीक्षार्थियों की संख्या | 3,458 |
| प्रतिशत | 24.76 |
| दोनों पुपों में कुल उत्तीर्ण परीक्षार्थियों की संख्या | 5,460 |
| दोनों पुपों में उत्तीर्ण परीक्षार्थियों की संख्या | 757 |
| प्रतिशत | 13.86 |
| फाईनल परीक्षा (पुराना पाठ्यक्रम) | |
| पुप 1 में कुल परीक्षार्थियों की संख्या | 1,155 |
| पुप 1 में उत्तीर्ण परीक्षार्थियों की संख्या | 161 |
| प्रतिशत | 13.93 |
| पुप 2 में कुल परीक्षार्थियों की संख्या | 840 |
| पुप 2 में उत्तीर्ण परीक्षार्थियों की संख्या | 234 |
| प्रतिशत | 27.00 |
| दोनों पुपों में कुल परीक्षार्थियों की संख्या | 309 |
| दोनों पुपों में उत्तीर्ण परीक्षार्थियों की संख्या | 12 |
| प्रतिशत | 3.88 |
| फाईनल परीक्षा (नया पाठ्यक्रम) | |
| पुप 1 में कुल परीक्षार्थियों की संख्या | 6,723 |

| | | |
|--|---------|--|
| पुप 1 में उत्तीर्ण परीक्षार्थियों की संख्या | 2,703 | |
| प्रतिशत | 40.20 | |
| पुप 2 में कुल परीक्षार्थियों की संख्या | 6,712 | |
| पुप 2 में उत्तीर्ण परीक्षार्थियों की संख्या | 2,235 | |
| प्रतिशत | 33.29 | |
| दोनों पुपों में कुल परीक्षार्थियों की संख्या | 3,660 | |
| दोनों पुपों में उत्तीर्ण परीक्षार्थियों की संख्या | 657 | |
| प्रतिशत | 17.95 | |
| परिस्थिति-11 | | |
| संदर्भ: रिपोर्ट का दैरा 7.4 | | |
| मई-1985 | | |
| फाईनल परीक्षा (पुराना पाठ्यक्रम) | | |
| गोपनीय प्रमाण-पत्र-किसी को भी नहीं | | |
| फाईनल परीक्षा (नया पाठ्यक्रम) | | |
| निम्नलिखित विद्यार्थियों को रोपाल पंजांग-नव प्रशान्त किये गये | | |
| वरीयता | रोल नं. | नाम |
| 1 प्रथम | 7411 | मुरेश राजा गोपाल (300 में से 540 नम्बर) |
| 2 द्वितीय | 8305 | बीमरु दुर्गार केशवराम (309 में से 521 नम्बर) |
| 3 तृतीय | 7424 | पी. वैनडेर (800 में से 317 नम्बर) |
| 1. जी.पी. कपाडिया प्रथम वडांग स्वर्ग पदक पुरस्कार भी मुरेश राजा गोपाल (रोल नं. 7411-फाईनल परीक्षा नया पाठ्यक्रम) को दिया जायेगा। | | |
| 2. सर्वोच्च विद्यार्थी के लिए रामबाबू सिंही पुरस्कार भी मुरेश राजा गोपाल (रोल नं. 7411-फाईनल नया पाठ्यक्रम परीक्षा-200 में से 169 अंक) | | |
| 3. मैनेजमेंट एकाउंटिंग में सर्वोच्च अंकों के लिए “जे.के. बोर्डी” पुरस्कार भी जी.पी. नाइकराम को दिया जायेगा। (रोल नं. 6334-फाईनल नया पाठ्यक्रम परीक्षा-35 अंक) | | |
| 5. आडिटिंग में सर्वोच्च अंकों के लिए “ए.एक फरूहार” पुरस्कार और “आर वेंडेशन याकबार पुरस्कार” जितिर तुमरा को दिया जाया। (रोल नं. 8118-फाईनल नया पाठ्यक्रम परीक्षा-33 अंक) | | |
| 6. पुप 1 में सर्वोत्तम विद्यार्थियों के लिए “हेरवा वर्ना पुरस्कार” कुमारी सोनिया एम. पारिष को दिया जाया। (रोल नं. 5920-फाईनल नया पाठ्यक्रम परीक्षा-284 अंक) | | |
| 7. कम्पनी ला में सर्वोत्तम मैनेजर के लिए “वू बो नवूराम पुरस्कार” और “एम एम शाह पुरस्कार” श्री नवूराम मेनिंग लो दिया गया। (रोल नं. 6113-फाईनल नया पाठ्यक्रम परीक्षा-70 अंक) | | |
| 8. डाक्टरेट टैक्स ला में सर्वोत्तम वैट के लिए “ए.ए.ए. शाह पुरस्कार” “सूरी याकबार पुरस्कार” जीतिर तुमरा को दिया गया। (रोल नं. 8118-फाईनल नया पाठ्यक्रम परीक्षा-71 अंक) | | |
| 9. अंदरशाला में सर्वोत्तम पेपर के लिए “बैंकारावल मोहम्मद पुरस्कार” बीरंग एस. शाह को दिया गया। (रोल नं. 370-फाईनल पुराना पाठ्यक्रम परीक्षा-50 अंक) | | |

10. फाइनल नये पाठ्यक्रम परीक्षा में पुर 2 में सर्वोत्तम विद्यार्थी के लिए "पी.एस. थोष यावगार पुरस्कार" सुरेश राजानोपालन को दिया गया (रोल नं. 7411-295 अंक)

11. फाइनल परीक्षा में इसरे नम्बर पर सर्वोत्तम अंक प्राप्त करने के लिए श्री शीपक कुमार कपोरिया को "जयस्तो लाल के ठाहर यावगार पुरस्कार" दिया गया (रोल नं. 8305-524 अंक)

12. कोस्ट एकाउंटिंग में सर्वोत्तम पेपर के लिए "आर.बी.के. उमर जी पुरस्कार" गंगाधार निरेश रमेश को दिया गया (रोल नं. 6353 काइनल नया पाठ्यक्रम परीक्षा-83 अंक)

13. सर्वोत्तम विद्यार्थी के लिए "आर. शिवामगम पुरस्कार" कुमारी मोदी सनिता अवकिन्ना को दिया गया (रोल नं. 5908-फाइनल नया पाठ्यक्रम परीक्षा-800 में से 513 अंक)

इंटरव्यूडिंग (नया पाठ्यक्रम) परीक्षा मई 1985

विष्वविद्यालय विज्ञापियों को दी गई राशि 11 रुपये 100 पैसे

| वरीयता | अनुक्रमांक | मात्रा |
|---------|------------|--|
| प्रथम | 2792 | नितिन निह (700 में से 474 अंक) |
| द्वितीय | 5763 | निमंत्र लक्ष्मी गो. तैन (700 में से 469 अंक) |
| तृतीय | 14681 | मीना कुमारी दंकर (700 में 468 अंक) |

1. "जी.पी. कपाडिया प्रयम अध्यक्ष पुरस्कार" नितिन निह (रोल नं. 2792) को दिया गया ।

2. आईडिंग में सर्वोत्तम पेपर के लिए "दिनेश दिम्पन लाल शाह पुरस्कार" राजकुमार को दिया गया (रोल नं. 720-100 में 63 अंक)

पुरस्कार विजेता

फाइनल परीक्षा (पुराना और नया) पाठ्यक्रम—नवम्बर 1985

फाइनल परीक्षा (पुराना पाठ्यक्रम)

योग्यता प्रमाण पत्र—किसी को नहीं

फाइनल परीक्षा (नया पाठ्यक्रम)

| वरीयता | अनुक्रमांक | मात्रा |
|---------|------------|---|
| प्रथम | 6334 | श्री सत्याप्रणव भवोन चन्द्र (800 में 522 अंक) |
| | 7249 | श्री श्रीवर रामामृति (800 में 522 अंक) |
| द्वितीय | 6011 | श्री प्रभोद कुमार इड (800 में 500 अंक) |
| | 6868 | श्री सुश्वेत तिहु साहनी (800 में से 500 अंक) |
| तृतीय | 6263 | श्री भरविन एन्ड्रु जान रमोस (800 में 498 अंक) |

1. "जी.पी. कपाडिया प्रयम अध्यक्ष पुरस्कार" श्री सत्याप्रणव भवोन चन्द्र (रोल नं. 6334) और श्री श्रीवर रामामृति (रोल नं. 7249) को दिया गया (फाइनल परीक्षा नया पाठ्यक्रम)

2. सर्वोत्तम विद्यार्थी के लिये फाइनल परीक्षा नया पाठ्यक्रम में "रामबन्ध लिहो पुरस्कार" श्री सत्याप्रणव भवोन चन्द्र (रोल नं. 6334) और श्री श्रीवर रामामृति रोल नं. 7249) को दिया गया ।

3. वर्ष 1985 के लिये सर्वोत्तम विद्यार्थी का "जी. वायु फाउण्डेशन पुरस्कार" (श्री सुरेश राजानोपालन (रोल नं. 7411) फाइनल परीक्षा नया पाठ्यक्रम मई 1985) को दिया गया ।

4. एकाउंटेंसी पुर 2 में वर्ष 1985 के लिये सर्वोत्तम विद्यार्थी का "एन.एस. वात पुरस्कार" कुमारी मीनिला एन. परीच (रोल नं. 5920—फाइनल नया पाठ्यक्रम परीक्षा मई 1985) को दिया गया ।

5. एकाउंटेंसी में सर्वोत्तम देवर के लिये "सर जावा जी विनियोगिया पुरस्कार" श्री अब्दासी फरीदारबेंद एन (रोल नं. 8319—फाइनल नया पाठ्यक्रम परीक्षा-200 में से 164) को दिया गया ।

6. फाइनेंशियल मैनेजमेंट में सर्वोत्तम देवर के लिये "सर जावा जी विनियोगिया पुरस्कार" श्री पराणोदाना दहसो जान (रोल नं. 5338) फाइनल नया पाठ्यक्रम परीक्षा-89 अंक को दिया गया ।

7. आईडिंग में सर्वोत्तम पेपर के लिये "ए.एफ. फरहूस्त पुरस्कार" तथा "आर. बैंकोडेशन यावगार पुरस्कार" श्री एस.एम. धुरई मूति (रोल नं. 1473—फाइनल पुराना पाठ्यक्रम परीक्षा-69 अंक) को दिया गया ।

8. पुर 1 में सर्वोत्तम विद्यार्थी का "केरला वर्मा पुरस्कार" श्री जमुमदार कोसिक विणु (रोल नं. 6721 फाइनल नया पाठ्यक्रम परीक्षा 269 अंक) को दिया गया ।

9. कम्पनी ला में सर्वोत्तम पेपर के लिये "पू.सी. मलूमदार पुरस्कार" तथा "एस.एम. गाह पुरस्कार" श्री सुधारुष सूषण लक्ष्मा (रोल नं. 4792—फाइनल परीक्षा नया पाठ्यक्रम - 70 अंक) को दिया गया ।

10. प्रायक जार लियमों में सर्वोत्तम पेपर के लिये "एस.एम. शाह पुरस्कार" तथा "सूरी यावगार पुरस्कार" श्री सवता प्रणव भवोन चन्द्र (रोल नं. 6334 फाइनल नया पाठ्यक्रम परीक्षा-80 अंक) को दिया गया ।

11. अर्थशास्त्र में सर्वोत्तम पेपर के लिये "बैंकाचलम भोहन पुरस्कार" श्री सुवा विश्वामीष पाठ्य (रोल नं. 7489—फाइनल परीक्षा नया पाठ्यक्रम-71 अंक) को दिया गया ।

12. फाइनल परीक्षा नये पाठ्यक्रम के 11.2 में सर्वोत्तम विद्यार्थी का "पी.एम. थोष यावगार पुरस्कार" श्री श्रीवर रामामृत (रोल नं. 7249-270 अंक) को दिया गया ।

13. फाइनल परीक्षा में दूसरे त्वार पर सर्वोत्तम अंक प्राप्त करने वाले सर्वोत्तम विद्यार्थी का "जयस्तो लाल के, ठाईर यावगार पुरस्कार" श्री सुखबोर तिहु साहनी (रोल नं. 5335) और श्री उरोद कुशर इड (रोल नं. 6011) फाइनल नया पाठ्यक्रम परीक्षा को दिया गया ।

14. कोस्ट एकाउंटिंग में सर्वोत्तम पेपर के लिये "आर.बी.के. उमरजी पुरस्कार" श्री श्रीवर रामामृत (रोल नं. 7249-फाइनल नया पाठ्यक्रम परीक्षा-81 अंक) को दिया गया ।

15. सर्वोत्तम महिला विद्यार्थी का "आर. शिवामगम पुरस्कार" कुमारी पूर्णी सरवीर कुमार डाक्टर (रोल नं. 6010 फाइनल नया पाठ्यक्रम परीक्षा-800 में से 481 अंक) को दिया गया ।

इंटर्मोडिएट परोन्ना (नवा पाठ्यकाल नवम्बर 1985)

निम्नलिखित विद्यार्थियों को योग्यता प्रमाण पत्र प्रदान किये गये।

| वर्तीयता | अनुक्रमीक | नाम |
|----------|-----------|---|
| प्रथम | 17224 | कुमारी किमुका नरसिंहमन (700 में से 526 अंक) |
| द्वितीय | 2457 | श्री संजय वर्मा (700 में से 497 अंक) |
| तृतीय | 5714 | श्री मुकेश शोभानी (700 में से 496 अंक) |

1. "जी.पी. कार्डिना प्रयत्र अध्यक्ष पुरस्कार" कुमारी निमुका नरसिंहमन (रोल नं. 17224) को दिया गया।

2. वर्ष 1985 में सर्वोत्तम विद्यार्थी के लिये "श्री यादगार पुरस्कार" कुमारी निमुका नरसिंहमन (रोल नं. 17224) को दिया गया।

3. आविष्टि में वर्तीयतम पेपर के लिए "विदेश विभागील राष्ट्र पुरस्कार" कुमारी अंजिम हृष्ण डामोरे (रोल नं. 10123-100 में से 72 अंक) को दिया गया।

परिशिष्ट-12

संबंध-रिपोर्ट का पैरा 7.5

उत्तर विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने फाइल (पुराना पाठ्यकाल) के या तो पृष्ठ 1 या पृष्ठ 2 को पढ़ा ही उत्तीर्ण कर दिया है। उन्हें फाइल (या पाठ्यकाल) के प्रश्नपत्रों में प्राप्त छूट को वर्णित हुई तालिका

कुमारी श्री (पुराना पाठ्यकाल) सुन्दरी श्री (या पाठ्यकाल) के लिये उत्तीर्ण उत्तीर्ण किये हुए पृष्ठ

पृष्ठ 1 पेपर (1) — एडब्ल्यूएस एकाउंटिंग
पृष्ठ 2 पेपर (2) — एडब्ल्यूएस एकाउंटिंग

पृष्ठ 3 पेपर (3) — कास्टिंग
पृष्ठ 4 पेपर (4) — आर्डिंग
पृष्ठ 5 पेपर (5) — ट्रैकेशन

पृष्ठ 2

पृष्ठ 1 पेपर (2) कम्पनी ला

वार्षिक लेखा

आविष्टि की रिपोर्ट

हमने इंस्टीट्यूट ऑफ आर्टर्ड एकाउन्टेंट्स ऑफ इंडिया को, 31 मार्च 1986 तक का तुलन पत्र और इसी तिथि को समाप्त हुए संवलन आय एवं खर्च के लेखों का जिसमें कि इंस्टीट्यूट के विकासीकृत कार्यालयों, शोधीय परिवद और उत्तीर्ण वाकालियों तथा छात्र संघों और उनकी वाकालियों का दूसरे आविष्टि वृद्धारा आविष्ट किया हुआ लेखा वाकालिय है, का आविष्ट किया है और हम रिपोर्ट देते हैं कि :—

1. हमने से सभी सूचनाएं और स्पष्टीकरण प्राप्त किये हैं जो हमारी जागरूकी और विवाद के साथ आविष्टि के उद्देश्य के लिये आवश्यक हैं।

2. ऐसेंल सीट तथा आय एवं खर्च का लेखा जिसका वर्णन हमारी रिपोर्ट में किया गया, लेखे को किताबों के अनुकूल है।

3. हमारी राय में, मैत्रे, आर्टर्ड एकाउन्टेंट्स अधिनियम 1949 की शर्तों के अनुहृत रहे गये हैं।

4. हमारी राय में, और सभी प्राप्त सूचनाओं तथा हमें दिये गये स्पष्टीकरणों के अनुसार स्टेटमेंट के साथ संलग्न धनुस्त्रियों और पहुंच नोट्स गिन्त के क्षेत्र में सही एवं उचित स्थिति प्रकट करती है :—

(1) पुस्तक पत्र के समाले में 31 मार्च 1986 तक के कार्ये कलाप के बारे में

(2) इसी तिथि को समाप्त वर्ष के आय एवं खर्च के लेखे में हुए मुदाके के बारे में।

सौ.पी. मेहरा

एम.आर. बैंकडारमन

चार्टर्ड एकाउन्टेंट

चार्टर्ड एकाउन्टेंट

नई विली

12 मिन्हम्बर 1986

वि इंस्टीट्यूट ऑफ आर्टर्ड एकाउन्टेंट्स ऑफ इंडिया

लेखा विविध

1. मूल्य ह्रास: अबल सम्पत्ति ऐतिहासिक लाग आधार पर दियाई गई है और उसका मूल्य ह्रास ल्यासान लेखा तरीकों से किया है। पुस्तकालय की पुस्तकाको, जो कि प्रधान जायानिय में है पर मूल्य ह्रास सीधी रेखा पद्धति से किया गया है।

2. कंपनी सबस्ट्रों से प्राप्त प्रवेश शुल्क का अधिकतम भाग को पूँजीगत साम लिया गया है। विद्यार्थी किया-कलायों से होने वाले अधिकिव के उपयुक्त भाग की शिक्षा कीव में स्थानान्तरित कर दिया गया है और आर्टिक्लिं पूँजी में उपयुक्त होने वाले कोर्स का पूँजीगत आर्कान स्थानान्तरित कर दिया गया है।

3. अध्ययन सामग्री और प्रकाशनों और पेपर के इंस्टीट्यूट को कम लागत और विकल्प प्राप्त होने वाली लागत के कम मूल्य पर भूल्यांकन किया गया है। इस उद्देश्य के लिये लागत को सीधी लागत प्रणाली के आधार पर आका गया है।

4. कर्मचारियों के पेक्षणी की व्यवस्था सम्मूलि के आधार पर की गई है। भारतीय जीवन बीमा नियम से एक पेक्षणी तथा पृष्ठ इंस्टीट्यूट परिस्थिति सी गई है। वेष्टिली में अगर कोई भी कमो होतो उसे मुकाता वाले वर्ष में डाला गया है।

5. गिवारों का मूल्यांकन लागत के आधार पर किया गया है। सेवा-मार्गों सिम्पोजियम्स और सम्मेलनों जो कि साल में आयोजित किये गये, से इस आय और खर्च को नगद आधार पर लिया गया है।

वि इंस्टीट्यूशन आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स आफ इंडिया, नई दिल्ली

31 मार्च, 1986 तक का तुलन पत्र (वैलेंस शीट)

| | अनुमति 31-3-1986 तप्ते | वैये | वैये 31-3-1985 तप्ते |
|----------------------------|------------------------|-------------|----------------------|
| नियुक्त कोष | | | |
| (1) राष्ट्रीय पूँजी | 2,28,17,981 | | 2,10,58,627 |
| कुल ब्लॉक | | | |
| प्रावधारे मूल्य छापा | 85,37,312 | | 74,77,244 |
| निवास ब्लॉक | "८" | 1,42,80,669 | 1,35,81,383 |
| (2) उचितस्त निवेश | "बी" | 52,13,823 | 48,73,388 |
| (3) आय निवेश | | | |
| (4) बैंकों में साक्षि जमा | 1,15,32,002 | | 1,69,84,268 |
| (बी) सरकारी प्रतिष्ठान | | 2,506 | 2,506 |
| | | 1,52,34,508 | 1,69,86,774 |
| (4) निवास चालू पूँजी | "सो" | 28,27,410 | (-) 3,84,221 |
| दोग | | 3,74,56,419 | 3,50,57,324 |
| वित्तीय सहायता हारा | | | |
| (1) पूँजीगत जमा | "बी" | 2,07,31,061 | 1,87,76,877 |
| (2) सासान्य जमा | "ई" | 99,07,150 | 99,20,632 |
| (3) अन्य जमा | "एफ" | 17,04,885 | 14,86,427 |
| (4) निविष्ट कोष | "बी" | 51,13,823 | 48,73,388 |
| दोग | | 3,74,56,419 | 3,50,57,324 |

नोट :- जो कि 31 मार्च, 1986 के लेखे के भाग बनाते हैं।

(1) छावं संघों के 3 शाखाओं (ईरीर, लूधियाना और जमशेहपुर) के लेखे प्राप्त नहीं हुए इसलिए उन्हें सम्मिलित नहीं किया गया है। यद्यपि यह के वरिष्ठान इन शाखाओं को दिये गये। दिये जाने वाले अनुबार और गुणक को लिया गया है।

(2) लेक्ट्रीय परिषदों के शी शाखाओं (लूधियाना और जमशेहपुर) के आदित किये हुए लेखे प्राप्त नहीं हुए। जिस शाखाओं के प्राप्तिकारियों हारा प्राप्तिकारियों को सम्मिलित किया गया है।

पी. सी. जैन अर. एल. चोपड़ा पी. ए. नाथर | इस तिथि को संलग्न हमारी रिपोर्ट के अनुसार
प्रतिलिपि उप सचिव उप सचिव अध्यक्ष

मार. बालाहान्दीन

उपायकारी

सी. पी. मेहरा

चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट

एम. आर. बैकरान्न

चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट

दि इस्टरीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स आफ इंडिया, नई विल्सो

31 मार्च, 1986 को समाप्त हुए वर्ष का आय और खर्च का लेखा

1985-86
(करपये)

1984-85
(करपये)

1. आय - अनुसूची "ए"

(ए) सरकार

| | | |
|----------------------------------|-------------|-------------|
| (1) रेसिटरी | 1,11,18,491 | 1,02,60,411 |
| (2) अवकाशाधिक विकास एवं अनुसंधान | 20,05,261 | 14,76,081 |
| | 1,31,23,752 | 1,17,36,492 |
| (बी) विद्यार्थी | 2,21,48,913 | 2,16,97,222 |
| योग | 3,52,72,665 | 3,34,33,714 |

2. खर्च - अनुसूची "आ"

(ए) सरकार

| | | |
|----------------------------------|-------------|-------------|
| (1) रेसिटरी | 50,77,751 | 34,95,376 |
| (2) अवकाशाधिक विकास एवं अनुसंधान | 90,19,130 | 79,04,983 |
| | 1,40,96,821 | 1,14,00,359 |
| (बी) विद्यार्थी | 2,02,19,458 | 1,82,68,688 |
| योग | 3,43,16,379 | 2,96,69,04 |

3. वर्ष का अधिकार

(1) शिक्षा कोष को स्थानान्तरण

9,64,727

17,14,267

(2) सामाजिक कोष को स्थानान्तरण

(-)

20,50,400

योग

9,56,286

37,64,667

योग

3,52,72,665

3,34,33,714

मी. सी. बैन
वरिष्ठ उप अधिक

मार. एल. ओपड़ा
मणिल

मी. ए. नायर
अध्यक्ष

इस तिविक को संपत्ति हमारी रिसोर्ट के
अनुसार

मार. बालाहृष्णन
उपाध्यक्ष

मी. पी. बेहरा
चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट

एम. बार. बैकटरामन
चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट

वि इस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स आफ इंडिया, नई विस्ती

अनुसूची "ए" — आरक्षित पूँजी

(राशि रुपयों में)

| क्रमांक | पूँजी | 1-4-85 को लागत | राखाभाँ तथा अन्य संवर्धित जोड़ समाप्तिक्रम | बर्च के दोरान | 31-3-1986 को लागत | 31-3-86 को मूल्य द्वारा | 31-3-1986 को किताबी मूल्य | 31-3-1985 को किताबी मूल्य |
|---|-------|-------------------|--|---------------|----------------------|-------------------------------|------------------------------|------------------------------|
| 1. मूलि | | 8,15,073 | — | — | 8,15,073 | — | 8,15,073 | 8,15,073 |
| 2. खर्च | | 97,58,595 | (15,000) | 1,45,416 | 98,89,011 | 18,91,659 | 79,97,352 | 80,70,873 |
| 2ए. खर्च (कार्य प्रगति पर इस्तानुसार) | | — | — | 1,17,134 | 1,17,134 | — | 1,17,134 | — |
| 3. विद्युत इंस्टालेशन एवं फिटिंग | | 12,40,633 | 26,561 | 2,33,724 | 15,00,918 | 7,83,768 | 7,17,150 | 5,56,688 |
| 4. एपर कोर्सेशन इंस्टालेशन | | 14,81,117 | — | 1,59,708 | 16,40,825 | 9,36,126 | 7,04,700 | 6,74,318 |
| 5. फिल्चर एंड फिल्चर | | 30,07,155 | (49,968) | 4,77,855 | 34,35,042 | 14,94,980 | 19,40,152 | 16,97,773 |
| 6. लिफ्ट | | 2,84,041 | — | 25,871 | 3,09,912 | 1,62,122 | 1,47,790 | 1,38,340 |
| 7. आफिस सामान | | 12,83,643 | 25 | 1,93,836 | 14,77,504 | 8,55,416 | 6,22,088 | 5,37,085 |
| 8. बाह्य | | 76,985 | — | — | 76,985 | 45,452 | 31,533 | 39,416 |
| 9. पुस्तकालय | | 31,11,385 | (11,852) | 3,38,679 | 34,38,412 | 23,44,447 | 10,93,965 | 10,51,818 |
| 10. कम्प्यूटर | | — | — | 1,17,165 | 1,17,165 | 23,433 | 93,732 | — |
| योग | | 2,10,38,627 | (50,034) | 18,09,398 | 2,28,17,981 | 85,37,312 | 1,42,80,669 | 1,35,81,383 |

वि इस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स आफ इंडिया, नई विस्ती

अनुसूची "बी" — निरिष्ट निवेश

(राशि रुपयों में)

| | दैनों में सावधि जमा | | अन्य दैनों में सेव | | सरकारी प्रतिशूलियों में | | योग | |
|------------------------------|---------------------|-----------|--------------------|---------|-------------------------|---------|-----------|-----------|
| | 31-3-86 | 31-3-85 | 31-3-86 | 31-3-85 | 31-3-86 | 31-3-85 | 31-3-86 | 31-3-85 |
| (ए) शिक्षा कोष निवेश योग "ए" | 28,64,653 | 26,30,413 | — | — | — | — | 28,64,653 | 26,30,413 |
| (ब) अन्य उद्देश्य निवेश : | | | | | | | | |
| (ए) अनुसंधान कोष | 6,80,250 | 6,80,250 | — | — | — | — | 6,80,250 | 6,80,250 |
| (बी) परक एवं पुरस्कार कोष | 2,08,211 | 1,95,534 | 40,525 | 25,088 | 80,025 | 80,025 | 3,28,761 | 3,00,647 |
| (सी) वैज्ञानिक अनुसंधान कोष | 2,28,682 | 2,24,654 | — | 4,028 | — | — | 2,28,682 | 2,28,682 |
| (डी) अन्य | 9,47,372 | 9,81,153 | 64,105 | 52,241 | — | — | 10,11,477 | 10,33,396 |
| योग "बी" | 20,64,515 | 20,81,593 | 1,04,630 | 81,257 | 80,625 | 80,025 | 22,49,170 | 22,42,875 |
| योग (ए + बी) | 49,29,168 | 47,12,006 | 1,04,630 | 81,357 | 80,025 | 80,025 | 51,13,823 | 48,73,388 |

वि इंस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स आफ इंडिया, नई दिल्ली

मनुष्यों 'सी'—निवास चालू पूँजी

(राशि रुपयों में)

| विवरण | रुपये | 31-3-1986 (रुपये) | रुपये | 31-3-1986 (रुपये) |
|---|-------------|----------------------|-------------|----------------------|
| चालू पूँजी : | | | | |
| (ए) प्रकाश, अध्ययन सामग्री एवं स्टेनग्राफ़ी | | 29,34,128 | | 33,42,006 |
| (बी) प्रायत्रीयाः | | | | |
| 1. निवासों पर व्याप | 9,83,565 | | 8,61,230 | |
| 2. भवन एवं बाह्य व्यवस्थाएँ पर व्याप | 6,60,234 | | 5,32,603 | |
| 3. व्यय | 21,68,621 | 38,12,420 | 18,83,708 | 32,77,541 |
| (सो) व्यवस्थाएँ एवं अधिक राशि : | | | | |
| 1. सर्ववारियों को गुरु एवं बाह्य हेतु अधिक | 33,16,428 | | 30,68,489 | |
| 2. व्यय | 2,08,555 | | 64,570 | |
| | 35,24,983 | | 31,33,059 | |
| 2. विद्यार्थियों को भव्य शावृत्सिया | 73,055 | | 4,03,934 | |
| 3. व्यय | 8,32,602 | 44,30,640 | 5,68,953 | 41,05,848 |
| (दी) वकाल एवं बैंक राशि | 49,79,181 | | 52,42,235 | |
| इकाइया चारों बालों के नाम से | 20,49,479 | 70,28,660 | 10,89,806 | 63,32,041 |
| | 1,82,05,848 | | 1,70,57,536 | |
| बदायेः | | | | |
| (ए) अधिक प्राप्त शुल्क | | 1,07,88,809 | | 1,22,13,679 |
| (बी) व्यय के लिये व्यवसाय | | 30,68,116 | | 28,59,948 |
| (सो) व्यय वैयतायें | | 11,19,487 | | 20,17,928 |
| (दी) सेक्वेयर परिवहन, भी आन्तरिक इकाइयों में व्यवसा (एकाइस्टर्मेंट के शर्त पर) | | 4,42,317 | | 3,50,202 |
| | 1,53,78,429 | | 1,74,41,757 | |
| निवास चालू पूँजी | 28,27,419 | (—) 3,84,221 | | |

वि इंस्टीट्यूट बाक चार्टर्ड एकाउन्टेन्स बाक इंडिया, नई दिल्ली
अनुसूची "बी"—रिजर्व पूँजी

(राशि रुपयों में)

| विवरण | 31-3-86 रुपये | 31-3-85 रुपये |
|--|------------------|------------------|
| (ए) सामान्य : "ए" | | |
| पिछले सेवे के अनुसार बकाया | 1,40,77,250 | 1,26,66,252 |
| बोडे : कालापुर, मध्यात एवं इरनाकुलम विलिंग के अतिरिक्त विमान हेतु प्राप्त धारा | 2,09,784 | 3,72,398 |
| बोडे : प्रदेश ग्रुप एवं नियम प्रबोध ग्रुप | 11,47,400 | 10,38,600 |
| | योग | 1,54,34,434 |
| | | 1,40,77,250 |
| (बी) शिक्षा : "बी" | | |
| पिछले सेवे के अनुसार बकाया | 46,99,627 | 23,31,627 |
| बोडे : शिक्षा कोष से स्थानान्तरण | 5,97,000 | 23,68,000 |
| | योग | 52,96,627 |
| | | 46,99,627 |
| पूरा योग (ए—बी). | 2,07,31,061 | 1,87,76,877 |

वि इंस्टीट्यूट बाक चार्टर्ड एकाउन्टेन्स बाक इंडिया, नई दिल्ली
अनुसूची "ए"—सामान्य रिजर्व

(राशि रुपयों में)

| विवरण | 31-3-86 रुपये | 31-3-85 रुपये |
|---|------------------|------------------|
| पिछले सेवे के अनुसार सेव | 99,20,632 | 78,78,052 |
| प्राप्त अधिकाय आय एवं धन्य आते से स्थानान्तरण | (-) 8,441 | 20,50,400 |
| | योग | 99,07,150 |
| | | 99,20,632 |

वि इंस्टीट्यूट बाक चार्टर्ड एकाउन्टेन्स बाक इंडिया, नई दिल्ली
अनुसूची "ए"—सामान्य रिजर्व

(राशि रुपयों में)

| विवरण | 31-3-86 रुपये | 31-3-85 रुपये |
|---|------------------|------------------|
| पिछले सेवे के अनुसार सेव | 14,86,427 | 14,64,119 |
| बोडे : बर्व के द्वारा निवास एकीकरण/एवं जस्टमेंट | 2,17,958 | 1,50,308 |
| | 17,04,385 | 16,14,427 |
| घटायें : निविष्ट कोष को स्थानान्तरण | — | (-) 1,28,000 |
| | योग | 17,04,385 |
| | | 14,86,427 |

दि इस्तोदयत आक चार्टर्ड एकाउन्टेन्स आक इंडिया, मर्ग विल्सन

अनन्तरी “जौ”—गिरिष्ट जौथ

(राशि रूपयों में)

| विवरण | 31-3-86 बदले | 31-3-85 बदले |
|---|------------------|-----------------|
| (ए) शिक्षा कोष : | | |
| पिछले जाते से शेष | 26,30,413 | 31,38,726 |
| आय एवं व्यय जाते से स्थानांतरण | 9,64,727 | 17,14,267 |
| साल के दरमियान बढ़ाया व्याप | 1,42,017 | 1,72,285 |
| | 37,37,157 | 50,25,278 |
| बदले : — (ए) आरक्षित पूँजी को स्थानांतरण | (—) 5,97,000 | (—) 23,68,000 |
| (बी) समायोजन | (—) 2,73,504 | (—) 26,865 |
| | पोर "ए" | 28,64,653 |
| | | 26,30,413 |
| (बी) अन्य निर्विकल्प कोष : | | |
| (ए) अनुसंधान कोष | 6,80,250 | 6,80,250 |
| (बी) परक एवं पुरस्कार कोष—पिछले जाते से शेष | 3,00,647 | 2,61,112 |
| साल के दरमियान अधिक्षम | 14,848 | 38,549 |
| साल के दरमियान अंकित आय | 30,079 | 21,004 |
| | 3,45,574 | 3,20,665 |
| बदले : —पुरस्कार में विये गये परकों द्वा एवं पुरस्कार को कीमत | (—) 16,813 | (—) 20,018 |
| | 3,28,761 | 3,00,647 |
| (सी) वैकाशिक अनुसंधान कोष—पिछले जाते से शेष | 2,28,682 | 2,28,682 |
| (बी) अन्य : | | |
| 1. पिछले जाते से शेष | 10,33,396 | 7,31,286 |
| 2. साल के दरमियान अधिक्षम | 15,500 | 1,10,000 |
| 3. समायोजन आरक्षण से स्थानांतरण | — | 1,28,000 |
| 4. अन्य आरक्षणों से स्थानांतरण | — | 1,28,000 |
| 5. समायोजन (एडजस्टमेंट) | (—) 1,10,000 | — |
| बदले : — साल के दरमियान अंकित आय | 70,646 | 57,446 |
| | 10,14,583 | 10,34,552 |
| बदले : —साल के दरमियान जर्ज | (—) 3,116 | (—) 1,156 |
| | 10,11,477 | 10,33,396 |
| | 22,49,170 | 22,42,975 |
| | पोर "बी" | |
| | पूर्ण पोर (ए+बी) | 51,13,823 |
| | | 48,73,388 |

विष्णुदीप्यूष याक खाटेंड एकाउन्टेंट्स याक इंडिया, नई दिल्ली

अमृसूची "एच"

31 मार्च 1986 को तमाम वर्ष के आय-ज्वय सेक्टो का अनुलम्बक

राशि रूपयों में

| शोग | वर्ष | | | वर्ष | | | विवरणी | |
|---|-------------|-------------|-------------|-------------|-----------|-----------|-------------|-------------|
| | 31-3-1986 | 31-3-1985 | रेगिस्टर | 31-3-1985 | 31-3-1986 | 31-3-1985 | 31-3-1986 | 31-3-1985 |
| आय | | | | | | | | |
| 1. प्रशेष शुल्क (नियमित) | 4,40,900 | 4,00,200 | 4,40,900 | 4,00,200 | — | — | — | — |
| 2. सदस्यता शुल्क | 97,01,977 | 86,73,345 | 97,01,977 | 86,73,345 | — | — | — | — |
| 3. स्नातकोत्तर कोर्स शुल्क | 19,700 | 15,900 | — | — | 19,700 | 15,900 | — | — |
| 4. विद्यार्थी पंजीकरण शुल्क | 13,32,740 | 12,04,440 | — | — | — | — | 13,32,740 | 12,04,440 |
| 5. छात्र संघ शुल्क | 1,06,660 | 92,560 | — | — | — | — | 1,06,660 | 92,560 |
| 6. कोर्चिंग शुल्क | 98,14,291 | 90,44,208 | — | — | — | — | 98,14,291 | 90,44,208 |
| 7. परीक्षा शुल्क | 71,30,634 | 77,66,382 | — | — | — | — | 71,30,634 | 77,66,382 |
| 8. जर्नल एवं स्पू लैटर | 4,60,152 | 3,48,360 | — | — | — | — | 4,60,152 | 3,48,360 |
| 9. प्रकाशन | 32,35,142 | 31,63,679 | — | — | 14,04,458 | 9,28,183 | 18,30,684 | 22,35,496 |
| 10. निवेदी पर | — | — | — | — | 1,01,480 | 98,422 | 69,856 | 68,773 |
| 11. नेपाली एवं धोकोय परि- वर्गों के चुनाव हेतु नामांकन शुल्क | 97,400 | — | 97,400 | — | — | — | — | — |
| 12. आय | 7,53,129 | 3,69,871 | — | — | 5,626 | 4,22,765 | 8,39,174 | 3,30,364 |
| उपर्योग | 3,32,04,061 | 3,12,73,140 | 1,02,40,277 | 90,79,231 | 19,48,403 | 12,81,679 | 2,10,75,381 | 2,09,12,230 |
| 13. सामान्य कोष निवेद से आय (नियमित) | 16,57,007 | 17,71,770 | 7,78,214 | 11,81,180 | — | — | 7,78,793 | 5,90,590 |
| उपर्योग | 3,49,21,068 | 3,30,44,910 | 1,11,18,491 | 1,02,60,411 | 19,48,403 | 12,81,679 | 2,18,54,174 | 2,15,02,820 |
| 14. समय से पहले समा- योजना* ^{**} | 3,81,597 | 3,88,804 | — | — | 5,6,858 | 1,94,402 | 2,94,739 | 1,94,402 |
| शोग | 3,52,72,665 | 3,34,33,714 | 1,11,18,491 | 1,02,60,411 | 20,08,261 | 14,76,081 | 2,21,48,913 | 2,16,97,222 |

* **इसमें 2,90,209 रुपये शामिल हैं, जो कि परीक्षा विभाग के एक दैन के बाते के रिकवरीहाइल में एडजस्टमेंट के रूप में हैं।

अनुसूची "आई"

दि इंस्टीट्यूशन आफ आर्ट्स एकाउटेंट्स आफ इंडिया, नई दिल्ली

31 मार्च-1986 को समाप्त वर्ष के आव एवं व्यव लेवे का अनुसंधान

राशि रुपयों में

| वर्ग | संग्रह | | संस्करण रेस्मेट्री | | व्यवसायिक विकास एवं अनुसंधान | | विकारी | |
|---|-------------|-------------|--------------------|-----------|---------------------------------|-----------|-------------|-------------|
| | 31-3-1986 | 31-3-1985 | 31-3-1986 | 31-3-1985 | 31-3-1986 | 31-3-1985 | 31-3-1986 | 31-3-1985 |
| अन्य | | | | | | | | |
| 1. बेतन एवं कर्मचारी | 1,16,27,340 | 96,76,106 | 23,73,521 | 18,75,171 | 24,32,173 | 21,43,814 | 68,21,646 | 56,87,121 |
| 2. उपार्थ एवं स्टेशनरी | 11,50,034 | 10,12,590 | 1,40,157 | 1,24,120 | 5,27,066 | 4,72,378 | 4,82,811 | 4,16,092 |
| 3. प्रकाशन | 20,86,606 | 22,20,092 | 5,93,295 | 4,20,910 | 5,63,986 | 6,60,075 | 9,09,523 | 11,39,107 |
| 4. अन्य एवं म्यूल लैटर | 25,65,272 | 21,68,455 | — | — | 21,75,804 | 18,44,779 | 3,89,468 | 3,24,176 |
| 5. कोर्टिंग (बेतन एवं कर्मचारी कार्य को छोड़कर) | 32,83,703 | 30,33,957 | — | — | — | — | 32,83,703 | 30,33,957 |
| 6. वरीजार्ट (बेतन एवं कर्मचारी कार्य को छोड़कर) | 51,63,490 | 49,67,675 | — | — | — | — | 51,63,490 | 49,67,675 |
| 7. डाक, तार एवं टेली- फोन | 10,31,507 | 9,30,916 | 2,25,017 | 2,07,667 | 3,20,080 | 2,82,855 | 4,86,410 | 4,40,396 |
| 8. किराया, एवं कर | 14,15,176 | 11,56,165 | 2,64,930 | 2,41,627 | 4,95,522 | 3,83,670 | 6,36,724 | 5,30,668 |
| 9. भरमत एवं रक्ष-रकाव | 5,54,990 | 3,79,338 | 1,21,237 | 87,182 | 1,73,769 | 1,10,139 | 2,59,984 | 1,82,017 |
| 10. भूम्य हास | 11,27,221 | 9,91,300 | 2,81,605 | 2,47,826 | 2,61,806 | 2,47,825 | 5,63,610 | 4,95,649 |
| 11. यात्रा एवं परिवहन:— | | | | | | | | |
| (प) परिवहन के संबंध | 10,45,080 | 9,91,249 | 2,23,786 | 1,83,107 | 5,66,383 | 4,94,766 | 3,14,929 | 3,11,376 |
| (बी) कर्मचारी एवं अन्य | 4,88,135 | 3,69,174 | 1,00,017 | 56,012 | 1,71,763 | 1,27,930 | 2,16,338 | 1,85,232 |
| 12. पुस्तकालय रक्ष-रकाव | 85,675 | 48,970 | — | — | 38,928 | 29,528 | 46,747 | 19,442 |
| 13. विदेशी संबंध | 4,03,476 | 3,63,866 | — | — | 4,63,476 | 3,63,866 | — | — |
| 14. व्यवसायिक गुण्ड | 2,41,295 | 2,72,288 | 34,659 | 43,459 | 1,05,700 | 1,17,588 | 97,036 | 1,12,241 |
| 15. अन्य | 2,01,385 | 7,295 | 7,01,365 | 7,395 | — | — | — | — |
| 16. अन्य | 12,96,353 | 10,79,409 | — | — | 763,801 | 6,26,070 | 5,32,652 | 4,53,330 |
| उपयोग | 3,42,66,938 | 2,96,69,047 | 50,77,791 | 34,95,376 | 60,83,277 | 79,04,983 | 2,02,05,870 | 1,62,66,666 |
| 17. पहले का त्रयीयोजना | 49,441 | — | — | — | 35,833 | — | 13,588 | — |
| गोग | 3,43,16,379 | 2,96,69,047 | 50,77,791 | 34,95,376 | 60,19,120 | 79,04,983 | 2,02,19,456 | 1,62,66,666 |

वि इंस्टीट्यूट आफ वार्ड एकाउन्टेन्ट्स आफ इंडिया, नई दिल्ली
वर्ष १९८५-८६ को सम्पूर्ण वर्ष कियोग्ये वर्ष का रिपोर्ट

परिचय

| क्रमांक | विवरण | १९८५-८६ | १९८४-८५ |
|---------------------------------|-------|------------|------------|
| १. (ए) सरस्यो की सम्पत्ति | | 40,331 | 36,254 |
| (बी) कुल वर्ष* | | 14,097 | 11,400 |
| २. प्रति संवत्सर कुल वर्ष | | 350 | 314 |
| ३. रेगुलेटरी | | | |
| (ए) कुल वर्ष* | | 5,078 | 3,495 |
| (बी) प्रति संवत्सर वर्ष | | 126 | 96 |
| (सी) प्रतिशत | | 36 प्रतिशत | 31 प्रतिशत |
| ४. व्यवसायिक विकास एवं अनुसंधान | | | |
| (ए) कुल वर्ष* | | 9,019 | 7,905 |
| (बी) प्रति संवत्सर वर्ष | | 224 | 218 |
| (सी) प्रतिशत | | 64 प्रतिशत | 69 प्रतिशत |

*इष्ट दृष्टिकोण से

वि इंस्टीट्यूट आफ वार्ड एकाउन्टेन्ट्स आफ इंडिया, नई दिल्ली
३१ वर्ष को समाप्त वर्ष म वितीव दिविति में दुए परिवर्तन का विवरण

(उपर्ये सालों से)

| विवरण | १९८५-८६ | १९८४-८५ |
|---|---------|---------|
| कोर्टों का लोत: | | |
| सम्पत्ति एवं निवेश से निवल आय | 20.57 | 21.73 |
| (संगी एवं राजस्व दोनों पर) | | |
| प्रदेश सुल्क एवं दाम के क्षय में पूँजीगत प्राप्तिवां | 12.20 | 16.86 |
| निवेशों की निकासी | 15.11 | — |
| | 47.88 | 38.59 |
| वर्ष का अधिक्षय-विना मत्यङ्कात आजं किये नवा निवेशों एवं सम्पत्ति से उपरिचित राजस्व आय पर विवार करते हुए | 02.32 | 28.80 |
| योग | 50.20 | 67.39 |
| कोर्टों का वितनयोग: | | |
| कार्यकारी पूँजी में व्युत्त | 32.11 | 33.44 |
| व्युत्त पूँजी का अधिपर्वण | 18.09 | 22.53 |
| निवेशों का अधिप्राहण | — | 11.42 |
| योग | 50.20 | 67.39 |

विंस्टीट्यूट आर भार्ट एकाउन्टेंट्स आफ इंडिया, नई दिल्ली

भारूपंजी में परिवर्तन का विवरण

(रप्ते लाखों में)

| विवरण | 1985-86 | 1984-85 |
|--|-------------|--------------------|
| भारूपंजी संपर्किया | | |
| (ए) प्रकाशन, अध्ययन सामग्री एवं स्मैशनरी | (--) 04.08 | 08.40 |
| (बी) ग्राम राशि— | | |
| मिलेंडो पर ब्याज | 01.22 | 00.78 |
| मिलेंडो वाहन शृण पर ब्याज | 01.27 | 05.33 |
| वाप्त | 02.95 | 00.10 |
| (सी) शृण एवं अप्रिम | | |
| 1. कर्मचारियों को अप्रिम | 03.92 | 08.74 |
| 2. विकारियों को शृण छात्रवृत्तियां | (--) 03.31 | 00.34 |
| 3. वाप्त | 02.64 | 00.53 |
| (दी) नकद एवं बैंक अधिकारेष | 06.97 | 23.48 |
| योग | 11.48 | 45.96 |
| भारूपंजी वेताएं | | |
| (ए) अप्रिम ग्राम शुल्क | (--) 14.25 | 11.41 |
| (बी) ब्याज के लिये शृणवाता | 01.68 | 11.55 |
| (सी) अन्य वेताएं | (--) 08.06 | 12.38 |
| योग | (--) 20.63 | 12.52 |
| भारूपंजी में निवाल घोषणाएं | 32.11 | 33.44 |
| | | आर०प० चोराहा, सचिव |

THE INSTITUTE OF CHARTERED
ACCOUNTANTS OF INDIA
NOTIFICATION

New Delhi, the 30th September, 1986.
(Chartered Accountants)

No. 1-CA(5)037/86.—In pursuance of Sub-section (5) of Section 13 of the Chartered Accountants Act, 1949, a copy of the Report and the Audited accounts of the Council for the year ended 31st March, 1986 is hereby published for general information.

37TH ANNUAL REPORT OF THE COUNCIL
FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH, 1986

In accordance with the provisions of Section 18(5) of the Chartered Accountants Act, 1949, the Council has pleasure in presenting its 37th Annual Report. The report not only covers the activities of the Institute for the year ended March 31, 1986 but also refers to some of the significant activities upto the date of this report.

1. THE COUNCIL

1.1 Members of the Council and its various Committees.

The 12th Council held office till 16th September, 1985 and the 13th Council, which consists of 24 members of the Institute elected from five regional constituencies and 6 members nominated by the Central Government, was constituted on 17th September, 1985. The composition of the two Councils and their committees for the period (a) from 1st April, 1985 to 16th September, 1985 and (b) from 17th September, 1985 to 31st March, 1986, is given in Appendices I and II respectively.

1.2 President and Vice-President

Shri A. C. Chakrabortti and Shri P. A. Nair continued as President and Vice-President respectively until September 16, 1985. Shri P. A. Nair and Shri R. Balakrishnan were elected as President and Vice-President respectively for a term of one year with effect from September 17, 1985.

1.3 Council meetings

During the year 1985-86, the Council held five meetings—113th on April 11, 12, and 13, 1985 at Bombay, 114th on July 11 and 12, 1985 at New Delhi; 115th on September 14, 15 and 16, 1985 at New Delhi; 116th on September 17, 1985 at New Delhi and 117th on December 19, 20 and 21, 1985 at New Delhi.

2. INTERNATIONAL RELATIONS

2.1 International Federation of Accountants

(a) The Institute continues to be a member of the International Federation of Accountants (IFAC). India continues as an elected member of the Council of the IFAC and is represented on its Education Committee, International Auditing Practices Committee and Financial and Management Accounting Committee.

- (b) Shri B. L. Kabra, a past President of the Institute, continues to represent India on the Council of the IFAC.
- (c) Shri Bansi S. Mehta, a past President of the Institute, continues to be the Chairman of the Education Committee of the IFAC.
- (d) Shri Y. H. Malegam, a past President of the Institute, continues to represent India on the International Auditing Practices Committee of the IFAC.

A meeting of the IFAC Education Committee was held in New Delhi on February 20-21, 1986. On this occasion, seminar was also organised to focus the International Guidelines on Education and review the future programme of the Education Committee. In addition, a joint meeting of the representatives of our Institute and of the Institute of Cost and Works Accountants of India with the members of the IFAC Education Committee was organised. At the meeting, several matters of common interest concerning education and training objectives and programmes of the two Institutes were discussed.

The President, Shri P. A. Nair, attended the meeting of the Council of IFAC in Zurich in May, 1986 as Technical Advisor to the Indian representative on IFAC Council.

2.2 International Accounting Standards Committee

Shri P. A. Nair, President of the Institute is presently a member of the Steering Committee of the International Accounting Standards Committee on "Disclosures in Financial Statements of Banks".

2.3 Confederation of Asian and Pacific Accountants

India continues to be represented on the Executive Committee of the Confederation of Asian and Pacific Accountants through our sister Institute, the Institute of Cost and Works Accountants of India.

2.4 South Asian Federation of Accountants (SAFA)

A meeting of the Assembly of the South Asian Federation of Accountants was held in Colombo, Sri Lanka, on December 3-4, 1985, under the Chairmanship of Shri P. N. Shah, the then President of the Federation and a past President of the Institute. Shri P. A. Nair, President of the Institute, Shri A. C. Chakrabortti, immediate past President of the Institute, and Dr. Kamal Gupta, ICA, Technical Director of the Institute and the then Secretary of the Federation, attended the meeting. At the meeting, Mr. L. R. Watawala of Sri Lanka and Mr. Ibrahim Dahoodwala of Pakistan were elected respectively as the President and Vice-President of the Federation for the year 1986. Shri P. A. Nair is presently the Institute's representative on the Assembly of the Federation.

The Assembly meeting was followed by the First Conference of South Asian Federation of Accountants on December 4-7, 1985. The theme of the Conference, viz. "Accountancy Profession, Perspectives and Prospects" sought to underline the current status of the profession and probe into its future prospects, particularly in the context of the changing economic

and technological environment in the South Asian region. More than 300 delegates from Bangladesh, India, Pakistan, Sri Lanka and Nepal attended the Conference. The delegation of the Institute at the Conference was led by Shri P. A. Nair.

Another meeting of the SAFA Assembly was held in Dhaka, Bangladesh on July 25, 1986. The meeting was attended by Shri P. A. Nair in his capacity as the Institute's representative on SAFA Assembly and by Shri R. L. Chopra as technical advisor to Shri Nair. A seminar under the auspices of SAFA was also organised on July 26-27, 1986. The seminar was jointly hosted by the Institute of Chartered Accountants of Bangladesh and the Institute of Cost and Management Accountants of Bangladesh. About 400 delegates participated in the deliberations at the seminar. Shri R. N. Roy, a member of our Institute, presented a paper at the seminar on the subject "Impact of Computers on Accounting and Auditing". Shri Nair presided on the second technical session on "Role of Management Accountants in a Modern Enterprise."

2.5 11th CAPA Conference

The 4th Conference of the Asian and Pacific Accountants (CAPA) is being held in Melbourne, Australia from 9th to 13th November, 1986. The theme of the Conference is "Accountants, Image—Challenge and Change". Shri Bhaskar Banerjee, a member of our Council has been given the joint authorship of a paper titled "Accountants—Their Professional and Social Responsibilities Today and Tomorrow". The Institute would be sending a delegation to attend the Conference.

2.6 13th World Congress of Accountants

The 13th World Congress of Accountants is scheduled to be held in Tokyo, Japan on October 11—15, 1987. The theme of the Congress is "The Role of the Accountant in a Computer Environment". Shri R. N. Roy, a member of our Institute, has been selected as preparer of a paper on "Audit of Simple EDP Systems". The Institute would be sending a delegation to attend the congress.

2.7 Overseas Seminars

The Institute organised a seminar each at Dubai and Doha on April 25 and 26, 1986 respectively. The Faculty for the seminars comprised of Shri N. P. Sarda, FCA, Bombay and Dr. Kamal Gupta, FCA, Technical Director of the Institute. At the Seminars, recent trends in accounting, auditing and corporate finance were discussed. Both the seminars were very well attended.

2.8 Response to International Technical Documents

The Institute continues to respond to the technical documents issued by the International Federation of Accountants and the International Accounting Standards Committee.

2.9 Visits of Foreign Dignitaries

The prominent foreign dignitaries who visited India during the year included Dr John O. Miller (President of the Confederation of Asian and Pacific Accountants), Mr. Brian Jenkins (President of the Institute of Chartered Accountants in England and Wales), and

Mr. David Cairns (Secretary General of the International Accounting Standards Committee). Matters of mutual interest were discussed with them during these visits.

3. PROFESSIONAL DEVELOPMENT ACTIVITIES

3.1 General

The following paragraphs give a brief review of the Professional Development Activities of the various non-standing committees constituted by the Council of the Institute, during the Council year i.e., September 17, 1985 to September 16, 1986. The review does not include the activities of the period from April 1, 1985 to September 16, 1985, as these have already been included in the 36th Annual Report submitted last year. It does not also include details of the activities of the Regional Councils and their branches.

3.2 Accounting Standards Board

(a) Issuance of Accounting Standards :—Since the issuance of the preface to the Statements of Accounting Standards in January 1979, the Council has issued the following ten definitive Accounting Standards of which Accounting Standards (ix) and (x) were issued during the period under report.

- (i) Accounting Standard—1 on "Disclosure of Accounting Policies" (AS-1)—November, 1979.
- (ii) Accounting Standard—2 on "Valuation of Investment" (AS-2) June, 1981.
- (iii) Accounting Standard—3 on "Changes in Financial Position" (AS-3) - June 1981.
- (iv) Accounting Standard—4 on "Contingencies and Events occurring after the Balance Sheet Date" (AS-4)—November, 1982.
- (v) Accounting Standard—5 on "Prior Period and Extraordinary Items and Changes in Accounting Policies" (AS-5)—November, 1982.
- (vi) Accounting Standard—6 on "Depreciation Accounting" (AS-6) -November, 1982.
- (vii) Accounting Standard—7 on "Accounting for Construction Contracts" (AS-7)—December, 1983.
- (viii) Accounting Standard—8 on "Accounting for Research and Development" (AS-8)—January, 1985.
- (ix) Accounting Standard—9 on "Revenue Recognition" (AS-9)— November, 1985.
- (x) Accounting Standard—10 on "Accounting for Fixed Assets" (AS-10)—November, 1985.

Apart from the above, the Board has also issued a guidance note on "Terms Used in Financial Statements".

(b) Implementation of Accounting Standards :—Efforts are continuing to implement, in a phased manner, the Accounting Standards.

With a view to give wide publicity about the utility of Accounting Standards, a publicity brochure has been prepared by the Board and the same is being circulated among various organisations. The brochure gives detail about the composition of the Board, its objectives and procedure for developing of Accounting Standards. In addition, a large number of seminars were organised during the period under report to enable familiarisation with the Standards.

(c) Accounting Standards under Formulation : Standards on the following subjects are under formulation :

- (i) Accounting for Taxes on Income.
- (ii) Accounting for Retirement Benefits in the Financial Statement of Employers.
- (iii) Accounting for the effects of changes in Foreign Exchange Rates.
- (iv) Accounting for Government Grants and Disclosure of Government Assistance.

3.3 Auditing Practices Committee

(a) Long-Form Audit Report in Bank Audits :

During the year 1985 the Reserve Bank of India advised the public-sector banks to get Long-Form Audit Reports from the auditors of their head offices and controlling offices and from the auditors of their branches. For this purpose two separate questionnaires were designed by the Reserve Bank of India. Considering the need for providing guidance to the members on this vital issue and also to benefit from their experience in the matter, the Committee issued a discussion paper on the subject in December 1985 inviting public comments. Based on the comments received on the discussion paper, Committee has now finalised a Guidance Note on the subject.

(b) Study on Audit of Banks

During the year the Committee also finalised the revision of the Institute's existing publication dealing with Audit of Banks. The revised edition titled "Study on Audit of Banks" integrates the requirements of tax audit and Long-form Audit Report with the requirements of statutory bank branch audit. It also takes into account the latest directives of the Reserve Bank of India and other changes in the banking environment in the country.

(c) Statements on Standard Auditing Practices

The Committee published the Exposure Drafts of two Statements on Standard Auditing Practices as below :—

- (i) Fraud and Error.
- (ii) Control of the Quality of Audit Work.

Based on the comments received from the members, the Committee has now finalised these drafts and submitted the same to the Council for consideration and approval. Once approved, these will be issued as Statements on Standard Auditing Practices.

Statements on Standard Auditing Practices on the following subjects are also at various stages of formulation:

- (i) Audit Evidence.
- (ii) Using the Work of the Internal Auditor.
- (iii) Study and Evaluation of the Accounting System and Related Internal Control in Connection with an Audit.
- (iv) The Auditor's Report on Financial Statements.

The Committee has constituted Study Groups at Bombay, Calcutta and Madras to formulate preliminary drafts of the Statements on Standard Auditing Practices for the consideration of the Committee. Another Study Group at Delhi is engaged in the task of developing preliminary drafts of the Guidance Notes based on the Institute's existing publication titled "Statement on Auditing Practices".

(d) Responses to documents issued by IFAC & IASC.

A study group of the Committee at New Delhi is engaged in the task of preparing initial responses to various documents issued by the International Federation of Accountants and the International Accounting Standards Committee.

3.4 Research Committee

(a) Published Literature

The following publications were released for sale during the year:

- (i) Compendium of Statements and Standards.
- (ii) Compendium of Guidance Notes.
- (iii) Trends in Published Accounts (a revised version of existing Precedents in Published Accounts).
- (iv) Study on Audit of Companies Carrying on General Insurance Business.
- (v) Guidance note on treatment of expenditure during construction period (A revised edition of the study on expenditure during construction period).

(b) Studies in the process of publication.

- (i) Accounting and Auditing Technical Guide on Fertilizer Industry.
- (ii) Guidelines on Internal Audit—Construction Industry.
- (iii) Guidelines on Internal Audit—Sugar Industry.

(c) Publications under finalisation by the Committee.

- (i) Study on Use of Financial Information for Determination of Sickness in Industry.

- (ii) Accounting and Auditing Technical Guides on:-
 - (a) Automobile Industry
 - (b) Drug and Pharmaceutical Industry.
- (iii) Guidance Note on Accounting for Leases.
- (iv) Accountant's Guide to Foreign Exchange Regulation Act.
- (d) Projects in progress
 - (i) Statistical Sampling Techniques—An Aid to Audit Practices.
 - (ii) Guidelines on Internal Audit—Textile Industry.
 - (iii) Accounting and Auditing Technical Guide—Hotel Industry.
 - (iv) Impact of the Pronouncements of the Institute on the Financial Statements of Companies.
 - (v) Accountant's Guide of Law of Customs Duty.
 - (vi) Guidelines on Internal Audit—Tyre Industry.
 - (vii) Studies on:
 - (a) MRP Act.
 - (b) Insurance Audit—LIC.
 - (c) Audit of Public Trusts.
 - (d) Hospital Accounting and Management Control Systems.
 - (e) Computer and the Auditor.
 - (viii) Guidance Note on Accounting for MOD-VAT.
- (e) Existing publications in the process of revision
 - (i) Statement on Treatment of Retirement Gratuity in Accounts.
 - (ii) The Payment of Bonus Act 1965—An Accountant's Study.
 - (iii) Technical Guide for Audit of Educational Institutions.
 - (iv) Technical Guide for Audit of Cooperative Societies.
 - (v) Study on Valuation of Shares.
 - (vi) Price Fixation in Indian Industries.
 - (vii) Guidance Note on Accounting Treatment of Reserves in Amalgamation.
 - (viii) Guidance Note on Accounting for Changing Prices.
 - (ix) Statement on changes in the Mode of Charging Depreciation in the Accounts.

(f) Shield Panel

ANNUAL AWARD OF PRIZES FOR THE BEST PRESENTED ACCOUNTS FOR 1984—85

(a) COMPANIES AND NON-FINANCIAL STATUTORY CORPORATIONS.

The Panel of Judges for the annual competition for the Year 1984-85 have adjudged the Annual Report and Accounts of

HMT LTD

(for the year ended 31st March, 1985) as the best and accordingly it has decided to award its Silver Shield to this company.

This Panel of Judges have also highly commended the Annual Reports and Accounts of the following companies and have accordingly decided to award the Plaques to

THE ASSOCIATED CEMENT COMPANIES LTD

(for the year ended 31st July, 1984)

INDIAN OIL CORPORATION LTD

(for the year ended 31st March, 1985)

THE MINERALS AND METALS TRADING CORPORATION OF INDIA LTD.

(for the year ended 31st March, 1985)

(b) BANKS AND FINANCIAL INSTITUTIONS 1984-85.

The Panel of Judges also considered the Accounts of Banks and Financial Institutions and adjudged the Annual Report and Accounts of

EXPORT-IMPORT BANK OF INDIA

(for the year ended 31st December, 1984)

as the best among the entries received from banks and financial institutions and have accordingly decided to award the Silver Shield to this bank.

Note: The listing of the companies whose accounts have been highly commended is alphabetical and it does not denote any ranking on the basis of merit.

(c) ENTITIES SUCH AS PUBLIC TRUSTS, CO-OPERATIVE SOCIETIES, RESEARCH AND EDUCATIONAL INSTITUTIONS, ETC. FOR 1984-85.

The Panel of Judges separately considered the Accounts of above mentioned entities and adjudged the Annual Report and Accounts of

INDIAN FARMERS FERTILISER COOPERATIVE LTD.

(for the year ended 30th June, 1984)

as the best among the entries received and have accordingly decided to award the Plaque to it.

3.3 Professional Development Committee.

(a) Empanelment procedure and other matters relating to audit of accounts of branches of nationalised banks and regional rural banks.

At the request of the concerned authorities, the Committee collected information from practising members of the Institute for empanelment as auditors of public sector banks and their branches for the year 1985 in accordance with the guidelines indicated by the authorities. The information given by members who submitted their applications was computerised and the same was sent to the concerned authorities. Similar information audit of accounts of branches of public sector banks including regional rural banks for the year 1986 has been collected from the practising members of the Institute and the same has been processed on the computer for preparing a list in accordance with the guidelines indicated by the authorities. The list so prepared has been sent to the concerned authorities as per their requirements. The committee also took up a number of issues regarding the empanelment with the authorities on the basis of the representations received from members.

(b) Members in Industry

A Committee for Members in Industry has been constituted.

- (i) to consider ways and means to enhance participation of members in service in the affairs of the Institute.
- (ii) to consider matters affecting members in service in particular to consider problems relating to career planning ethics and other related matters as they affect the members in service.
- (iii) to provide employment service both for the benefit of the members seeking employment in industry and the prospective employers and
- (iv) to explore and develop fresh avenues of employment for members in industry.

The Committee comprises of a number of eminent members in industry.

In pursuance of the decision of the Committee, a series of articles is being published in the Journal with a view to provide guidance to members regarding employment opportunities in various sectors of the economy and in foreign countries. A number of views and suggestions were received from the members in response to the President's page in November 1985 issue of the Journal regarding improvement in the quality of relationship between the members in industry and the Institute. Action has been initiated on the basis of the views and suggestions received from the members. It has also been decided that the Regional Councils would constitute committee for members in industry to discuss matters relating to members in industry in the respective regions.

(c) Continuing Education Programme

A residential course for Finance and Accounts Executives in industry was organised from February 13 to 16, 1986 at Suraj Kund, Haryana.

(d) Internal Audit

- (i) A Committee on Internal Audit has been constituted to consider matters relating to internal audit work and to streamline the role of chartered accountants as internal auditors
- (ii) The Sixth All India Conference on Internal Audit was held at Madras on September 7, 1986. The conference discussed the various aspects of the internal audit function and deliberated on the expanding role of the Internal Auditor. There were four technical sessions in the conference to discuss the various aspects of Internal Auditing through twelve papers.

(e) Publication on Professional Opportunities to Members.

Keeping in view the changes which have taken place since the first edition of the aforesaid publication, it has now been revised and updated for the use of the members. A copy of this publication is given free to all the new members.

(f) Seminars on Bank Audit with Special reference to Long Form Audit Report.

In response to the request made by the Committee the Regional Councils organised technical seminars on Bank Audit with special reference to Long Form Audit Report at various places in their regions. In all more than 40 seminars were held. For this purpose, common background material was prepared centrally and distributed to various Regional Councils and branches.

(g) Internal Audit of Banks

A representation was made to all the nationalised banks emphasising the need and to utilise the services of Chartered Accountants in a greater degree for carrying out concurrent or internal audit of their banks and branches. In response to our request all the nationalised banks have informed us that they are utilising the services of Chartered Accountants for the purpose. In order to provide help and guidance to the members in carrying out these audits smoothly and efficiently, the Committee has decided to bring out a Guidance Note on Internal Audit of Banks.

(h) Amendment of Co-operative Societies Act to provide for audit of Co-operative Societies by chartered Accountants.

At the behest of the Committee, the Regional Councils and branches of Regional Councils at State Capitals have represented to the appropriate authorities in their State(s) for the amendment of the Co-operative Societies Act to provide for audit of Co-operative Societies by Chartered Accountants. The members of the Council have also been pursuing the matter at the personal level. The Andhra Pradesh Government has issued circulars indicating that (a) District Co-operative Audit Officers could entrust audit to any chartered accountant in the case of an insti-

tution where audit was in arrears and (b) entrustment of internal audit of accounts of co-operative sugar factories to chartered accountant and (c) constitution of State level Committee wherein one of the representatives would be a chartered accountant.

(i) Guidelines on Import and Export certificates.

The Import and Export Policy and Hand-Book of Imports and Exports Procedures 1985—88 issued by the Chief Controller of Imports and Exports contains various forms requiring certification by chartered accountants. The Committee is making efforts to bring out a guidance note to assist the members in discharging their duties while certifying information as prescribed by the authorities.

(j) Making Self-regulatory measures mandatory.

The Council has been issuing, from time to time, certain self-regulatory measures with the objective of ensuring equitable flow of professional work among members of the institute. A complete text of the Self-regulatory measures was last published in January 1985 issue of "The Chartered Accountant".

The Council at its 118th meeting held in April 1986 decided that the self-regulatory measures should be made mandatory. The manner of implementation of this decision is under consideration.

3.6 Company Law Committee

(a) Seminar

The 18th All India Seminar on Taxation and Company Law was held jointly by the Taxation and Company Law Committees at Bombay from 11th to 13th April 1986 details given in para 3.7 (a).

(b) Guidance Note on Reports in Company Prospectuses.

The Committee has issued the Guidance Note on 'Reports in Company Prospectuses' and copies thereof are available for sale. The note gives detailed guidance to assist our members who are called upon to give certain reports on financial matters.

(c) Guidance Note on Section 293-A of the Companies Act.

In view of the elaborate amendments made in section 293A of the Companies Act 1956, the Committee has brought out a revised edition of the Guidance Note on Section 293A of the Companies Act.

(d) Chartered Accountants as Head of Finance & Accounts Departments

A representation was made to the Secretary, Govt. of India, Department of Company Affairs in November 1985 suggesting therein the amendment of the Companies Act, 1956 to provide that companies listed on any stock exchange or companies having a paid-up share capital of Rs. 50 lakhs or more should compulsorily have a Chartered Accountant to head their Finance and Accounts Department. The same is under the consideration of the Department of Company Affairs.

(e) Companies (Acceptance of Deposits) Rules, 1975.

Consequent upon the intermittent issuance of the various circulars and release of the Amendment Rules, 1975, the Committee has revised the Note on 'Companies (Acceptance of Deposits) Rules 1975' and the same is under print.

(f) Recognition of C.A. qualification for Section 309 of Companies Act.

A representation has been made to the Department of Company Affairs suggesting that a general approval to the qualification of being chartered accountant in practice be considered as sufficient qualification for the purpose of Section 309 and other related provisions of the Companies Act, 1956.

(g) Dialogue with Government on Company Law

The Committee continued to discuss with the Government and respond to the various issues relating to Company Law.

3.7 Taxation Committee

(a) Seminar/Residential course

(i) The 18th All India Seminar on Taxation and Company Law organised by the Taxation and Company Law Committees of the Institute, with the theme 'Taxation and Corporate Laws—New Perspectives' took place in Taj Mahal Hotel, Bombay from 11th to 13th April, 1986.

The Seminar was inaugurated by Hon'ble Justice Mr. S. K. Desai of Bombay High Court. The inaugural session was presided over by Shri P. A. Nair, President of the Institute. There were six technical sessions—four devoted to Taxation and two devoted to Company Law. The six technical sessions were chaired by S/ Shri C. K. Tikku, Y. H. Malegam, P. M. Narielvala, B. S. Mehta, B. L. Kabra and Dadi Engineer respectively.

Shri N. Vagul, Chairman, ICICI delivered a key-note address on the topic 'Role of Financial Institutions in the current Economic Development', in the Third Technical Session. Shri P. M. Narielvala delivered key-note address on the topic 'Fiscal Strategy for economic growth' in the Fourth Technical Session. The key-note address of Shri Prem Shankar Jha on 'Expenditure Tax' was read out in his absence in the Fifth Technical Session.

Thirteen Technical papers were discussed in the Seminar.

Shri M. N. Goipuria, Chairman, IBA, delivered the valedictory address. Nearly 400 delegates participated in the Seminar.

(ii) The 9th Residential Course on Taxation was held in Hotel Blue Star, Kathmandu from 16th to 19th May, 1986. 52 delegates from different parts of the country attended the Course.

(b) Central Excise & Customs Act

A memorandum on 'Rationalisation and Simplification of Central Excise and Customs Act' was submitted to the Finance Minister, Chairman and Members of the Central Board of Excise and Customs and the Finance Secretary.

(c) Central Budget

As usual, Pre-Budget and Post-Budget Memorandum were submitted to the Finance Minister and other authorities. The Pre-Budget Memorandum contained the Institute's suggestions on the Long Term Fiscal Policy also. The President participated in the discussion with the Finance Minister on formulation of Long Term Fiscal Policy in September 1985 and on the Finance Bill in March, 1986.

(d) Wealth-tax Rules

A memorandum on Draft Wealth-tax Rules on valuation was also submitted during the period under report.

(e) Progressive Taxation of Expenditure

The Institute submitted to the Study Group on Progressive Taxation of Expenditure appointed by the Government a memorandum in response to its questionnaire. The memorandum and the responses were prepared by a special study group for the purpose.

(f) Other representations submitted during the year

(i) A representation was submitted to the Central Board of Direct Taxes suggesting amendments in Tax Audit Forms consequent on the changes made by the Finance Act, 1985. The suggestions have been implemented and the forms have been amended.

(ii) A representation was submitted to the Finance Minister suggesting the enactment of a specific provision in the Income-tax Act for deduction in the case of self-employed professionals in respect of medical expenses as well as premium paid under an insurance scheme covering the risks of accidents, death and sickness. The suggestion has been partly accepted by the Government and a provision for deduction in respect of medical insurance premia paid by an assessee, has been introduced in Income tax Act.

(iii) Another representation was submitted to the Finance Minister bringing out the diverse aspects involved in the levy of tax on registered firms highlighting the harshness of the provision in actual operation on professional firms and pleading for the abolition of the separate levy on professional partnership firms.

(iv) The Institute has submitted its views to the CBDT on the proposal regarding amendment of Section 3 of the Income tax Act, 1961 to provide for a uniform previous year.

In response to the Finance Minister's call for suggestions for reform of indirect tax structure and laws, the Institute constituted a Study Group in Bombay under the convenership of Shri I. C. Jain, Chairman of its Taxation Committee. A memorandum on Simplification and Rationalisation of Central Excise and another on Customs Law has been submitted to the Government.

(g) Publications

(i) The Committee brought out a Publication entitled 'Issues on Tax Audit' dealing with more than 150 issues on different aspects of Tax Audit.

(ii) The 'Guidance Note on Tax Audit under Section 44AB of the Income-tax Act' is under reprint.

(h) Tax Audit for Banks under Section 44AB

A Working Group was formed by the Indian Banks Association with the representatives of the Institute and representatives of Banking Industry to devise format of Tax Audit under Section 44AB for Banks and to discuss issues relating to Tax Audit of Banks. Discussions were held regarding various issues including Tax Audit fees and certain recommendations in this regard are under consideration of the Reserve Bank of India.

(i) Institute's exemption under Section 80G of Income Tax Act

The Commissioner of Income tax, New Delhi has granted a certificate of exemption under Section 80G of the Income tax Act, notifying that donations made to the Institute would be eligible for relief under Section 80G in the hands of the donor. The certificate is valid from 22-10-1985 to 30-11-1986.

3.8 Continuing Professional Education Committee

(a) Seminar & Courses

Under the Continuing Education Programme, a number of seminars and courses were organised during the Year. [For details please see Appendix III.]

(b) Results of Post Graduate Courses

Examinations of the Management Accountancy|Corporate Management|Tax Management Courses (Part 1) were held under the revised syllabus in November 1985 and in May 1986.

The summarised results of the examinations held in November 1985 and in May 1986 are given in Appendix IV.

(c) Merit Scholarships

Merit Scholarships of Rs. 500 each were granted to 5 candidates for purchase of books under the incentive schemes of the Management Accountancy Course.

(d) Management & Economic Quarterly Digest

Since September 1985—4 issues of the Management and Economic Quarterly Digest (a journal containing abstracts of important articles on contemporary issues in economics and management) have been brought out. This publication is now being printed and is being subscribed to by about 2,000 members.

(e) Practical training|passing of MAC

The number of candidates registered for practical training under Part II of the Post Graduate Courses was as under :

| | |
|-----------------------------------|----|
| (i) Management Accountancy Course | 12 |
| (ii) Corporate Management Course | 1 |
| (iii) Tax Management Course | 1 |

The following members completed both Parts of the Post Qualifications Course in Management Accountancy :

- (i) Shri L. Venkatesan (M. No. 9139)
- (ii) Shri N. S. Ramachandran (M. No. 18070)
- (iii) Shri J. Rajagopalan (M. No. 18713)
- (iv) Shri R. Durgadass (M. No. 20755)

(f) In-house Computer Centres

It has been decided to set up in-house computer centres at the regional offices, to provide well designed courses for its students and members. A four tier training programme is envisaged to impart thorough training. The computer training centre at Madras started, functioning in the last week of February 1986. A number of programmes have been organised for students and members and we have had a very encouraging response at the centre. The computer centre at Calcutta has started functioning from Sept. 3, 1986. Steps are being taken to set up computer centres at Bombay, Delhi and Kanpur.

(g) Publication, 'Post Qualification Courses'

A publication entitled 'Post Qualification Courses: Management Accountancy, Corporate Management and Tax Management' has been prepared. This publication will assist members to gain a visible evidence of specialisation. The publication describes in detail the scheme, syllabus, the list of books, and rules relating to these courses. It also provides detailed guidance on the nature of synopsis and dissertation to be submitted by members. The publication also gives information regarding the Continuing Education Programmes and Computer Courses.

3.9 Expert Advisory Committee

(i) Since the last report in September 1985, the Committee received 43 queries and disposed of 30 of them. 12 queries are under consideration and one query is pending as additional information has been sought from the querist.

(ii) The "Compendium of Opinions"—Volume V—containing the opinions of the Committee between September, 1984 and September 1985 along with a composite subject-wise alphabetical index on the opinions contained in all the earlier four volumes, has been released for sale.

(iii) Brief versions of important opinions of the Committee are being published in each issue of "The Chartered Accountant" for information of all readers.

3.10 Ethical Standards Committee

The Committee deliberated upon important questions of ethics affecting members of the Institute, such as :

(a) Guidance Note on what would constitute "Other Misconduct"

The guidance note prepared by the Committee was approved by the Council at its meeting held in December, 1985. The need for providing this guidance note arose because it was not clear as to what acts or commissions on the part of the members constituted "other misconduct" within the meaning

of Sections 21 and 22 of the Chartered Accountants Act. In the guidance note, the scope of "other misconduct" for which a member may be liable to disciplinary action has been illustrated. Guidance note was published in June, 1986 issue of "The Chartered Accountant".

(b) Compulsory maintenance of account books by chartered Accountants in practice

Based on the recommendation of the Committee, the Council issued a notification in exercise of the powers conferred by Clause (ii) of Part II of the Second Schedule to the Chartered Accountants Act, 1949 specifying that a member in practice shall be deemed to be guilty of professional misconduct if he or the firm of chartered accountant of which he is a partner fails to maintain and keep in respect of his/its professional practice proper books of account, including a cash book and a ledger.

3.11 University Liaison Committee

(a) Recognition of C.A. Course by Universities for Ph.D. Programme.

With the effort of the University Liaison Committee so far 24 Universities and the Association of Indian Universities have recognised C.A. qualification for pursuing Ph.D. Programme.

(b) Model Syllabi for B. Com. Course

The University Liaison Committee has finalised the model syllabi for B.Com Course of Indian Universities and has circulated the same to the various universities in the country. The Committee is also considering further steps for getting the model syllabi accepted by the universities.

(c) Career as a Chartered Accountant

The revised version of the earlier publication of the Committee "Profile of a Profession" is under print. It is being published under a new title "Career as a Chartered Accountant".

(d) Teaching by Chartered Accountants in Accountancy and allied subjects for under-graduate and Post-graduate classes

The University Liaison Committee has taken up this matter with the University Grants Commission. The University Grants Commission has recently indicated its inability to accede to the request of the Committee. The matter will receive further consideration of the Committee.

(e) Endowments for awarding Gold Medal/Prize to students securing highest marks in accountancy at the B.Com. Examination

During this period, funds for creating endowments already sanctioned to Punjab University, Chandigarh (Rs. 5,000) ; Ravishankar University, Raipur (Rs. 5,000) ; North Bengal University, Darjeeling (Rs. 3,000) ; and Osmania University, Hyderabad (Rs. 10,000) ; were disbursed. In the case of Osmania University, a sum of Rs. 5,000/- was contributed by the local members.

(f) Seminars

A seminar in collaboration with the Jodhpur University was held in February 1986 at Jodhpur. University of Poona, Lucknow University, University of Delhi, Bombay University, Gujarat University and Bangalore University have also agreed in principle to hold joint seminars with the Committee during 1986-87.

(g) Making available Institute's Journal to various Universities|Colleges

The Committee is making its efforts to see that the Institute's Journal is made available to all the universities and colleges in the country.

3.12 Committee for dealing with cases of Unjustified Removal of Auditors

During the year, the Committee dealt with two cases in accordance with the procedure laid down by the Council.

The question of enlarging the scope and functioning of the Committee is engaging the attention of the Council in the light of experience gained.

4. OTHER MATTERS

4.1 Committee on Public Relations

(i) The Committee on Public Relations undertook several programmes to promote a wider understanding of the functions of the Institute and project a better image of the profession.

(ii) An extract of the 36th Annual Report for the year ended 31st March, 1985 was published in several leading newspapers.

(iii) The publication of ICAI Newsletter was continued to apprise the cross-section of the public about the policies framed and objects pursued by the Council. It is distributed to Members of Parliament, Chambers of Commerce, Universities, various government departments and other bodies. So far 10 issues have been published.

(iv) The publication 'The Chartered Accountant and Society' has been revised and reprinted.

(v) Clarifications were issued from time to time in daily newspapers to correct wrong impression and to highlight policy issues, whenever called for.

(vi) Press conferences were held by the President to project the viewpoint of the Institute on the uniform adoption of accounting standards, revision of syllabus and other matters. The views of the Institute were carried by leading newspapers.

(vii) Visits of the President and Vice-President to various regional councils and branches were covered by the local press.

(viii) Views of the Institute on matters concerning the profession and matters of general importance were explained through press statements from time to time.

4.2 All India Conference of Chartered Accountants

All India Conferences of Chartered Accountants are held in turn in different places in the country at

intervals of three years and this time it is the turn of Eastern Region to host the Conference. The Council has therefore decided to hold the next (11th) All India Conference of Chartered Accountants at Calcutta on 18th, 19th, 20th and 21st December, 1986 at Calcutta. A Conference Committee under the Chairmanship of Shri P. A. Nair, President, has been appointed to organise the conference.

The theme of the Conference is "Challenges of the Nineties". There would be four plenary sessions of three papers each, as per the details given below :

Plenary Session I—Measurement & Communication

1. Standard Setting & Implementation
2. Systems Approach to Auditing
3. Prevention & Cure of Industrial Sickness

Plenary Session II—Fiscal Policy & Corporate Legislation

1. MODVAT—Concepts & Applications
2. Simplification and Rationalisation of Direct Tax Laws—a Critical Appraisal.
3. Liability of Directors—Recent Trends.

Plenary Session III—Emerging Role of Accountants in Management

1. E.D.P. as an Aid to Management
2. Profit Management in Public Sector
3. Corporate Financing—Avenues for Fund Raising

Plenary Session IV—Professional Development

1. Society's expectations from Auditors
2. Accounting Education and Training
3. Review of the Code of Conduct.

The member-bodies of the South Asian Federation of Accountants have been invited to send delegations for the Conference. The Conference Committee has also extended an invitation to the SAFA for holding its Assembly meeting in Calcutta around that time so that its members can also attend the Conference. The invitation has been accepted. The members of sister Institute's within the country, namely, the Institute of Cost & Works Accountants of India and the Institute of Company Secretaries of India have also been invited to attend the conference as delegates. It is expected that approximately 1200 delegates would be attending the Conference. The registration fee for a participant has been fixed at Rs. 500 and that for an accompanying person at Rs. 250.

4.3 Committee for Review of Education & Training

The Council had set up a Committee to review the education and training aspects so as to assess the impact of changes in the environment in which the chartered accountants operate and to formulate views on the necessity of bringing about any further modifications in the educational and training schemes of the Institute. Shri P. A. Nair, President, is the Chairman of this Committee.

The Committee issued detailed questionnaires to various categories of respondents viz., members, students, academicians and users of the services of chartered accountants. The replies received to the questionnaires have been analysed. The Committee has also held sittings at important centres in the country to collect oral evidence from various segments of the society concerned with the profession of chartered accountants. The evidence so far collected is being examined by the Committee and its report is expected to be submitted to the Council in the near future.

4.4 Journal of the Institute

(i) The Journal "The Chartered Accountant" continued to be supplied free to the members and at a concessional rate of Rs. 15 per annum to articled/audit clerks and commerce graduates studying in colleges. To others the Journal copies were supplied at the subscription rate of Rs. 50 per annum.

(ii) The circulation of the Journal has reached 54,500 copies.

(iii) There have been several distinctive improvements in the production of the Journal in terms of its contents, lay out and overall get-up. The process of printing has been changed from letterpress to offset. Several editorial improvements have also been made to make the Journal informative and useful to members, students and the public alike.

(iv) The Editorial Board has awarded the following prizes for the best articles published in the Journal :

Volume XXXII (July 83 to June 84)

Main Section:

| | |
|-----------|---|
| 1st Prize | To Dr. V.V. Desai for the article 'Value Added'. |
| Rs. 1,500 | 'Statement and its Ramification' published in the Issue of January, 1986. |
| 2nd Prize | To Mr. R.C. Agarwal for the article 'Frauds in Banks : An Analytical Study' published in the Issue of December, 1983. |
| Rs. 1,000 | |
| 3rd Prize | To Mr. S.V. Haribhakti for the article 'Programming, Planning and Execution of an Audit' published in the issue of May, 1986. |
| Rs. 500 | |

Students' Section:

| | |
|-----------|---|
| 1st Prize | To Mr. Kamal Chand Parekh for the article 'Sub-partnership: An Exposition' published in the issue of September, 1983. |
| Rs. 500 | |

Volume XXXIII (July 84 to June 85)

Main Section

| | |
|--------------|---|
| First Prize | P/E Ratio Analysis and Investment Decision by Shri R. K. Sharma (October, 1984) |
| Rs. 1,500 | |
| Second Prize | Tax Treatment of Speculative Transactions by Shri T.N. Panpey (August, 1984) |
| Rs. 1,000 | |

Third Prize
Rs. 500

Students' Section

First Prize
Rs. 500

Volume XXXIV (July 85 to June 86)

Main Section

First Prize
Rs. 1,500

Second Prize
Rs. 1,000

Third Prize
Rs. 500

Students' Section

First Prize
Rs. 750

Second prize
Rs. 500

4.5 Changes in the Chartered Accountants Regulations

(a) During the year, the following major changes were made in the Regulations with the approval of the Central Government.

(i) increase in the annual fees payable by members with effect from 1-4-1986.

(ii) discontinuance of the Final examination (old syllabus) and introduction of paragraph 10A in Schedule 'B' permitting the Students to have passed one group of the Final examination under the old syllabus or obtained exemptions in certain papers to get exemptions in corresponding papers of new syllabus examination.

(iii) recognition of the Institute of Chartered Accountants in Bangladesh under paragraph 14 of Schedule 'BB'.

(b) The codified regulations intended to simplify and rationalise the present Regulations, remove anomalies and inconsistencies and to minimise procedural delays are awaiting approval of the Central Government. Efforts are being made to secure an early approval.

(c) The Chartered Accountants Regulations, 1961 were last printed in the year 1983 incorporating therein all changes made upto 1-1-1983. Subsequent to the publications of the Regulations, there have been a number of changes therein. Correction slips carrying the changes made upto 1-12-1985 have been printed and are available for sale.

4.6 Annual Meeting of the Council

The 36th annual meeting of the Council was held on 16th September, 1985 in Vigyan Bhawan at New Delhi under the Chairmanship of Shri A. C.

Chakrabortti, the then President of the Institute. Hon'ble Shri A. K. Sen, Union Minister for Law and Justice was the Chief Guest at the function. He presented shields and plaques to the companies and financial institutions which had won the awards for their entries in the contest of best presented accounts. Prizes and medals were also given to the meritorious students in the examinations of the Institute. Shri P. A. Nair, the President-elect proposed a hearty vote of thanks.

4.7 Library

During the year 708 books were added to the Central Council library at New Delhi bringing the total numbers of books to 20558. The increasing use of the library facilities was made by both the members and the students.

4.8 Representation on outside bodies

The Institute continues to be represented on several outside bodies through its representatives. Appendix V gives details of such representation.

4.9 Members in important positions in different walks of life

Members of the Institute, on account of their high degree of expertise and knowledge in the field of accounting and finance, have come to occupy very important positions in different walks of public life including legislative bodies, public financial institutions, nationalised and other banks, educational institutions and local authorities.

4.10 Meetings of the President and the Vice-President with important dignitaries and visits to the branches

The President and the Vice-President met various dignitaries including Central Ministers and officials of the government departments during the year under review. They also met Vice-Chancellors of a number of Universities, Presidents of the Chambers of Commerce and Members of the Income-tax Appellate Tribunal. Special mention may be made of the meeting on the state of Indian economy with the Hon'ble Finance Minister, Shri V. P. Singh, on 23rd January, 1986 along with industrialists, prior to presentation of the Budget for 1986-87. The President also participated in the post-budget discussions with the Hon'ble Finance Minister on 21st March, 1986. He also met Hon'ble Shri N. D. Tiwari, Union Minister for Industry on 7th March, 1986 and apprised him of the contribution made by the profession, in the national affairs.

The President and the Vice-President visited all the regional councils and a large number of branches of the regional councils and discussed matters concerning the development of professional opportunities and educational facilities for the members and students.

4.11 Chartered Accountants' Benevolent Fund

The Chartered Accountants' Benevolent Fund was established in December, 1962 for providing financial assistance for maintenance, education and other similar purposes to needy persons who are or have

been members of the Institute and their widows and children. Despite the number of years for which the Fund had been in existence, its membership was small and resources, meagre. As on 31-3-1985 the Fund had 2112 members, including 166 life members. A vigorous campaign was launched by the President through the medium of "The Chartered Accountant" to enrol life members. Personal letters were issued to several members and the President used the opportunity of his visits to various regional centres and branches to urge upon the members to join the Fund. It is gratifying that the response has been very satisfactory. The number of life members has increased from 166 as on 31-3-1985 to 2718 as on 1-9-1986.

A sum of Rs. 69,700 was disbursed during the year to members in distress or the families of the deceased members. With the increase in the corpus of the Fund, it would now be possible to substantially increase the financial assistance to needy members or their families.

The balance to the credit of the Fund as on 31-3-86 was Rs. 6,66,221 as against Rs. 2,17,471 as on 31-3-1985. The balance as on 11-9-1986 is Rs. 15,13,221

4.12 S. Vaidyanath Aiyar Memorial Fund

During the year 1985-86, 6 scholarships of the value of Rs. 100 each per month were given to the students undergoing the C.A. Course. The Managing Committee of the Fund had decided that the number of scholarships should be increased. This year eighteen scholarships of the value of Rs. 100 each per month have been awarded to students undergoing training in different regions—4 in Western Region, 4 in Southern Region, 4 in Eastern Region, 3 in Central Region and 3 in Northern Region. It is proposed to award 25 scholarships under the above Fund to students undergoing C.A. course during 1986-87.

The membership of the Fund is 161 as on 31-3-1986. The balance to the credit of the Fund was Rs. 55,740.10 as at 31-3-1986, as against Rs. 59,594.90 as at 31-3-1985.

4.13 Death of Shri T. S. Grewal, former Director of Studies

Prof. T. S. Grewal, an eminent educationist and former Director of Studies of the Institute breathed his last on 14-12-1985.

5. MEMBERS

5.1 Membership

4387 New members were enrolled during the year bringing the figure of membership as on 31-3-1986 to 40,278. During the year 1330 Associates were admitted as Fellows, as compared to 1145 Fellows admitted in the previous year. Appendix VI gives the details with classification of membership.

5.2 Guidelines for Approval of Trade|Firm names

The Council had laid down certain guidelines for registration of trade|firm names which were last printed in "The Chartered Accountant" for February, 1984. The Council has liberalised the guidelines in order to remove the hardship which members were facing. The revised guidelines have been published in September 1986 issue of "The Chartered Accountant."

5.3 Increase in membership fees

A proposal to increase the annual fees payable by members of the Institute was published for comments in November, 1985 issue of the Journal. After considering of the comments received, the Council decided to modify the original proposals for increase in fees, as under :—

| | Earlier Fee | Fee increase | |
|---------------------------------------|----------------|------------------------|---------------------|
| | | Originally proposed | Finally approved |
| | Rs. | Rs. | Rs. |
| Associate Membership fee | 80 | 120 | 100 |
| Fellow Membership fee | 200 | 300 | 275 |
| Certificate Practice fee | 175 | 300 | 275 |

The Council further decided to delink the proposal regarding the construction and setting up the National Academy of Accounting from the proposed increase in fees, for the present. As and when the construction of the Academy is started, a one-time levy shall be made by an appropriate increase in the membership fees for the particular year to meet the capital cost.

The above increase in fees payable by members has been approved by the Central Government and brought into force with effect from 1-4-1986.

5.4 Disciplinary Action

The number of "Complaint" and "Information" cases dealt with under Section 21 is given below:—

| | |
|--|----|
| No. of cases placed before the Council (From 1-4-1985 to Council meeting in July 1986) | 97 |
| No. of cases referred to Disciplinary Com- mittee for enquiry (a) From 1-4-1985 to 16-9-1985 : 23 | |
| (b) From 17-9-1985 to Council meeting in July 1986: | 17 |
| No. of cases heard by the Disci- plinary Committee from 17-9-1985 to date of this report: | 47 |
| No. of cases remaining to be heard by Disciplinary Committee (includ- ing the cases which are pending on account of Court Orders, etc.) | 14 |

The Bombay High Court, inter alia, had observed in a writ petition filed before it that before considering the report of the Disciplinary Committee, the Council should give an opportunity of being heard to the Respondent as to why report of the Committee should not be accepted. The Institute preferred an Appeal to the Supreme Court which was heard February, 1986 and the judgement has been reserved. The Council decided to postpone consideration of the reports of the Disciplinary Committee pending decision of the Supreme Court in the above Appeal. For this reason, 132 reports of Disciplinary Committee were pending for consideration of the Council as on the date of this report.

Brief details about disciplinary matters where action under Section 21 (6) of the Chartered Accountants Act has been taken, since the last report, are given in Appendix VII.

5.5 Deceased Members

The Council records with deep regret the sad demise of Shri D. L. Bhatt on 25th July, 1985, Shri J. N. Sharma on 21st January, 1986 and Shri S. D. Nargolwala on August 6, 1986, former members of the Council.

The Council also records with deep regret the demise during the year of members whose names are listed in Appendix VIII.

6. ARTICLED AND AUDIT CLERKS

6.1 Registration :

The following is the figure of articled and audit clerks registered during the year ending March 31, 1986 with the corresponding figure for the previous year.

| 1984-85 | 1985-86 |
|---------|---------|
|---------|---------|

Articled & Audit Clerks

9256 10666

6.2 Employment Assistance to Articled|Audit Clerks

Employment assistance service is continued to be provided to all students who have completed their period of articled|audit service and have also passed the Intermediate examination of the Institute. For this purpose, an Employment Register is being maintained by the decentralised offices at each of the regional centres at Bombay, Madras, Calcutta, Kanpur and New Delhi. Students desirous of availing of the above facility and fulfilling the requirements can contact personally or write to the concerned Asstt. Secretary of the Institute for the form of particulars to be submitted to the Institute.

6.3 Board of Studies

(a) The number of students enrolled during the year ended March 31, 1986 and March 31, 1985 is as under :—

| COURSE | 1985-86 | 1986-85 |
|--------------|---------|---------|
| Intermediate | 10666 | 9256 |
| Final | 6202 | 3513 |

The total number of students on the rolls as at March 31, 1986 was 44,187 as against 40,052 as at March, 31, 1985. The details of such enrolments are given in Appendix IX.

(b) Intensified and Revisionary Classes for the Final and Intermediate Course students were, as usual, conducted at the regional and other important centres.

(c) During the year ended March 31, 1986, the following scholarships have been granted.

(i) Merit Scholarships

@Rs. 75 p.m. to 10 students for a maximum of 18 months.

@ Rs. 75 p.m. to 4 students for a maximum of 12 months.

(ii) Merit-cum-Need-based Scholarships

@ Rs. 75 p.m. to 2 students for a maximum of 12 months.

(iii) Need-based Scholarships

@ Rs. 50 p.m. to 89 students for a maximum of 30 months.

(iv) Partial. Freeship viz, waiver of the second instalment of tuition fee to 48 students.

(v) S. Vaish Memorial Scholarships

@ Rs. 100 p.m. to 2 students for a period of one year.

(d) The Board has made available suggested answer volumes to students at 33 places in the country, to remove the students' difficulty in getting the volumes.

(e) Some significant developments

(i) To remove difficulty of the students in the Final Course, the requirement to obtain eligibility certificate from the Board of Studies to appear at the Final examination has been withdrawn with effect from May, 1986 examination.

(ii) The test paper scheme for the Intermediate students has been reviewed by the Board and now a student covered by the Sunday test scheme is required to submit 9 answer papers spread on Accountancy, Auditing, Costing, Income-tax and Law and qualify in them for getting eligibility certificate. Students covered by the postal submission scheme are now required to submit 16 answer papers spread on all the subjects of the Intermediate Course and qualify in them for getting the eligibility certificate.

(iii) Pursuant to a decision of the Board of Studies, the students who have appeared in the Intermediate examination in both the groups (either in a single sitting or in separate sittings), and have completed their practical training or will be completing the same within next 5 months are eligible

to receive the Final Course Study material on their requests so that they may start the preparation for the Final examination, immediately after the completion of Intermediate examination.

(f) Though the Board is not providing any correspondence course for the students of Entrance examination, it has prepared study material for the benefit of students. The complete set of this material is priced at Rs. 100.

(g) The Board of Studies continued to make regular contribution to the Journal by giving digest of Income-tax and Company cases and current reading.

(h) The Board of Studies has designed a special Course on Effective Communication for the benefit of Chartered Accountants and students. The basic aim in designing and offering the Course is to help the members and students to improve their oral and written skills of communication so as to be effective in their professional work, in interaction with people, in public speaking, in handling work groups, in coping with interviews, examinations and so on, as the case may be.

The Course is of 6 weeks' duration, with classes to be held three days in a week for two hours per day during the evenings. The Course fee is Rs. 150.

The Board of Studies conducted the first Course at New Delhi during February—April, 1986 for a batch of 21 participants. The second Course was started from 19th May, 1986 for a batch of 23 participants.

Efforts are being made to conduct the course at other places also, namely at Bombay, Madras, Calcutta and Kanpur and in the branch centres.

7. EXAMINATIONS

7.1 The Entrance examination was held in June/December, 1985 at various centres in the country. The Chartered Accountants Intermediate examination under New syllabus and Final examination under Old and New syllabus were also held in May and November, 1985 at various centres all over India. The statistics relating to the number of candidates who appeared and who were declared successful in the said examinations are given in Appendix X.

7.2 New Examination Centres

(i) In order to cater to the increasing needs of students of Indian origin in Dubai and around, an examination centre for Intermediate and Final examinations was opened at Dubai in November, 1985. 1986.

(ii) It has been decided to open an examination centre at Calicut and also to revive the centre at Bhopal on an experimental basis for the examinations to be held in May and November, 1986. The continuance of these two centres after the November, 1986 examination will depend upon the prescribed minimum number of candidates (250) taking the examination from these centres.

7.3 Acceptance of examination applications after the last date

The applications for admission to the C.A. examinations received after the last date, till the examination held in November, 1985, were being rejected. In order to mitigate the hardship caused to the students on account of postal and other delays, it has been decided that starting from the May, 1986 examination applications for admission received upto the 15th day after the last date for receipt of applications should also be entertained with a late fee of Rs. 50.

7.4 Prizes and Certificates of Merit

The names of candidates who were awarded prizes and certificates of Merit in the examinations held in May and November, 1985 are given in Appendix XI.

7.5 Discontinuance of Final Old Syllabus Examination

As announced in the last Report, the Final examination under Schedule 'B' to the Chartered Accountants Regulations, 1964 has been discontinued after the examination held in May, 1986. The students who are not able to clear the Final examination under the said syllabus will be required to appear in the Final Examination under the New Syllabus, as contained in Schedule 'BB' from November, 1986 examination onwards. Students who have passed either Group I or Group II of the Examination under Schedule 'B' or have secured exemption in any particular paper or papers and that exemption is still valid, will be entitled to exemptions in the corresponding papers of the Final New Syllabus examination as per details given in Appendix XII.

7.6 Fresh registration of articled service of a candidate debarred from appearing in Intermediate examination

As per the existing Chartered Accountants Regulations, an articled clerk who fails to qualify in the Intermediate examination within 10 years from

the date of his initial registration is debarred from further appearance in the said examination. The Chartered Accountants Regulations have been amended, allowing such a person to register afresh as an articled clerk for one year with a Chartered Accountant in practice; require him to undergo the postal tuition course and thereafter permit him to appear afresh in the Intermediate Examination.

7.7 Eligibility requirement for registration as articled clerk in the case of commerce graduates

According to the existing Regulation 32AA which governs the registration of articled clerks on or after 1st April, 1985, one can become an articled clerk if he is a graduate and has passed the Entrance examination. Presently, exemption from appearing in the Entrance examination is given if a commerce graduate secures in the aggregate a minimum of 50 per cent of the total marks and has studied accountancy, auditing, mercantile law or commercial law as subjects. It has been recently clarified that a candidate who has passed the graduation examination with accountancy, auditing, mercantile law or commercial law as subjects but secured in the aggregate less than 50 per cent of the total marks shall be exempted from appearing in the Entrance examination if he passes the M.Com. examination with one or more of the above three subjects securing a minimum of 50 per cent marks.

7.8 Action against examinees

Four candidates who were found to have resorted to or attempted to resort to unfair means were debarred from appearing in the examinations for varying periods.

8. REGIONAL COUNCILS AND BRANCHES OF REGIONAL COUNCILS

8.1 New Branches

Subsequent to the last report, the following branches were opened :—

Western Region

1. Anand

2. Aurangabad

Southern Region

1. Erode

2. Hubli

3. Pondicherry

Central Region

1. Kota

2. Meerut

With the setting up of the above branches, the total number of branches of the Regional Councils is now 57.

8.2 Chapters of the Institute outside India

Since the last report, two Chapters of the Institute have been established outside the country in Bahrain and Zambia. With this, the number of Chapters has now risen to 5.

8.3 Buildings for Branches of Regional Councils

As mentioned in the last report, the Council has formulated a scheme to encourage branches of Regional Councils to have premises of their own. Under this scheme the branches may collect donations for the acquisition|construction of flats|buildings and the Council will give them a matching grant for this purpose subject to certain limits. The Institute having been recognised under Section 80G of the Income-tax Act, the branches are being permitted to collect donations in the name of the Institute and make use of the said exemption. It is gratifying to find that a number of branches have already started efforts in this direction. During the year, the activity of providing infrastructural facilities to branches was stepped up.

The Ernakulam Branch has the distinction of constructing the first branch building in a record time of six months. It was inaugurated by the President, Shri P.A. Nair on 22nd August, 1986. The President also laid the foundation stones of the buildings for Trivandrum Branch on 22nd August, 1986 ; Kottayam Branch on 23rd August, 1986 and Calicut Branch on 25th August, 1986. A number of other branches are at different stages of acquiring their own premises.

8.4 Rotating Shield for the Best Branches of the Regional Council

In its effort to activate the branches of Regional Councils and to ensure greater involvement of members of the branches in the affairs of the profession, the Institute had set up certain norms for minimum performance of the branches of Regional Councils. Under this scheme, the branches are required to submit quarterly reports of their activities|performance. The activities of the branches are evaluated and a rotating shield is awarded annually to the branch which is adjudged to be the best branch during the year on the basis of the performance and activities undertaken. The rotating shield was awarded to the Coimbatore branch of the SIRC for the year 1984-85. The shield was presented by Hon'ble

883 GI/86-7

Minister for Law & Justice Shri Ashok Sen at the annual function held in September, 1985. For the year 1985-86, the rotating shield will be presented to the Ernakulam Branch of SIRC which has been adjudged as the best branch. The presentation will take place at the annual function on September 16, 1986.

9. FINANCE

The Balance Sheet as at March, 31, 1986 and the Income & Expenditure account for the year ended on that date have been approved by the Council. The Income & Expenditure account show a surplus of Rs. 9.56 lakhs as against the surplus of Rs. 37.65 lakhs in the preceding year.

10. APPRECIATION

(a) The Council is grateful to all members of the Institute who functioned as co-opted members of the Institute's committees and non-members who assisted the Council during the year in the conduct of the educational and technical activities and in its examinations.

(b) The Council wishes to place on records its appreciation of the continued assistance and support of the Government and its nominees on the Council throughout the year.

(c) The Council would also like to acknowledge its appreciation of the sincere and devoted efforts put in throughout the year, by all the officers and staff of the Institute.

R. L. Chopra **R. Balakrishnan** **P. A. Nair**
Secretary **Vice-President** **President**

New Delhi

September 16, 1986.

APPENDICES TO THE ANNUAL REPORT

APPENDIX-I

(Ref. Para 1.1. of the Report)

MEMBERS OF THE COUNCIL

(14-1985 to 16-9-1985)

| | |
|-----------------------|-----------|
| Balakrishnan, R | Madras |
| Banerjee, Bhaskar | Calcutta |
| Bansal, S.K. | New Delhi |
| Chakrabortti, A.C. | Calcutta |
| Chawla, Brij Lal | New Delhi |
| Chhajed, S.P. | Bombay |
| Darak, V.C. | Bombay |
| *Dugar, S.M. (Dr.) | New Delhi |
| Ghaya, R.C. | Jaipur |
| *Hoshing, V.R. | Bombay |
| Jain, J.C. | Bombay |
| *James, G.A. | New Delhi |
| Kale, Y.M. | Bombay |
| Khanna, M.M. | New Delhi |
| Kumbhat, Ashok | Madras |
| Nair, P.A. | Bombay |
| Nandagopal, S. | Madras |
| Narayanaswamy, G. | Madras |
| *Paniker, P.J.M. | Bombay |
| Patel, Manubhai G. | Ahmedabad |
| Poddar, N.K. | Calcutta |
| *Row, K.N. | New Delhi |
| Roy Chowdhury, A. | Calcutta |
| Sampath Kumaran, P.T. | Madras |
| Sarda, N.P. | Bombay |
| Shah, P.N. | Bombay |
| *Sinha, I.B. (Dr.) | Lucknow |
| Somani, K.G. | New Delhi |
| Suresh Babu, D.L. | Bangalore |
| Vaish, R.C. (Dr.) | Kanpur |

*Nominated by Central Government

MEMBERS OF THE COUNCIL

(17.9. 1985 to 31.3.1986)

| | |
|-------------------------------|-------------|
| Agarwal K.M. | (New Delhi) |
| Balakrishnan, R. | (Madras) |
| Banerjee, Bhasker | (Calcutta) |
| Bhandari, S.S. | (Jaipur) |
| Chakrabortty, A.K. | (Calcutta) |
| Chhajed, S.P. | (Bombay) |
| Chitale, M.M. | (Bombay) |
| Dajai, A.H. | (Bombay) |
| Dasgupta, S.K. | (Calcutta) |
| *Dugar, S.M. (Dr.) | (New Delhi) |
| *Ghosh, A. | (Bombay) |
| Jain, I.C. | (Bombay) |
| *Jain, S.B. | (New Delhi) |
| Kale, Y.M. | (Bombay) |
| *Mehta, Kanti | (New Delhi) |
| *Murthy, K.S. (From 1.3.1986) | (New Delhi) |
| Nair, P.A. | (Bombay) |
| Nandagopal, S. | (Madras) |
| Narayanaswamy, G. | (Madras) |
| Patel, Manubhai, G. | (Ahmedabad) |
| Poddar, N.K. | (Calcutta) |

EXTRAORDINARY

| | |
|---------------------------|-------------|
| Rathi, Anand | (Bombay) |
| Rao, B.P. | (Bangalore) |
| *Row, K.N. (Upto 28.2.86) | (New Delhi) |
| Sharma, Laxmibai | (Hyderabad) |
| Somani, K.G. | (New Delhi) |
| Sundararajan, N. | (Madras) |
| *Tikku, C.K. | (New Delhi) |
| Vaish, R.C. (Dr.) | (Kanpur) |
| Vasudeva, S.C. | (New Delhi) |
| Vishwanath, T.S. | (New Delhi) |

*Nominated by Central Government

[PART III—SEC. 4]

APPENDIX-II

(Ref. Para 1.1 of the Report)

MEMBERS OF THE COMMITTEES

(1.4.1985 to 16.9.1985)

A. STANDING COMMITTEES

Executive Committee

| | |
|-----------------------------------|-------------|
| Shri A.C. Chakrabortti, President | (Calcutta) |
| Shri P.A. Nair, Vice-President | (Bombay) |
| Shri Bhasker Banerjee | (Calcutta) |
| Shri S.K. Bansal | (New Delhi) |
| Shri P.T. Sampath Kumaran | (Madras) |

Shri R.L. Chopra (Secretary to the Committee)

Examination Committee

| | |
|-----------------------------------|-------------|
| Shri A.C. Chakrabortti, President | (Calcutta) |
| Shri P.A. Nair, Vice-President | (Bombay) |
| Shri R. Balakrishnan | (Madras) |
| Dr. I.B. Sihna | (Lucknow) |
| Shri K.G. Somani | (New Delhi) |

Shri K. Kalyanaraman (Secretary to the Committee)

Disciplinary Committee

| | |
|-----------------------------------|-------------|
| Shri A.C. Chakrabortti, President | (Calcutta) |
| Shri P.A. Nair, Vice-President | (Bombay) |
| Dr. S.M. Dugar | (New Delhi) |
| Shri S. Nandagopal | (Madras) |
| Dr. R.C. Vaish | (Kanpur) |

Shri G.D. Khurana (Secretary to the Committee)

B. NON-STANDING COMMITTEES

Research Committee

| | |
|--|-------------|
| Shri M.M. Khanna, Chairman | (New Delhi) |
| Shri Y.M. Kale, Vice-Chairman | (Bombay) |
| Shri A.C. Chakrabortti, President (Ex-officio) | (Calcutta) |
| Shri P.A. Nair, Vice-President | (Bombay) |
| (Ex-officio) | |

Shri Bhasker Banerjee (Calcutta)

Shri P.N. Shah (Bombay)

Shri P.J.M. Panikar (Bombay)

Shri Y.H. Malegam (Bombay)

Shri Uday Khanna } Co-opted (Bombay)

Shri K. Ganesan } (Calcutta)

Shri Avinash Chander (Secretary to the Committee)

Auditing Practices Committee

| | |
|-----------------------------------|------------|
| Shri Y.M. Kale, Chairman | (Bombay) |
| Shri A.C. Chakrabortti, President | (Calcutta) |

(Ex-officio)

Shri P.A. Nair, Vice-President (Ex-officio) Bombay

Shri Bhasker Banerjee (Calcutta)

Shri M.M. Khanna (New Delhi)

Shri K.N. Row } (New Delhi)

Shri P.R. Khanna } (New Delhi)

Shri Y.H. Malegam } Co-opted (Bombay)

| | | | |
|--|----------------------|---|----------------------|
| Shri Sami Ghosh | (Calcutta) | Shri G.A. James | (New Delhi) |
| Shri N.J. Raigar | Co-opted (Madras) | Shri N.K. Poddar | (Calcutta) |
| Shri Kamal Gupta (Secretary to the Committee) | | Shri A.H. Dalal | (Bombay) |
| Continuing Professional Education Committee | | | |
| Shri N.K. Poddar, Chairman | (Calcutta) | Shri V.G. Raman | Co-opted (Madras) |
| Shri D.L. Suresh Babu, Vice-Chairman | (Bangalore) | Shri C.R.T. Verma (Secretary to the Committee) | |
| Shri A.C. Chakrabortti, President (Ex-officio) | (Calcutta) | Company Law Committee | |
| Shri P.A. Nair, Vice-President (Ex-officio) | (Bombay) | Shri I.C. Jain, Chairman | (Bombay) |
| Shri R.C. Ghoya | (Jaipur) | Shri D.L. Suresh Babu, Vice-Chairman | (Bangalore) |
| Shri M.G. Patel | (Ahmedabad) | Shri A.C. Chakrabortti, President (Ex-officio) | (Calcutta) |
| Dr. R.C. Vaish | (Kanpur) | Shri B.L. Chawla | (New Delhi) |
| Shri S. Bhattacharya | Co-opted (Calcutta) | Dr. S.M. Dugar | (New Delhi) |
| Shri H.M. Damania | (Bombay) | Shri S. Nandagopal | (Madras) |
| Dr. N.L. Dhameja (Secretary to the Committee) | | Shri S.C. Basu | (New Delhi) |
| Accounting Standards Board | | | |
| Shri N.P. Sherda, Chairman | (Bombay) | Shri N.T. Dalal | Co-opted (Bombay) |
| Shri Bhaskar Banerjee, Vice-Chairman | (Calcutta) | Shri S.K. Chakraverty (Secretary to the Committee) | |
| Shri A.C. Chakrabortti, President (Ex-officio) | (Calcutta) | International Affairs Committee | |
| Shri P.A. Nair, Vice-President (Ex-officio) | (Bombay) | Shri A.C. Chakrabortti, Chairman | (Calcutta) |
| Dr. S.M. Dugar | (New Delhi) | Shri P.A. Nair, Vice-Chairman | (Bombay) |
| Shri G.A. James | (New Delhi) | Shri M.M. Khanna | (New Delhi) |
| Shri K.N. Row | (New Delhi) | Shri Ashok Kumbhat | (Madras) |
| Shri P.N. Shah | (Bombay) | Shri N.K. Poddar | (Calcutta) |
| Shri P.J.M. Panikar | (Bombay) | Shri P.N. Shah | (Bombay) |
| Shri B.L. Chawla | (New Delhi) | Shri B.L. Kabra | (Bombay) |
| Shri S. Nandagopal | (Madras) | Shri Banshi S. Mehta | (Bombay) |
| Shri P.M. Narielvala | (Calcutta) | Shri Y.H. Malegam | Co-opted (Bombay) |
| Shri Mahendra A. Parikh | (Bombay) | Shri Kamal Gupta (Secretary to the Committee) | |
| Shri A. Ganguli | Co-opted (New Delhi) | Expert Advisory Committee | |
| Shri Joseph Kurian | (Madras) | Shri B.L. Chawla, Chairman | (New Delhi) |
| Shri R.S. Lodha | (Calcutta) | Shri M.M. Khanna, Vice-Chairman | (New Delhi) |
| Shri Kamal Gupta (Secretary to the Committee) | | Shri P.A. Nair, Vice-President (Ex-officio) | (Bombay) |
| Professional Development Committee | | Shri S.K. Bansal | (New Delhi) |
| Shri P.M. Shah, Chairman | (Bombay) | Shri A. Roy Chowdhury | (Calcutta) |
| Shri N.K. Poddar, Vice-Chairman | (Calcutta) | Shri K.G. Soman | (New Delhi) |
| Shri A.C. Chakrabortti, President (Ex-officio) | (Calcutta) | Shri S. Kumar | (Bombay) |
| Shri P.A. Nair, Vice-President (Ex-officio) | (Bombay) | Shri S.C. Vasudeva | Co-opted (New Delhi) |
| Shri J.C. Jain | (Bombay) | Shri Avinash Chander (Secretary to the Committee) | |
| Shri V.R. Hoshing | (Bombay) | University Liaison Committee | |
| Shri G. Narayanaswamy | (Madras) | Shri S.P. Chhajed, Chairman | (Bombay) |
| Shri K.N. Row | (New Delhi) | Shri R.C. Ghoya, Vice-Chairman | (Jaipur) |
| Shri R.N. Bansal | (New Delhi) | Shri P.A. Nair, Vice-President (Ex-officio) | (Bombay) |
| Shri A.K. Chakrabortti | Co-opted (Calcutta) | Shri V.C. Darak | (Bombay) |
| Dr. N.L. Dhameja (Secretary to the Committee) | | Shri A. Roy Chowdhury | (Calcutta) |
| Board of Studies | | Shri I.B. Sinha | (Lucknow) |
| Shri A. Roy Chowdhury, Chairman | (Calcutta) | Shri P. Mitra | (Calcutta) |
| Shri V.C. Darak, Vice-Chairman | (Bombay) | Shri B.D. Khanna | Co-opted (Bombay) |
| Shri A.C. Chakrabortti, President (Ex-officio) | (Calcutta) | Dr. N.K. Aggrawal (Officiating Secretary to the Committee) | |
| Shri R. Balakrishnan | (Madras) | General Purposes Committee | |
| Shri N.P. Sarda | (Bombay) | Shri A.C. Chakrabortti, Chairman | (Calcutta) |
| Shri K.G. Soman | (New Delhi) | Shri P.A. Nair, Vice-Chairman | (Bombay) |
| Shri T.S. Vishwanath | (New Delhi) | Shri Bhaskar Banerjee | (Calcutta) |
| Shri K.C. Mehta | Co-opted (Baroda) | Shri S.K. Bansal | (New Delhi) |
| Shri A.K. Majumdar (Secretary to the Board) | | Shri P.T. Sampath Kumaran | (Madras) |
| Taxation Committee | | Shri R.L. Chopra (Secretary to the Committee) | |
| Shri G. Narayanaswamy, Chairman | (Madras) | Ethical Standards Committee | |
| Shri M.G. Patel, Vice-Chairman | (Ahmedabad) | Shri A.C. Chakrabortti, Chairman | (Calcutta) |
| Shri A.C. Chakrabortti, President (Ex-officio) | (Calcutta) | Shri P.A. Nair, Vice-Chairman | (Bombay) |
| Shri P.A. Nair, Vice-President (Ex-officio) | (Bombay) | Shri S.P. Chhajed | (Bombay) |
| Shri S.K. Bansal | (New Delhi) | Dr. S.M. Dugar | (New Delhi) |
| | | Shri G. Narayanaswamy | (Madras) |

| | |
|---|------------|
| Shri P.T. Sampath Kumaran | (Madras) |
| Dr. R.C. Vaish | (Kanpur) |
| Shri G. Banerjee (Secretary to the Committee) | |
| Committee on Public Relations | |
| Shri A.C. Chakrabortti, Chairman | (Calcutta) |
| Shri P.A. Nair, Vice-Chairman | (Bombay) |
| Shri R. C. Ghija | (Jaipur) |
| Shri V.R. Hoshing | (Bombay) |
| Shri Ashok Kumbhat | (Madras) |
| Shri P.N. Shah | (Bombay) |
| Shri M.M. Chitale } Co-opted | (Bombay) |
| Shri P.S. Kumar } Co-opted | (Madras) |
| Shri R.L. Chopra (Secretary to the Committee) | |

Committee for Unjustified Removal of Auditors

| | |
|--|-------------|
| Shri A.C. Chakrabortti, Chairman | (Calcutta) |
| Shri P.A. Nair, Vice-Chairman | (Bombay) |
| Dr. S.M. Dugar | (New Delhi) |
| Shri G.D. Khurana (Secretary to the Committee) | |

Editorial Board

| | |
|---|-------------|
| Shri A.C. Chakrabortti, Editor-in-Chief | (Calcutta) |
| Shri P.A. Nair, Joint Editor | (Bombay) |
| Shri R. Balakrishnan | (Madras) |
| Shri V.C. Darak | (Bombay) |
| Shri P.N. Shah | (Bombay) |
| Shri K.G. Somani | (New Delhi) |
| Shri Narayan Varna } Co-opted | (Bombay) |
| Shri R.S.J. Daruwala } Co-opted | (Bombay) |
| Shri R.L. Chopra (Secretary to the Committee) | |

I.C.A.I.—I.C.W.A.I. Co-ordination Committee

| | |
|---|-------------|
| Shri A.C. Chakrabortti, Leader | (Calcutta) |
| Shri P.A. Nair, Deputy Leader | (Bombay) |
| Shri B.L. Chawla | (New Delhi) |
| Shri S.P. Chhajed | (Bombay) |
| Shri Ashok Kumbhat | (Madras) |
| Shri A. Roy Chowdhury | (Calcutta) |
| Shri R.L. Chopra (Secretary to the Committee) | |

I.C.A.I.—I.C.S.I. Co-ordination Committee

| | |
|---|-------------|
| Shri A.C. Chakrabortti, Leader | (Calcutta) |
| Shri P.A. Nair, Deputy Leader | (Bombay) |
| Shri S.P. Chhajed | (Bombay) |
| Shri K.G. Somani | (New Delhi) |
| Dr. R.C. Vaish | (Kanpur) |
| Shri R.L. Chopra (Secretary to the Committee) | |

Regional Languages Committee

| | |
|---|-------------|
| Shri A.C. Chakrabortti, Chairman | (Calcutta) |
| Shri P.A. Nair, Vice-Chairman | (Bombay) |
| Shri M.M. Khanna | (New Delhi) |
| Shri G. Narayanaswamy | (Madras) |
| Shri M.G. Patel | (Ahmedabad) |
| Shri P.N. Shah | (Bombay) |
| Dr. I.B. Sinha | (Lucknow) |
| Shri D.L. Suresh Babu | (Bangalore) |
| Shri R.L. Chopra (Secretary to the Committee) | |

Committee for Review of Education & Training

| | |
|----------------------------------|------------|
| Shri A.C. Chakrabortti, Chairman | (Calcutta) |
| Shri P.A. Nair, Vice-Chairman | (Bombay) |
| Shri P.N. Shah | (Bombay) |
| Shri P.L.M. Panikar | (Bombay) |

| | |
|---|-------------|
| Shri A. Roy Chowdhury | (Calcutta) |
| Shri Ashok Kumbhat | (Madras) |
| Shri M.G. Patel | (Ahmedabad) |
| Shri Banshi S. Mehta } Co-opted | (Bombay) |
| Shri P.K. Malik } Co-opted | (Calcutta) |
| Shri S.K. Agarwal } Co-opted | (New Delhi) |
| Shri A.K. Majumdar (Secretary to the Committee) | |

MEMBERS OF THE COMMITTEES

(17-9-1985 to 31-3-1986)

A. STANDING COMMITTEES

| | |
|---|-------------|
| Executive Committee | |
| Shri P.A. Nair, President | (Bombay) |
| Shri R. Balakrishnan, Vice-President | (Madras) |
| Shri S.K. Das Gupta | (Calcutta) |
| Shri Y.M. Kale | (Bombay) |
| Shri S.C. Vasudeva | (New Delhi) |
| Shri R.L. Chopra (Secretary to the Committee) | |

Examination Committee

| | |
|---|-------------|
| Shri P.A. Nair, President | (Bombay) |
| Shri R. Balakrishnan, Vice-President | (Madras) |
| Shri M.M. Chitale | (Bombay) |
| Shri S. Nandagopal | (Madras) |
| Shri T.S. Vishwanath | (New Delhi) |
| Shri K. Kalyanaraman (Secretary to the Committee) | |

Disciplinary Committee

| | |
|--|-------------|
| Shri P.A. Nair, President | (Bombay) |
| Shri R. Balakrishnan, Vice-President | (Madras) |
| Shri A.K. Chakraborty | (Calcutta) |
| Dr. S.M. Dugar | (New Delhi) |
| Shri G. Narayanaswamy | (Madras) |
| Shri G.D. Khurana (Secretary to the Committee) | |

B. NON-STANDING COMMITTEES

| | |
|---|-------------|
| Research Committee | |
| Shri N.K. Poddar, Chairman | (Calcutta) |
| Shri Anand Rathi, Vice-Chairman | (Bombay) |
| Shri P.A. Nair, President (Ex-officio) | (Bombay) |
| Shri A.K. Chakraborty | (Calcutta) |
| Dr. R.C. Vaish | (Kanpur) |
| Shri S.C. Vasudeva | (New Delhi) |
| Shri A. Ghosh | (Bombay) |
| Shri Y.H. Malegam } Co-opted | (Bombay) |
| Shri L. Kathiresan } Co-opted | (Madras) |
| Shri S.K. Parik } Co-opted | (Calcutta) |
| Shri Avinash Chander (Secretary to the Committee) | |

Auditing Practices Committee

| | |
|---|-------------|
| Dr. R.C. Vaish, Chairman | (Kanpur) |
| Shri A.H. Dalal, Vice-chairman | (Bombay) |
| Shri P.A. Nair, President (Ex-officio) | (Bombay) |
| Shri R. Balakrishnan, | (Madras) |
| Vice-President (Ex-officio) | |
| Shri Bhaskar Banerjee | (Calcutta) |
| Shri S.K. Das Gupta | (Calcutta) |
| Shri N.C. Sundararajan | (Madras) |
| Shri K.N. Row | (New Delhi) |
| Shri Y.H. Malegam } Co-opted | (Bombay) |
| Shri M.M. Khanna } Co-opted | (New Delhi) |
| Shri P.J.M. Panikar } Co-opted | (Bombay) |
| (One more member to be co-opted) | |
| Shri Kamal Gupta (Secretary to the Committee) | |

Continuing Professional Education Committee

| | |
|---|------------|
| Shri S.P. Chhajed, Chairman | (Bombay) |
| Shri N.C. Sundararajan, Vice-Chairman | (Madras) |
| Shri P.A. Nair, President (Ex-officio) | (Bombay) |
| Shri R. Balakrishnan, Vice-President (Ex-officio) | (Madras) |
| Shri S. Nandagopal | (Madras) |
| Dr. R.C. Vaish | (Kanpur) |
| Shri P.D. Desai | { Co-opted |
| Shri H.M. Damala | { |
| Dr. N.L. Dhameja (Secretary to the Committee) | (Bombay) |

Accounting Standards Board

| | |
|---|-------------|
| Shri Bhaskar Banerjee, Chairman | (Calcutta) |
| Shri Y.M. Kale, Vice-Chairman | (Bombay) |
| Shri P.A. Nair, President (Ex-officio) | (Bombay) |
| Shri R. Balakrishnan, Vice-President (Ex-officio) | (Madras) |
| Shri S.K. Das Gupta | (Calcutta) |
| Dr. S.M. Dugar | (New Delhi) |
| Shri K.N. Row | (New Delhi) |
| Shri C.K. Tikku | (New Delhi) |
| Shri S.P. Jain | (New Delhi) |
| Shri P.M. Marielvala | { |
| Shri N.P. Sarda | { Co-opted |
| Shri M.N. Goiporia | { |
| Nominee of FICCI | { |

Nominee of Scope

Shri Kamal Gupta (Secretary to the Board)

Professional Development Committee

| | |
|---|-------------|
| Shri M.G. Patel, Chairman | (Ahmedabad) |
| Shri C. J. Jain, Vice-Chairman | (Bombay) |
| Shri P.A. Nair, President (Ex-officio) | (Bombay) |
| Shri R. Balakrishnan, Vice-President (Ex-officio) | (Madras) |
| Shri Kanti Mehta | (Calcutta) |
| Shri K.N. Row | (New Delhi) |
| Shri K.G. Somani | (New Delhi) |
| Shri R.N. Bansal | { Co-opted |
| Shri P.P. Vora | { |

Dr. N.L. Dhameja (Secretary to the Committee)

Board of Studies

| | |
|---|-------------|
| Shri K.G. Somani, Chairman | (New Delhi) |
| Shri Laxminivas Sharma, Vice-Chairman | (Hyderabad) |
| Shri P.A. Nair, President (Ex-officio) | (Bombay) |
| Shri S.S. Bhandari | (Jaipur) |
| Shri M.M. Chitala | (Bombay) |
| Shri B.P. Rao | (Bangalore) |
| Shri A. Ghosh | (Bombay) |
| Shri Sukumar Bhattacharya | { Co-opted |
| Shri S.B. Kabra | { |
| Shri A.K. Majumdar (Secretary to the Board) | (Calcutta) |

Taxation Committee

| | |
|--|-------------|
| Shri I.C. Jain, Chairman | (Bombay) |
| Shri S. Nandagopal, Vice-Chairman | (Madras) |
| Shri P.A. Nair, President (Ex-officio) | (Bombay) |
| Shri A.H. Dalal | (Bombay) |
| Shri G. Narayanaswamy | (Madras) |
| Shri K.G. Somani | (New Delhi) |
| Shri C.K. Tikku | (New Delhi) |
| Shri D. Rangaswamy | { Co-opted |
| Shri V.D. Loya | { |
| Shri C.R.T. Verma (Secretary to the Committee) | (Nagpur) |

Company Law Committee

| | |
|--|-------------|
| Shri A.H. Dalal, Chairman | (Bombay) |
| Shri Bhaskar Banerjee, Vice-Chairman | (Calcutta) |
| Shri P.A. Nair, President (Ex-officio) | (Bombay) |
| Shri K.M. Agarwal | (New Delhi) |
| Shri N.K. Poddar | (Calcutta) |
| Dr. S.M. Dugar | (New Delhi) |
| Shri T.S. Vishwanath | (New Delhi) |
| Shri S.C. Bafna | { Co-opted |
| Shri S. Prabhakaran | { |
| Shri S.K. Chakravarty (Secretary to the Committee) | (Cochin) |

International Affairs Committee

| | |
|---|------------|
| Shri P.A. Nair, Chairman | (Bombay) |
| Shri R. Balakrishnan, Vice-Chairman | (Madras) |
| Shri Bhaskar Banerjee | (Calcutta) |
| Shri S.K. Das Gupta | (Calcutta) |
| Shri I.C. Jain | (Bombay) |
| Shri N.K. Poddar | (Calcutta) |
| Shri B.L. Kabra | (Bombay) |
| Shri Y.H. Malegam | { |
| Shri Bansi S. Mehta | { Co-opted |
| Shri Kamal Gupta (Secretary to the Committee) | (Bombay) |

Export Advisory Committee

| | |
|---|-------------|
| Shri Anand Rathi, Chairman | (Bombay) |
| Shri K.M. Agarwal, Vice-Chairman | (New Delhi) |
| Shri R. Balakrishnan, Vice-President (Ex-officio) | (Madras) |
| Shri S.P. Chhajed | (Bombay) |
| Shri A.H. Dalal | { |
| Shri S. Kumar | { Co-opted |
| Shri D.N. Chaturvedi | { |
| Shri Avinash Chandor (Secretary to the Committee) | (Bombay) |

University Liaison Committee

| | |
|---|-------------|
| Shri S.S. Bhandari, Chairman | (Jaipur) |
| Shri B.P. Rao, Vice-Chairman | (Bangalore) |
| Shri R. Balakrishnan, Vice-President (Ex-officio) | (Madras) |
| Shri S.P. Chhajed | (Bombay) |
| Shri Laxminivas Sharma | (Hyderabad) |
| Shri S.B. Jain | (New Delhi) |
| Shri S.K. Bansal | (New Delhi) |
| Shri G.S. Mehta | (Jodhpur) |
| Dr. N.K. Agarwal (Secretary to the Committee) | |

General Purposes Committee

| | |
|--|-------------|
| Shri P.A. Nair, Chairman | (Bombay) |
| Shri R. Balakrishnan, Vice-Chairman | (Madras) |
| Shri S.K. Das Gupta | (Calcutta) |
| Shri Y.M. Kale | (Bombay) |
| Shri S.C. Vasudeva | (New Delhi) |
| Shri R.L. Chopra (Secretary to the Committee) | |
| Ethical Standards Committee | |
| Shri P.A. Nair, Chairman | (Bombay) |
| Shri R. Balakrishnan, Vice-Chairman | (Madras) |
| Shri A.K. Chakraborty | (Calcutta) |
| Shri G. Narayanaswamy | (Madras) |
| Shri R.C. Vaish | (Kanpur) |
| Shri S.C. Vasudeva | (New Delhi) |
| Dr. S.M. Dugar | (New Delhi) |
| Shri G. Banerjee, (Secretary to the Committee) | |

Committee on Public Relations

| | |
|--|-------------|
| Shri P.A. Nair, Chairman | (Bombay) |
| Shri Balakrishnan, Vice-Chairman | (Madras) |
| Shri K.M. Agarwal | (New Delhi) |
| Shri Kanti Mehta | (Calcutta) |
| Shri B.P. Rao | (Bangalore) |
| Shri Laxminivas Sharma | (Hyderabad) |
| Shri Dillip M. Shah | (Bombay) |
| Shri M.B. Bhat | (Madras) |
| Shri R. L. Chopra (Secretary to the Committee) | |

Committee for Unjustified Removal of Auditors

| | |
|--|-------------|
| Shri P.A. Nair, Chairman | (Bombay) |
| Shri R. Balakrishnan, Vice-Chairman | (Madras) |
| Dr. S.M. Dugar | (New Delhi) |
| Shri K.N. Row | (New Delhi) |
| Shri C.K. Tikku | (New Delhi) |
| Shri G.D. Khurana (Secretary to the Committee) | |

Editorial Board

| | |
|---|-------------|
| Shri P.A. Nair, Editor-in-Chief | (Bombay) |
| Shri R. Balakrishnan, Joint Editor | (Madras) |
| Shri S.S. Bhandari | (Jaipur) |
| Shri M.M. Chitale | (Bombay) |
| Shri I. C. Jain | (Bombay) |
| Shri Y.M. Kale | (Bombay) |
| Shri T.S. Vishwanath | (New Delhi) |
| Shri H.C. Dhagat | (Bombay) |
| Shri A. Datta Chauduri | (Calcutta) |
| Shri R.L. Chopra (Secretary to the Board) | |

I.C.A.I.-I.C.W.A.I. Coordination Committee

| | |
|---|-------------|
| Shri P. A. Nair, Leader | (Bombay) |
| Shri R. Balakrishnan, Deputy Leader | (Madras) |
| Shri S.P. Chhajed | (Bombay) |
| Shri M.G. Patel | (Ahmedabad) |
| Shri N.K. Poddar | (Calcutta) |
| Shri R.L. Chopra (Secretary to the Committee) | |

I.C.A.I.-I.C.S.I. Coordination Committee

| | |
|---|----------|
| Shri P. A. Nair, Leader | (Bombay) |
| Shri R. Balakrishnan, Deputy Leader | (Madras) |
| Shri S.S. Bhandari | (Jaipur) |
| Shri Anand Rathi | (Bombay) |
| Shri N.C. Sundararajan | (Madras) |
| Shri R.L. Chopra (Secretary to the Committee) | |

Committee for Review of Education & Training

| | |
|---|-------------|
| Shri P.A. Nair, Chairman | (Bombay) |
| Shri R. Balakrishnan, Vice-Chairman | (Madras) |
| Shri A.K. Chakraborty | (Calcutta) |
| Shri G. Narayanaswamy | (Madras) |
| Shri M.G. Patel | (Ahmedabad) |
| Dr. R.C. Vaish | (Kanpur) |
| Shri A. Ghosh | (Bombay) |
| Shri Bansi S. Mehta | Co-opted |
| Shri S.K. Agarwal | (New Delhi) |
| Shri P.K. Mallik | (Calcutta) |
| Shri A.K. Majumdar (Secretary to the Committee) | |

APPENDIX III

(Ref. Para 3.8(a) of the Report)

Details of the Seminars/Courses organised by the C.P.E. Committee

| S.No. | Programme | Place | Date |
|-------|---|-----------|-------------------------------|
| 1. | Residential Course on Corporate Financial Management in collaboration with All India Management Association | Goa | 25th to 30th September, 1985. |
| 2. | Course on 'Financial Management & Management Accounting' with Department of Personnel and Administrative Reforms, Ministry of Home Affairs, Government of India | New Delhi | 7th to 25th October, 1985. |
| 3. | Course on 'FERA, Jaipur Customs Duty and Excise Duty' | Jaipur | 12th & 13th October, 1985. |
| 4. | Seminar on 'Accounting Standards & Taxation' | Calcutta | 23rd & 24th, November, 1985. |
| 5. | Seminar on 'Accounting System in Public Utilities and Non-Profit Institutions' | New Delhi | 7th & 8th December, 1985. |
| 6. | In-house Programme for Executives of State Trading Corporation. | New Delhi | 23rd to 25th January, 1986. |
| 7. | Seminar on 'New Dimensions in Financial Management with Special Reference to Working Capital' jointly with the Institute of Cost & Works Accountants of India. | Calcutta | 8th & 9th March, 1986. |
| | Seminar on 'Corporate Finance and Law' jointly with the Institute of Company Secretaries of India | Bombay | 9th & 10th August, 1986. |

APPENDIX IV

(Ref. Para 3 8(b) of the Report)—Summary of the Results of Post Graduate Courses

| Manage- ment (Part I) | Corporate Management Course (Part I) | Manage- ment Course (Part I) | M.A.C. (Part I) | Tax Exam May 1986 | Manage- ment Course (Part I) | M.A.C. (Part I) | Tax Exam. May 1986 |
|---|---|---------------------------------------|--------------------|----------------------------|---------------------------------------|--------------------|-----------------------------|
| Accountancy Course Exam Nov. 1985 | Course Exam Nov. 1985 | Course Exam Nov. 1985 | Nil | 14 | Nil | 11 | Nil |

1. Both Groups

Number of
candidates

appeared 27 2 7 14 11
Passed in

both Groups 2 1 Nil 2 1

Percentage 74% 50% Nil 14.28% 9.09%
Passed in

Group I only 3 - - Nil Nil
Passed in

Group II only 10 -- -- 10 2
Passed in

2. Group I
Number of
candidates

appeared 25 1 1 18 2
Passed 2 1 Nil 4 Nil

Percentage 8% 100% Nil 22.22% Nil

3. Group II
Number of
candidates

appeared 8 Nil Nil 7 1
Passed 2 Nil Nil 7 Nil

Percentage 25% Nil Nil 100% Nil

APPENDIX V

(Ref. Para 4 8 of the Report)

Nominees of the Council on Outside Bodies

| | |
|--|---|
| 1. General Council of the Institute of Applied Manpower Research. | Shri P.A. Nair |
| 2. Informal Advisory Committee of the Department of Company Affairs on matters relating to Cost Accounting Record Rules. | Shri P.A. Nair |
| 3. National Productivity Council. | Shri P.A. Nair |
| 4. Farm Accounts Sectional Committee AFDC 49 of the Indian Standards Institution | Shri N.K. Poddar |
| 5. Central Advisory Committee on Direct Taxes. | Shri P.A. Nair |
| 6. All India Board of Management Studies. | Shri R. Balakrishna |
| 7. Council of the International Federation of Accountants (IFAC) | Shri B.L. Kabra |
| 8. International Auditing Practices Committee of IFAC | Shri Y.H. Malagam |
| 9. Education Committee of IFAC | |
| 10. South Asian Federation of Accountants. | Shri A.C. Chakraborti (Upto 31-12-85) Shri P.A. Nair (From 1-1-1986) |
| 11. IASC Steering Committee on "Disclosure of Financial Statements of Banks" | Shri P.A. Nair |

APPENDIX VI

(Ref. Para 5 1 of the Report)

STATISTICS—MEMBERS

AS ON 01/04/1986

| | |
|------------------------------------|---------------|
| FELLOWS : IN FULL TIME PRACTICE | 10,705 |
| : IN PART TIME PRACTICE | 1,518 |
| : NOT IN PRACTICE | 1,139 |
| | 13,362 |
| ASSOCIATES : IN FULL TIME PRACTICE | 11,284 |
| : IN PART TIME PRACTICE | 5,265 |
| : NOT IN PRACTICE | 10,367 |
| GRAND TOTAL | 40,278 |

FELLOWS

ASSOCIATES

| Region | IN PRACTICE | | | | IN PRACTICE | | | | Total of cols. 6,7&8 | Total of cols. 5&9. |
|--------|--------------------------|--------------------------|--------------------|--------------------------|--------------------------|--------------------------|--------------------|-------------------------|-------------------------|------------------------|
| | In full time practice | In part time practice | Not in practice | Total of cols. 2,3,&4 | In full time practice | In part time practice | Not in practice | Total of cols. 6,7&8 | | |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | |
| I | 3,391 | 641 | 377 | 4,409 | 3,933 | 2,623 | 2,908 | 9,459 | 13,868 | |
| II | 2,653 | 312 | 276 | 3,241 | 2,375 | 1,011 | 3,546 | 6,932 | 10,173 | |
| III | 1,597 | 206 | 219 | 2,022 | 1,186 | 544 | 1,987 | 3,717 | 5,739 | |
| IV | 1,069 | 147 | 72 | 1,288 | 1,243 | 351 | 706 | 2,300 | 3,588 | |
| V | 1,995 | 212 | 195 | 2,402 | 2,547 | 736 | 1,225 | 4,508 | 6,910 | |
| | 10,705 | 1,518 | 1,139 | 13,362 | 11,284 | 5,265 | 10,367 | 26,916 | 40,278 | |

APPENDIX VII

(Ref. Para 5.4 of the Report)

DISCIPLINARY ACTION AGAINST MEMBERS

Failure to pay stipend to articled clerks in accordance with Regulation 32B

Three members were found guilty of professional misconduct within the meaning of Section 21 of the Chartered Accountants Act, 1949 read with Clause (i) of Part II of the Second Schedule to the said Act for having failed to pay stipend to their articled clerks in accordance with the provisions of Regulation 32B of the Chartered Accountants Regulations, 1964. The Council recommended to the High Court that the Respondents be reprimanded. The High Court upheld the findings of the Council in as much as the Respondents contravened Regulation 32B of the Chartered Accountants Regulations, 1964 and administered a reprimand to the members.

(For full details please see pages 678 and 679 of February 1986 issue of "The Chartered Accountant")

APPENDIX VIII

(Ref. Para 5.5 of the Report)

Statement of removal of names from the Register of Members on account of death during the year 1985-86

| S. No. | M. No. | Names | Date of Removal |
|--------|--------|--|-----------------|
| 1. | 98 | Shri V.B. Rama Sarma, Rajamahendravaram | 20.9.85 |
| 2. | 102 | Shri D.L. Bhatt, Bombay | 26.7.85 |
| 3. | 204 | Shri P.K. Ghosh, Calcutta | 14.12.85 |
| 4. | 231 | Shri Jitendranath Sen, Calcutta | 12.11.85 |
| 5. | 244 | Shri R.K. Karanath, Bombay | 23.6.85 |
| 6. | 365 | Shri P.N. Mehta, Bombay | 1.7.85 |
| 7. | 405 | Shri S.M. Sengupta, Calcutta | 27.3.85 |
| 8. | 465 | Shri J.N. Dababhoy, Bombay | 30.7.85 |
| 9. | 554 | Shri E.D. Visvanathan, Madras | 24.8.85 |
| 10. | 629 | Shri S.N. Sachdev, Delhi | 10.2.85 |
| 11. | 688 | Shri A.L. Talwar, New Delhi | 17.12.84 |
| 12. | 692 | Shri D.K. Borkar, Bombay | 10.6.85 |
| 13. | 750 | Shri Narayanan Mandyam Dhati, Bangalore | 24.7.85 |
| 14. | 762 | Shri M.C. Ranganathan, Madras | 9.4.85 |
| 15. | 789 | Shri R.C. Ralia, Calcutta | 29.8.85 |
| 16. | 801 | Shri P.K. Bose, Calcutta | 19.12.82 |
| 17. | 932 | Shri Govind Ram Nath, New Delhi | 10.1.84 |
| 18. | 1038 | Shri Jagannath Sharma, Kanpur | 22.1.86 |
| 19. | 1063 | Shri Avadh Bchari Tandon, Kanpur | 4.5.85 |
| 20. | 1101 | Shri K.S.V. Rao, Bombay | 24.12.83 |
| 21. | 1204 | Shri R.A. Devasikhamani Iyengar, Bangalore | 23.5.85 |
| 22. | 1357 | Shri A.K. Bhattacharyya, Calcutta | 24.10.84 |
| 23. | 1768 | Shri B.P. Borkar, Pune | 21.9.84 |
| 24. | 1887 | Shri B.C. Chakraborty, Calcutta | 15.2.86 |
| 25. | 2061 | Shri T.S. Raju, Madurai | 12.4.83 |
| 26. | 2178 | Shri R.D. Sh. J., Bombay | 15.2.85 |
| 27. | 2214 | Shri Nirand Baran Nandi, Calcutta | 16.3.85 |
| 28. | 2294 | Shri C.R. Kalayana Krishana, Palghat | 5.1.86 |
| 29. | 2306 | Shri A.R. Khare, Calcutta | 19.12.84 |
| 30. | 2320 | Shri Jacob Chacho, Tiruvalla | 9.5.85 |
| 31. | 2385 | Shri K.P. Saxena, New Delhi | 3.2.84 |
| 32. | 2404 | Shri N.C. Roy, Calcutta | 16.9.84 |
| 33. | 2556 | Shri Dharm Chand Jain, Indore | 1.12.83 |
| 34. | 2575 | Shri T.G. Mavani, Bombay | 1.12.83 |
| 35. | 2841 | Shri R. Chandrasekaran, Pondicherry | 5.12.85 |

| | | | |
|-----|-------|--|----------|
| 36. | 3090 | Shri Jagdish Chandra Wadhwan, New Delhi | 1.7.84 |
| 37. | 3092 | Shri N. Ramaswamy Ayyar, Madras | 17.9.85 |
| 38. | 3269 | Shri N. Sen Mazumdar, Calcutta | 19.12.85 |
| 39. | 3674 | Shri N.C. Bajaj, New Delhi | 1.1.84 |
| 40. | 4177 | Shri M.K. Sinha, Calcutta | 31.7.85 |
| 41. | 4627 | Shri J.M. Shah, Bombay | 10.5.85 |
| 42. | 4900 | Shri D. Akheswara Rao, Tadepalligudem | 12.10.85 |
| 43. | 5003 | Shri T.G. Krishnamurthy, Guntur | 19.7.85 |
| 44. | 6001 | Shri R.V. Patel, Ahmedabad | 26.2.84 |
| 45. | 6203 | Shri P.R. Narayanan Nair, Palghat | 23.11.85 |
| 46. | 6304 | Shri S. Ramachandran, Gooty | 8.11.85 |
| 47. | 7203 | Shri A.N. Kar, Allahabad | 9.2.85 |
| 48. | 7221 | Shri K.R. Valdeswaran, Bangalore | 19.9.85 |
| 49. | 7245 | Shri Jagdish Singh Bhati, Bikaner | 13.1.86 |
| 50. | 7407 | Shri V.K. Khindaria, New Delhi | 16.3.84 |
| 51. | 7540 | Shri B.T. Kapadia, Bombay | |
| 52. | 8405 | Shri Shashi Kant Rajpat, New Delhi | 8.7.83 |
| 53. | 8580 | Shri Sir Narajan Wahal, New Delhi | 30.1.86 |
| 54. | 8621 | Shri V. Rajamani, Trichirapalli | 23.8.85 |
| 55. | 8723 | Shri R.V. Krishnamurthy, Trichirapally | 12.11.85 |
| 56. | 9241 | Shri V.Kumar, Calcutta | 8.12.85 |
| 57. | 9869 | Shri D. Doraswamy, Trichur | 8.9.85 |
| 58. | 14282 | Shri N.K. Sabharwal, New Delhi | 21.5.85 |
| 59. | 14714 | Shri S. K. Basu, Calcutta | 21.10.84 |
| 60. | 14929 | Shri Syam Sundar, New Delhi | 18.1.85 |
| 61. | 17077 | Shri Parkash Chandra Chaturvedi, New Delhi | 26.1.86 |
| 62. | 20773 | Shri M.R. Devanathan, Salem | 4.6.85 |
| 63. | 20910 | Shri F.A. Sydney, Mangalore | 29.9.82 |
| 64. | 20970 | Shri N. Balachandran, Bangalore | 4.11.85 |
| 65. | 21971 | Shri K.J. Nayak, Delhi | 27.5.85 |
| 66. | 24026 | Shri K. Ravinder, Hyderabad | 23.10.85 |
| 67. | 32914 | Shri P.W. Kamat, Bombay | 13.3.85 |
| 68. | 34026 | Shri S.S. Iyer, Bombay | 30.8.85 |
| 69. | 50808 | Shri B.N. Roy, Howrah | 14.2.86 |
| 70. | 51171 | Shri S.K. Ghosh, Parganas | 22.1.84 |
| 71. | 70472 | Shri P.N. Modani, Jaipur | 23.10.85 |
| 72. | 70793 | Shri Jitender Kumar Jain, Jaipur | 6.4.84 |
| 73. | 70941 | Shri Raj Kumar Chaudhary, Bhilwara | 6.4.84 |
| 74. | 80196 | Shri Ravinder Kumar, New Delhi | 23.12.85 |
| 75. | 80720 | Shri Pradeep Chawla, New Delhi | 30.4.86 |
| 76. | 81519 | Shri Bhupinder Kumar, Jain, New Delhi | 6.7.85 |
| 77. | 82405 | Shri S. K. Aggarwal, Delhi | 25.7.84 |
| 78. | 83034 | Shri S.K. Jain, Delhi | 6.10.83 |
| 79. | 83329 | Shri Gain Chand, Faridabad | 28.4.85 |
| 80. | 83538 | Shri Pradeep Kumar Aggarwal, New Delhi | 3.4.86 |
| 81. | 84195 | Shri Ravinder Kumar, New Delhi | 31.12.85 |

APPENDIX IX

(Ref. Para 6.4.(a) of the Report)

| No. of candidates who were enrolled on 1.4.85 | Inter | Final |
|---|-------|-------|
| Enrolled during the year 85-86 | 25263 | 14810 |
| | 10813 | 6202 |
| | 36076 | 2102 |

| | | |
|--|-------|-------|
| No. of students who completed tuition in the year 85-86 (May 85 & Nov. 85) | —7095 | —5709 |
| | 28981 | 15303 |

APPENDIX X

(Ref. Para 7.1 of the Report)

SUMMARY OF RESULTS

EXAMINATIONS HELD IN MAY/JUNE 1985

ENTRANCE EXAMINATION—JUNE, 1985

| | |
|--|-------|
| Total No. of candidates appeared | 2212 |
| Total number of candidates declared successful | 296 |
| Percentage | 13.38 |

INTERMEDIATE (NEW SYLLABUS) EXAMINATION

| | |
|--|-------|
| Total No. of candidates appeared in Group I | 10858 |
| No. of candidates declared successful in Group I | 2740 |
| Percentage | 25.23 |
| Total No. of candidates appeared in Group II | 11783 |
| No. of candidates declared successful in Group II | 2036 |
| Percentage | 17.27 |
| Total No. of candidates appeared in Both Groups | 4241 |
| No. of candidates declared successful in Both Groups | 486 |
| Percentage | 11.45 |

FINAL (OLD SYLLABUS) EXAMINATION:

| | |
|--|-------|
| Total No. of candidates appeared in Group I | 1514 |
| No. of candidates declared successful in Group I | 131 |
| Percentage | 8.65 |
| Total No. of candidates appeared in Group II | 1148 |
| No. of candidates declared successful in Group II | 273 |
| Percentage | 23.78 |
| Total No. of candidates appeared in Both Groups | 524 |
| No. of candidates declared successful in Both Groups | 10 |
| Percentage | 1.90 |

FINAL (NEW SYLLABUS) EXAMINATION:

| | |
|--|-------|
| Total No. of candidates appeared in Group I | 7416 |
| No. of candidates declared successful in Group I | 3638 |
| Percentage | 49.05 |
| Total No. of candidates appeared in Group II | 6829 |
| No. of candidates declared successful in Group II | 1945 |
| Percentage | 28.48 |
| Total No. of candidates appeared in Both Groups | 5968 |
| No. of candidates declared successful in Both Groups | 1466 |
| Percentage | 24.56 |

SUMMARY OF RESULTS

EXAMINATIONS HELD IN NOVEMBER/DECEMBER 1985

ENTRANCE EXAMINATION—DECEMBER, 1985

| | |
|--|-------|
| Total number of candidates appeared | 2518 |
| Total number of candidates declared successful | 392 |
| Percentage | 15.57 |

INTERMEDIATE (NEW SYLLABUS) EXAMINATION:

| | |
|--|-------|
| Total No. of candidates appeared in Group I | 13096 |
| No. of candidates declared successful in Group I | 2434 |
| Percentage | 18.58 |
| Total No. of candidates appeared in Group II | 13961 |
| No. of candidates declared successful in Group II | 3458 |
| Percentage | 24.76 |
| Total No. of candidates appeared in Both Groups | 5460 |
| No. of candidates declared successful in Both Groups | 757 |
| Percentage | 13.86 |

FINAL (OLD SYLLABUS) EXAMINATION:

| | |
|--|-------|
| Total No. of candidates appeared in Group I | 1155 |
| No. of candidates declared successful in Group I | 161 |
| Percentage | 13.93 |
| Total No. of candidates appeared in Group II | 840 |

| | |
|--|-------|
| No. of candidates declared successful in Group II | 234 |
| Percentage | 27.00 |
| Total No. of candidates appeared in Both Groups | 309 |
| No. of candidates declared successful in Both Groups | 12 |
| Percentage | 3.88 |

FINAL (NEW SYLLABUS) EXAMINATION:

| | |
|--|-------|
| Total No. of candidates appeared in Group I | 6723 |
| No. of candidates declared successful in Group I | 2703 |
| Percentage | 40.20 |
| Total No. of candidates appeared in Group II | 6712 |
| No. of candidates declared successful in Group II | 2235 |
| Percentage | 33.29 |
| Total No. of candidates appeared in Both Groups | 3660 |
| No. of candidates declared successful in Both Groups | 657 |
| Percentage | 17.95 |

APPENDIX XI

(Ref. Para 7.4 of the Report)

MAY, 1985

FINAL (OLD SYLLABUS) EXAMINATION

Certificate of Merit : NIL

FINAL (NEW SYLLABUS) EXAMINATION:

The following candidates will be awarded certificates of merit

RANK ROLL NO. NAME

| | | |
|-----|------|--|
| I | 7411 | SURESH RAJAGOPALAN (Total 550 marks out of 800). |
| II | 8305 | DEEPAK KUMAR KATHOTIA (Total 524 marks out of 800). |
| III | 7424 | P. VENKATESH (Total 517 marks out of 800) |

1. The G. P. Kapadia First President Prize Gold Medal will be awarded to Suresh Rajagopalan (Roll No. 7411-Final New Syllabus Examination).
2. The Ramachandra Singh Prize for the best candidate will be awarded to Suresh Rajagopalan (Roll No. 7411-Final Syllabus Examination).
3. The Sir Shapoorji Billimoria Prize for the best paper in Accountancy will be awarded to Miss Monisha M. Parikh (Roll No. 5920)—Final New Syllabus Examination—169 marks out of 200).
4. The J.K. Doshi Prize for the highest marks in the paper of Management Accounting will be awarded to G.V. Nageswara Rao (Roll No. 7334—Final New Syllabus Examination—85 marks).
5. The A.E. Ferguson Prize and the R. Venkatesan Memorial Prize for the best paper on Auditing will be awarded to Jatin Luthra (Roll No. 8118)—Final New Syllabus Examination—63 marks).
6. The Kerala Verma Prize for the best candidate in Group I will be awarded to Miss Monisha M. Parikh (Roll. No. 5920)—Final New Syllabus Examination 284 marks).
7. The U.C. Majumdar Prize and the S.M. Shah Prize for the best paper on Company Law will be awarded to Karnik Milind Dattatraya (Roll No. 6113—Final New Syllabus Examination—70 marks).
8. The N.M. Shah Prize and Suri Memorial Prize for the best paper on Direct Tax Law will be awarded to Jatin Luthra (Roll. No. 8118—Final New Syllabus Examination—71 marks).

9. The Venkatachalam Mohan Prize for the best paper on Economics will be awarded to Virendra S. Shah (Roll No. 370 Final Old Syllabus Examination 50 marks).
10. The P.N. Ghosh Memorial Prize for the best candidate in Group II of the Final New Syllabus Examination will be awarded to Suresh Rajagopalan (Roll No. 7411—295 marks).
11. The Jayantilal K. Thakkar Memorial Prize for the candidate who secured the second highest marks in the Final Examination will be awarded to Deepak Kumar Kathuria (Roll No. 8305 524 marks).
12. The R.V.K. Umarjee Prize for the best paper on Cost Accounting will be awarded to Ganjwala Nijesh Ramesh (Roll No. 6353—Final New Syllabus Examination—83 marks).
13. The R. Sivabhogam Prize for the best lady candidate will be awarded to Miss Mody Smeeta Arvind (Roll No. 5908—Final New Syllabus Examination—513 marks out of 800).

**INTERMEDIATE (NEW SYLLABUS) EXAMINATION
MAY, 1985:**

The following candidates will be awarded Certificate of Merit:—

| RANK | ROLL NO. | NAME |
|------|----------|---|
| I | 2792 | NITIN SINGH (Total 474 marks out of 700). |
| II | 5763 | NIRMAL CHANDRA JAIN (Total 469 marks out of 700). |
| III | 14681 | MEENA KUMARI SHANKAR (Total 468 marks out of 700). |

1. The G.P. Kapadia First President Prize will be awarded to Nitin Singh (Roll No. 2792).
2. The Dinesh Himat Lal Shah Prize for the best paper on Auditing will be awarded to Raj Kumar (Roll No. 720) (63 marks out of 100).

PRIZE WINNERS

**FINAL EXAMINATION (OLD & NEW SYLLABI)
NOVEMBER, 1985.**

FINAL (OLD SYLLABUS) EXAMINATION:
Certificates of Merit: Nil.

FINAL (NEW SYLLABUS) EXAMINATION:
The following candidates will be awarded Certificate of Merits:—

| RANK | ROLL NO. | NAME |
|------|----------|---|
| I | 6334 | Shri SAYTA PRANAVA NAVIN-CHANDRA (Total 522 marks out of 800) |
| | 7249 | Shri SRIDHAR RAMAMURTHY (Total 522 Marks out of 800) |
| II | 6011 | Shri PRAMOD KUMAR DAD (Total 500 marks of 800) |
| | 6865 | Shri SUKHBIR SINGH SAHNI (Total 500 marks out of 800) |
| III | 6263 | Shri MERVYNAMNDREW JOHN RAMOS (Total 498 marks out of 800) |

1. The G.P. Kapadia First President Prize will be awarded to Shri Sayta Pranav Navinchandra (Roll No. 6334) and Shri Sridhar Ramamurthy (Roll No. 7249)—Final (New Syllabus) Examination.
2. The Ramachandra Singhi Prize for the best candidate will be awarded to Shri Sayta Pranav Navinchandra (Roll No. 6334) and Shri Sridhar Ramamurthy (Roll No. 7249)—Final New Syllabus Examination.
3. The G. Basu Foundation award for the best student of the year 1985 will be awarded to Shri SURESH RAJAGOPALAN (Roll No. 7411)—Final (New Syllabus) Examination May, 1985.
4. The N.N. Das Prize for the best student of the year 1985 in the Accountancy Group will be awarded to Miss MONISHAM PARIKH (Roll No. 5920—Final New Syllabus Examination May, 1985).
5. The Sir Shapoorji Billimoria Prize for the best paper on Accountancy will be awarded to Shri ABBASI FANI-MAKHTERS. (Roll No. 6319)—Final New Syllabus Examination (164 marks out of 200).
6. The J.K. Doshi Prize for the highest mark in the paper of Financial Management will be awarded to Shri PRADIWALLA PERCY JAL (Roll No. 6338)—Final New Syllabus Examination (89 marks).
7. The A.F. Ferguson Prize and the R. Venkatesan Memorial Prize for the best paper on Auditing will be awarded to Shri S. DURAI MURTHY (Roll No. 1473—Final Old Syllabus Examination (69 marks).
8. The Kerala Verma Prize for the best candidate in Group I will be awarded to Shri MAZUMDAR KAUSHIK BISHNU (Roll No. 6721)—Final New Syllabus Examination (269 marks).
9. The U.C. Majumdar Prize and the S.M. Shah Prize for the best paper on Company Law will be awarded to Shri SUDHANSU BHUSHAN CHANDA, (Roll No. 4792)—Final New Syllabus Examination (70 marks).
10. The N.M. Shah Prize & Suri Memorial Prize for the best paper on Direct Tax Laws will be awarded to Shri SATYA PRAVNAV NAVINCHANDRA (Roll No. 6334)—Final New Syllabus Examination (80 marks).
11. The Venkatachalam Mohan Prize for the best paper on Economics will be awarded to Shri SHUBHADA VISHWANATH PADHYE (Rooll No. 7489)—Final New Syllabus Examination (71 marks).
12. The P.N. Ghosh Memorial Prize for the best candidate in Group II of the Final New Syllabus Examination will be awarded to Shri SRIDHAR RAMAMURTHY (Roll No. 7249—270 marks).
13. The Jayantilal K. Thakkar Memorial Prize for the best candidate who secures the second highest marks in the Final Examination will be awarded to Shri SUKHBIR SINGH SAHNI (Roll No. 6865) and Shri PRAMOD KUMAR DAD (Roll No. 6011)—Final New Syllabus Exam.
14. The R.V.K. Umarjee Prize for the best paper on Cost Accounting will be awarded to SRIDHAR RAMAMURTHY (Roll No. 7249)—Final New Syllabus Examination (81 marks).
15. The R. Sivabhogam Prize for the best lady candidate will be awarded to Miss PURVI SHURVIR KUMAR DOCTOR (Roll No. 6010)—Final New Syllabus Examination (Total 481 marks out of 800).

INTERMEDIATE EXAMINATION (NEW SYLLABUS)
NOVEMBER, 1985

The following candidates will be awarded Certificate of Merit. -

| RANK | ROLL NO. | NAME |
|------|----------|---|
| I | 17224 | MISS KIMSUKA NARSIMHAN (Total 526 marks out of 700). |
| II | 2457 | SHRI SANJAY VARMA (Total 497 marks out of 700). |
| III | 5714 | SHRI MUKESH SODANI (Total 496 marks out of 700). |

1. The G.P. Kapadia First President Prize will be awarded to Miss Kimsuka Narsimhan (Roll No. 17224).
2. The Suri Memorial Prize for the best student of the year 1985 will be awarded to Miss Kimsuka Narsimhan (Roll No. 17224).
3. The Dinesh Humatla Shah Prize for the best paper on Auditing will be awarded to Miss Anjali Krishna Damle Roll No. 10122 (72 marks out of 100).

APPENDIX XII

(Para 7.5 of the Report)

TABLE INDICATING EXEMPTIONS AVAILABLE IN PAPERS OF FINAL (NEW SYLLABUS) TO THOSE CANDIDATES OF FINAL (OLD SYLLABUS) WHO HAVE ALREADY PASSED EITHER

GROUP I OR GROUP II

| GROUP PASS UNDER SCHEDULE 'B' (OLD SYLLABUS) | EXEMPTIONS IN THE EXAMINATION UNDER SCHEDULE 'BB' (NEW SYLLABUS) |
|---|---|
| Group I | Group I, Paper 1—Advanced Accounting |
| Paper (i)—Advanced Accounting | Group I, Paper 2—Management Accounting |
| Paper (ii)—Advanced Accounting & Management Accounting. | |
| Paper (iii)—Costing | Group II, Paper 8—Comb. 'B'—Cost Systems & Cost Control (if the candidate opts for Combination 'B') |
| Paper (iv)—Auditing | Group I, Paper 3—Auditing |
| Paper (v)—Taxation | Group II, Paper 5—Direct Tax Laws |
| GROUP II: | |
| Paper (ii)—Company Law | Group I, Paper 4—Company Law |

AUDITORS' REPORT

We have audited the Balance Sheet of the Institute of Chartered Accountants of India, as at 31st March, 1986 and also the annexed Income & Expenditure Account for the year ended on that date incorporating the accounts of the Institutes decentralised offices. Regional Councils and their Branches and Students' Associations and their Branches audited by other auditors and report that:—

1. We have obtained all information and explanations which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit;
2. The Balance Sheet and the Income & Expenditure Account dealt with by the report are in agreement with the books of accounts;
3. In our opinion, the accounts are maintained in conformity with the requirements of the Chartered Accountants Act, 1949; and
4. In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the statements together with the schedules attached and read with notes give a true and fair view:
 - (i) in the case of the Balance Sheet, of the state of affairs as at March 31, 1986; and
 - (ii) in the case of the Income & Expenditure Account of the Surplus for the year ended on that date.

New Delhi,

Dated: 12th September, 1986

C.P. Mehra

Chartered Accountant

M.R. Venkataraman

Chartered Accountant

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA, NEW DELHI

Accounting Policies

1. Depreciation: Fixed assets are shown on historical cost basis and have been depreciated on the diminishing balance method. Library books at the Head Office have been depreciated on the straightline method.
2. The admission fee from fellow members and a major portion of the entrance fee received from associate members are capitalised. An appropriate portion of the surplus arising out of students' activities is transferred to Education Fund and to the extent this fund is utilised on fixed assets, transferred to Capital Reserve.
3. Inventories of paper, publications and study materials are valued at lower of cost or net realisable value. For this purpose cost is ascertained on the basis of direct cost method.
4. Provision for Gratuity to staff is made on accrual basis. A gratuity-cum-group insurance policy has been taken from the Life Insurance Corporation of India. Any shortfall in the payment of gratuity is debited in the year of payment.
5. Investments have been valued at cost.
6. Income & Expenditure from Seminars, Symposiums and Conferences held during the year have been accounted for on cash basis.

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA,
NEW DELHI

BALANCE SHEET AS AT MARCH 31, 1986

| | SCHEDULE Rs. | 31-3-1986 Rs. | 31-3-1985 Rs. |
|-------------------------------|--------------------|-------------------|--------------------|
| FUNDS EMPLOYED: | | | |
| 1. Fixed Assets: | | | |
| Gross Block | 2,28,17,981 | 2,10,51,627 | |
| Less : Depreciation | 85,37,312 | 74,79,244 | |
| Net Block | (A) 1,42,80,669 | | 1,35,81,383 |
| 2. Earmarked Investments | (B) 51,13,823 | | 48,73,388 |
| 3. Other Investments: | | | |
| (a) Fixed Deposits with Banks | 1,52,32,002 | 1,69,84,268 | |
| (b) Govt. Securities | 2,506 1,52,34,507 | 2,506 1,69,86,774 | |
| Net Current Assets | (C) 28,27,419 | | (--)3,84,221 |
| TOTAL | 3,74,56,419 | | 3,50,57,324 |

FINANCED BY:

| | | |
|--------------------|--------------------|--------------------|
| 1. Capital Reserve | (D) 2,07,31,051 | 1,87,76,877 |
| 2. General Reserve | (E) 99,07,150 | 99,20,632 |
| 3. Other Reserves | (F) 17,04,385 | 14,86,427 |
| 4. Earmarked Funds | (G) 51,13,823 | 48,73,388 |
| TOTAL | 3,74,51,419 | 3,50,57,324 |

NOTES : FORMING PART OF THE ACCOUNTS AS AT MARCH, 31, 1986:

- (1) Accounts of three branches of Students Associations (Indore, Jodhpur and Jaipur) have not been received and hence not incorporated. However, the grants/fee paid payable during the year to these branches have been accounted for.
- (2) Audited accounts of two branches of Regional Councils Ludhiana & Jamshedpur have not been received. However, accounts certified by Office Bearers have been duly incorporated.

P.C. JAIN R.L. CHOPRA P.A. NAIR As per our Report of,
Sr. Deputy Secretary Secretary President even date attached.

New Delhi
Dated 12th Sept., 1986

R. BALAKRISHNAN C.P. MEHRA M.R. VENKATARAMA N
Vice-President Chartered Accountant Chartered Accountant

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA, NEW DELHI

INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED MARCH, 31, 1986

| | | 1985-86 Rs. | 1984-85 Rs. |
|--|---|--------------------|--------------------|
| 1 | 2 | 3 | |
| I. INCOME—Schedule H | | | |
| (a) Members | | | |
| (i) Regulatory | | 1,11,18,491 | 1,02,60,411 |
| (ii) Professional Development & Research | | 20,05,251 | 14,76,331 |
| | | 1,31,23,752 | 1,17,36,492 |
| (b) Students | | 2,21,48,913 | 2,16,97,222 |
| TOTAL | | 3,52,72,665 | 3,34,33,714 |
| II. EXPENDITURE—Schedule I | | | |
| (a) Members | | | |
| (i) Regulatory | | 50,77,791 | 34,95,376 |
| (ii) Professional Development & Research | | 90,19,130 | 79,04,983 |
| | | 1,40,96,921 | 1,14,00,359 |
| (b) Students | | 2,02,19,458 | 1,82,68,688 |
| TOTAL | | 3,43,16,379 | 2,95,59,017 |
| III. Surplus for the year: | | | |
| (i) Transferred to Education Fund | | 9,64,727 | 17,14,267 |
| (ii) Transferred to General Reserve | | (—)3,441 | 20,50,400 |
| TOTAL | | 9,56,286 | 37,64,667 |
| TOTAL | | 3,52,72,665 | 3,34,33,714 |

P.C. Jain

Sr. Deputy Secretary

R.L. Chopra

Secretary

P.A. Nair

President

As per our Report of
even date attached

Sept. 12th 1986

R. Balakrishnan

Vice-President

C.P. Mehra

Chartered Accountant,

M.R. Venkataraman

Chartered Accountant

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA, NEW DELHI

SCHEDULE 'A'—FIXED ASSETS

(Amounts in Rupees)

| S. No. | Assets | Cost as at 1-4-1985 | Adjustments relating to branches and others | Additions during the year | Cost as at 31-3-1986 | Depreciation as at 31-3-1986 | Book Value as at 31-3-1986 | Book value as at 31-3-1985 |
|--|--------------------|---------------------------|--|---------------------------------|----------------------------|------------------------------------|----------------------------------|----------------------------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 |
| 1. Land . . . | 8,15,073 | — | — | — | 8,15,073 | — | 8,15,073 | 8,15,073 |
| 2. Buildings . . . | 97,58,595 | (15,000) | 1,45,416 | 98,89,011 | 18,91,659 | 79,97,352 | 80,70,872 | |
| 2a. Building (Work in progress—Ernakulam) | — | — | 1,17,134 | 1,17,134 | — | 1,17,134 | — | — |
| 3. Electric Installations & Fittings . . . | 12,40,633 | 26,561 | 2,33,724 | 15,00,918 | 7,83,768 | 7,17,150 | 5,56,688 | |
| 4. Air Conditioning Installations . . . | 14,81,117 | — | 1,59,708 | 16,40,825 | 9,36,125 | 7,04,700 | 6,74,318 | |
| 5. Furniture & Fixtures | 30,07,155 | (49,968) | 4,77,855 | 34,35,042 | 14,94,890 | 19,40,152 | 16,97,773 | |
| 6. Lifts . . . | 2,84,041 | — | 25,871 | 3,09,912 | 1,62,122 | 1,47,790 | 1,38,340 | |
| 7. Office Equipment | 12,83,643 | 25 | 1,93,836 | 14,77,504 | 8,55,416 | 6,22,088 | 5,37,085 | |
| 8. Vehicle . . . | 76,985 | — | — | 76,985 | 45,452 | 31,533 | 39,416 | |
| 9. Library . . . | 31,11,385 | (11,652) | 3,38,679 | 34,38,412 | 23,44,447 | 10,93,965 | 10,51,818 | |
| 10. Computer . . . | — | — | 1,17,165 | 1,17,165 | 23,433 | 93,732 | .. | |
| TOTAL . . . | 2,10,58,627 | (50,034) | 18,09,388 | 2,28,17,981 | 85,37,312 | 1,42,80,669 | 1,35,81,383 | |

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA, NEW DELHI

SCHEDULE 'B'—EARMARKED INVESTMENTS

(Amounts in Rupees)

| 1 | Fixed Deposits with Banks | | Balance in other Bank Accounts | | Govt. Securities | | Total | |
|---|------------------------------|------------------|-----------------------------------|---------------|------------------|---------------|------------------|------------------|
| | 31-3-1986 | 31-3-1985 | 31-3-1986 | 31-3-1985 | 31-3-1986 | 31-3-1985 | 31-3-1986 | 31-3-1985 |
| 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | |
| (A) Education Fund Investments . . . | | | | | | | | |
| TOTAL—(A) . . . | 28,64,653 | 2630,413 | — | — | — | — | 28,64,653 | 26,30,413 |
| (B) Other Earmarked Investments: | | | | | | | | |
| (a) Research Fund . . . | 6,80,250 | 6,80,250 | — | — | — | — | 6,80,250 | 6,80,250 |
| (b) Medals & Prizes Fund . . . | 2,08,211 | 1,95,534 | 40,525 | 25,088 | 80,025 | 80,025 | 3,28,751 | 3,03,647 |
| (c) Scientific Research Fund . . . | 2,28,682 | 2,24,654 | — | 4,028 | — | — | 2,28,682 | 2,28,682 |
| (d) Others . . . | 9,47,372 | 9,81,155 | 64,105 | 52,241 | — | — | 10,11,477 | 10,33,396 |
| TOTAL—(B) . . . | 20,64,515 | 20,81,593 | 1,04,630 | 81,357 | 80,025 | 80,025 | 22,49,170 | 22,42,975 |
| GRAND TOTAL—(A+B) | 49,29,168 | 41,12,006 | 1,04,630 | 81,357 | 80,025 | 80,025 | 51,13,923 | 48,73,398 |

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA, NEW DELHI
SCHEDULE 'C'—NET CURRENT ASSETS

| Particulars | Rs. | (Amounts in Rupees) | |
|---|-------------|---------------------|--------------------|
| | | 31-3-1986 | 31-3-1985 |
| Current Assets : | | | |
| (a) Publications, Study Materials & Stationery | | 29,34,128 | 33,42,006 |
| (b) Amounts Receivable : | | | |
| (i) Interest on Investments | 9,83,565 | 8,61,230 | |
| (ii) Interest on Housing & Vehicle Loans | 6,60,234 | 5,32,603 | |
| (iii) Others | 21,68,621 | 38,12,420 | 18,83,708 |
| | | | 32,77,541 |
| (c) Loans & Advances : | | | |
| (i) Advances to Staff : | | | |
| Housing & Vehicle Loans | 33,16,428 | 30,68,489 | |
| Others | 2,08,555 | 64,570 | |
| | | 35,24,983 | 31,33,059 |
| (ii) Loan Scholarships to Students | 73,055 | 4,03,934 | |
| (iii) Others | 8,32,602 | 44,30,640 | 5,68,955 |
| | | | 41,05,948 |
| (d) Cash & Bank Balance | 49,79,181 | 52,42,235 | |
| In transit with collecting bank | 20,49,479 | 70,28,660 | 10,89,806 |
| | | | 63,32,041 |
| TOTAL | | 1,82,05,848 | 1,70,57,536 |
| Less : Current Liabilities : | | | |
| (a) Fee received in advance | 1,07,88,509 | 1,22,13,679 | |
| (b) Creditors for expenses | 30,28,116 | 28,59,948 | |
| (c) Other liabilities | 11,19,487 | 20,17,928 | |
| (d) Inter Unit Balances with Regional Councils (Net) (Subject to adjustments) | 4,42,317 | 3,50,202 | |
| | | 1, 53,78,429 | 1,74,41,757 |
| TOTAL | | | |
| Net Current Assets | | 28,27,419 | (—)3,84,221 |

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA, NEW DELHI
SCHEDULE 'D'—CAPITAL RESERVE

| Particulars | (A) | (Amounts in Rupees) | |
|--|-----|---------------------|--------------------|
| | | 31-3-1986 Rs. | 31-3-1985 Rs. |
| (A) General : | (A) | | |
| Balance as per last account | | 1,40,77,250 | 1,26,66,252 |
| Add : Admission Fees & Allocated Entrance Fee | | 11,47,400 | 10,38,600 |
| Add : Donations received for Kanpur, Madras Building | | | |
| Additional Construction and Ernakulam Building | | 2,09,784 | 3,72,398 |
| TOTAL (A) : | | 1,54,34,434 | 1,40,77,250 |
| (B) Education : | (B) | | |
| Balance as per last account | | 46,99,627 | 23,31,627 |
| Add : Transfer from Education Fund | | 5,97,000 | 23,68,000 |
| TOTAL(B) : | | 52,96,627 | 46,99,627 |
| GRAND TOTAL (A+B) : | | 2,07,31,061 | 1,87,76,877 |

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA, NEW DELHI

SCHEDULE 'E'—GENERAL RESERVE

(Amounts in Rupees)

| Particulars | 31-3-1986 Rs. | 31-3-1985 Rs. |
|--|------------------|------------------|
| Balance as per last account | 99,20,632 | 78,78,052 |
| Deficit/Surplus transferred from Income & Expenditure Account | (—)8,441 | 20,50,400 |
| | 99,12,191 | 99,28,452 |
| Less : Transferred to Earmarked Funds | (—)5,041 | (—)7,820 |
| TOTAL | 99,07,150 | 99,20,632 |

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA, NEW DELHI

SCHEDULE 'F'—OTHER RESERVES

(Amounts in Rupees)

| Particulars | 31-3-1986 Rs. | 31-3-1985 Rs. |
|---|------------------|------------------|
| Balance as per last account | 14,86,427 | 14,64,119 |
| Add : Net Accretion/adjustments during the year | 2,17,958 | 1,50,308 |
| | 17,04,385 | 16,14,427 |
| Less : Transferred to Earmarked Funds | — | (—)1,28,000 |
| TOTAL | 17,04,385 | 14,86,427 |

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA, NEW DELHI

SCHEDULE 'G'—EARMARKED FUNDS

(Amounts in Rupees)

| Particulars | 31-3-1986 Rs. | 31-3-1985 Rs. |
|---|------------------|------------------|
| (A) Education Fund: | | |
| Balance as per last account | 26,30,413 | 31,38,726 |
| Transferred from Income & Expenditure Account | 9,64,727 | 17,14,267 |
| Interest earned during the year | 1,42,017 | 1,72,285 |
| | 37,37,157 | 50,25,278 |
| Less : (a) Transferred to Capital Reserve | (—)5,97,000 | (—)23,68,000 |
| (b) Adjustments | (—)2,75,504 | (—)26,865 |
| TOTAL (A) | 28,64,653 | 26,30,413 |
| (B) Other Earmarked Funds : | | |
| (a) Research Fund | 6,80,250 | 6,80,250 |
| (b) Medals & Prizes Fund—Balance as per last Account | 3,00,647 | 2,61,112 |
| Additions during the year | 14,848 | 38,549 |
| Income earned during the year | 30,079 | 21,004 |
| | 3,45,574 | 3,20,665 |
| Less : Cost of Medals & Prizes awarded | (—)16,813 | (—)20,018 |
| | 3,28,761 | 3,00,647 |
| (c) Scientific Research Fund —Balance as per last account | 2,28,682 | 2,28,682 |
| (d) Others— | | |
| 1. Balance as per last account | 10,33,396 | 7,31,286 |
| 2. Additions during the year | 15,500 | 1,10,000 |
| 3. Transferred from General Reserve | 5,041 | 7,820 |
| 4. Transferred from Other Reserves | — | 1,28,000 |
| 5. Adjustments | (—)1,10,000 | — |
| Add : Income earned during the year | 70,646 | 57,446 |
| | 10,14,583 | 10,34,552 |
| Less : Expenditure during the year | (—)3,106 | (—)1,156 |
| | 10,11,477 | 10,33,396 |
| TOTAL(B) | 22,49,170 | 22,42,975 |
| GRAND TOTAL (A+B) | 51,13,823 | 48,73,388 |

SCHEDULE H

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA, NEW DELHI

ANNEXURE TO INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT FOR

THE YEAR ENDED MARCH 31, 1986

(Amounts in Rupees)

| | TOTAL | | MEMBERS | | STUDENTS | | | |
|--|--------------------|--------------------|--------------------|--------------------|---|------------------|--------------------|--------------------|
| | | | Regulatory | | Professional Development & Research | | | |
| | 31-3-1986 | 31-3-1985 | 31-3-1986 | 31-3-1985 | 31-3-1986 | 31-3-1985 | 31-3-1986 | 31-3-1985 |
| INCOME | | | | | | | | |
| 1. Entrance Fee (Allocated) | 4,40,900 | 4,00,200 | 4,40,900 | 4,00,200 | — | — | — | — |
| 2. Membership Fee | 97,01,977 | 86,73,345 | 97,01,977 | 86,73,345 | — | — | — | — |
| 3. Post Graduate Course Fee | 19,700 | 15,900 | — | — | 19,700 | 15,900 | — | — |
| 4. Students' Registration Fee | 13,32,740 | 12,04,440 | — | — | — | — | 13,32,740 | 12,04,440 |
| 5. Students' Associa- tion Fee | 1,06,660 | 92,560 | — | — | — | — | 1,06,660 | 92,560 |
| 6. Coaching Fee | 98,14,291 | 90,44,208 | — | — | — | — | 98,14,291 | 90,44,208 |
| 7. Examination Fee | 71,30,634 | 77,66,382 | — | — | — | — | 71,30,634 | 77,66,382 |
| 8. Journal & News Letter | 4,60,152 | 3,48,360 | — | — | — | — | 4,60,152 | 3,48,360 |
| 9. Publications | 32,35,142 | 31,63,679 | — | — | 14,04,458 | 9,28,183 | 18,30,684 | 22,35,496 |
| 10. Interest on Investments | 1,71,336 | 1,67,195 | — | — | 1,01,480 | 98,422 | 69,856 | 68,773 |
| 11. Nomination Fee for Election to Council & Regional Councils | 97,400 | — | 97,400 | — | — | — | — | — |
| 12. Others | 7,53,129 | 3,96,871 | — | 5,686 | 4,22,765 | 2,39,174 | 3,30,364 | 1,52,011 |
| SUB-TOTAL | 3,32,64,061 | 3,12,73,140 | 1,02,40,277 | 90,79,131 | 19,48,403 | 12,81,679 | 2,10,75,381 | 2,09,12,230 |
| 13. Income from General Fund Investments (Allocated) | 16,57,007 | 17,71,770 | 8,78,214 | 11,81,180 | — | — | 7,78,793 | 5,90,590 |
| SUB-TOTAL | 3,49,21,068 | 3,30,44,910 | 1,11,18,491 | 1,02,60,411 | 19,48,403 | 12,81,679 | 2,18,54,174 | 2,15,02,820 |
| 14. Prior Period Adjustments* | 3,51,597 | 3,88,804 | — | — | 56,858 | 1,94,402 | 2,94,739 | 1,94,402 |
| TOTAL | 3,52,72,665 | 3,34,33,714 | 1,11,18,491 | 1,02,60,411 | 20,05,261 | 14,76,081 | 2,21,48,913 | 216,97,222 |

*Includes Rs. 2,90,209 which represents adjustments made to reconcile a bank account of Examination Section

SCHEDULE I

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA, NEW DELHI
ANNEXURE TO INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT FOR
THE YEAR ENDED MARCH 31, 1986

(Amounts in Rupees)

| | TOTAL | MEMBERS | | | | STUDENTS | |
|--|--------------------|--------------------|------------------|-------------------------------------|------------------|------------------|--------------------------------|
| | | Regulatory | | Professional Development & Research | | 31-3-1986 | 31-3-1985 |
| | | 31-3-1986 | 31-3-1985 | 31-3-1986 | 31-3-1985 | | |
| II. EXPENDITURE : | | | | | | | |
| 1. Salaries & Staff Expenses | 1,16,27,340 | 96,76,106 | 23,73,521 | 18,75,171 | 24,32,173 | 21,43,814 | 68,21,646 56,57,121 |
| 2. Printing & Stationery | 11,50,034 | 10,12,590 | 1,40,157 | 1,24,120 | 5,27,066 | 4,72,378 | 4,82,811 4,16,092 |
| 3. Publications | 20,86,806 | 22,20,092 | 5,93,295 | 4,20,910 | 5,83,986 | 6,60,075 | 9,09,525 11,39,107 |
| 4. Journal & News Letter | 25,65,272 | 21,68,455 | — | — | 21,75,804 | 18,44,279 | 3,89,468 3,24,176 |
| 5. Coaching (Excluding Salaries & Staff Expenses) | 32,83,703 | 30,33,957 | — | — | — | — | 32,83,703 30,33,957 |
| 6. Examination (Excluding Salaries & Staff expenses) | 51,63,490 | 49,67,875 | — | — | — | — | 51,63,490 49,67,875 |
| 7. Postage, Telegrams & Telephone | 10,31,507 | 9,30,918 | 2,25,017 | 2,07,667 | 3,20,080 | 2,82,855 | 4,86,410 4,40,396 |
| 8. Rent, Rates & Taxes | 14,15,176 | 11,56,165 | 2,82,930 | 2,41,627 | 4,95,522 | 3,83,870 | 6,36,724 5,30,688 |
| 9. Repairs & Maintenance | 5,54,990 | 3,79,338 | 1,21,237 | 87,182 | 1,73,769 | 1,10,139 | 2,59,984 1,82,017 |
| 10. Depreciation | 11,27,221 | 9,91,300 | 2,81,805 | 2,47,826 | 2,81,806 | 2,47,825 | 5,63,610 4,95,649 |
| 11. Travelling & Conveyance | | | | | | | |
| (a) Council Members | 10,45,080 | 9,91,249 | 2,23,768 | 1,85,107 | 5,06,383 | 4,94,766 | 3,14,929 3,11,376 |
| (b) Staff & Others | 4,88,135 | 3,69,174 | 1,00,017 | 56,012 | 1,71,783 | 1,27,930 | 2,16,335 1,85,232 |
| 12. Library Maintenance | 85,675 | 48,970 | — | — | 38,928 | 29,528 | 46,747 19,442 |
| 13. Overseas Relations | 4,03,476 | 3,63,866 | — | — | 4,03,476 | 3,63,866 | — |
| 14. Professional Fees | 2,41,295 | 2,72,288 | 34,659 | 42,459 | 1,08,700 | 1,17,588 | 97,936 1,12,241 |
| 15. Elections | 7,01,385 | 7,295 | 7,01,385 | 7,295 | — | — | — |
| 16. Others | 12,96,353 | 10,79,409 | — | — | 7,63,801 | 6,26,070 | 5,32,552 4,53,339 |
| SUB-TOTAL | 3,42,66,938 | 2,96,69,047 | 50,77,791 | 34,95,376 | 89,83,277 | 79,04,983 | 2,02,05,870 1,82,68,688 |
| 17. Prior period adjustment | 49,441 | — | — | — | 35,853 | — | 13,588 |
| TOTAL | 343,16,379 | 2,96,69,047 | 50,77,791 | 34,95,376 | 90,19,130 | 79,04,983 | 2,02,19,458 1,82,68,688 |

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA, NEW DELHI
ANALYSIS OF EXPENSES ON MEMBERS FOR THE YEAR 1985-86

Appendix

| S.No. | Particulars | 1985-86 | 1984-85 |
|--|-------------|------------|---------|
| 1. (a) No. of Members | 40,331 | 36,254 | |
| (b) Total Expenditure* | Rs. 14,097 | Rs. 11,400 | |
| 2. Total Expenditure per member | Rs. 350 | Rs. 314 | |
| 3. Regulatory | | | |
| (a) Total Expenditure* | Rs. 5,078 | Rs. 3,495 | |
| (b) Expenditure per member | Rs. 126 | Rs. 96 | |
| (c) Percentage | 36% | 31% | |
| 4. Professional Development & Research | | | |
| (a) Total Expenditure* | Rs. 9,019 | Rs. 7,905 | |
| (b) Expenditure per member | Rs. 224 | Rs. 218 | |
| (c) Percentage | 64% | 69% | |

*Rupees in thousands

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA, NEW DELHI
STATEMENT OF CHANGES IN FINANCIAL POSITION FOR
THE YEAR ENDED 31ST MARCH 1986

(Rupees in lakhs)

| | 1985-86 | 1984-85 |
|---|--------------|--------------|
| Source of Funds : | | |
| Net Income from Investments, property etc. (both on capital and revenue accounts) | 20.57 | 21.73 |
| Capital receipts in the form of entrance fee, donations etc. | 12.20 | 16.86 |
| Release of Investments | 15.11 | — |
| | 47.88 | 38.59 |
| Surplus for the year without charging depreciation and considering non-operational income from investments and property | 02.32 | 28.80 |
| TOTAL | 50.20 | 67.39 |
| Application of Funds : | | |
| Increase in working capital | 32.11 | 33.44 |
| Acquisition of Fixed Assets | 18.09 | 22.53 |
| Acquisition of Investments | — | 11.42 |
| TOTAL | 50.20 | 67.39 |

STATEMENT OF CHANGE IN WORKING CAPITAL

(Rupees in lakhs)

| | Increase/Decrease | |
|---|-------------------|--------------|
| | 1985-86 | 1984-85 |
| CURRENT ASSETS | | |
| (a) Publications, Study Materials & Stationery | (—)40.08 | 08.40 |
| (b) Amounts Receivable : Interest on Investments on Housing & Vehicle Loans | 01.22 | 00.78 |
| Others | 01.27 | 05.33 |
| | 02.85 | 00.10 |
| (c) Loans & Advances | | |
| (i) Advances to Staff | 03.92 | 08.74 |
| (ii) Loan Scholarships to Students | (—)03.31 | (—)00.34 |
| (iii) Others | 02.64 | (—)00.53 |
| (d) Cash & Bank balances | 06.97 | 23.48 |
| TOTAL | 11.48 | 45.96 |
| CURRENT LIABILITIES | | |
| (a) Fees received in advance | (—)14.25 | (—)11.41 |
| (b) Creditors for expenses | 01.68 | 11.55 |
| (c) Other Liabilities | (—)08.06 | 12.38 |
| TOTAL | (—)20.63 | 12.52 |
| Net Increase in Working Capital | 32.11 | 33.44 |

R. L. CHOPRA, Secy.